नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1853 : एशिया की पहली ट्रेन बॉम्बे से तन्ना तक चलायी गयी।

1859 : वर्ष 1857 विद्रोह के नेता तात्यां तोपे को फांसी दी गयी।

1917 : महात्मा गांधी ने सत्याग्रह के लिए बिहार के चंपारण का चयन किया।

1955 : प्रसिद्ध वैज्ञानिक अलबर्ट आइंस्टाइन का निधन।

1971 : 'सम्राट अशोक' नामक देश का पहला जंबो जेट विमान 747 मुंबई में उतरा।

• 18 अप्रैल 2025 शुक्रवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 324 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड के सरकारी कर्मियों को हेमंत सरकार ने दिया बड़ा तोहफा

एसबीआई के साथ एमओयू, सभी खाताधारकों को मिलेगा बीमा लाभ

■ एसबीआई के साथ हुआ एमओयू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। हेमंत सरकार की पहल पर झारखंड के सरकारी कर्मियों को एक बड़ा तोहफा मिला है। एसबीआई में सैलरी अकाउंट रखने वाले सरकारी कर्मियों को दुर्घटना समेत कई तरह की बीमा का लाभ मिलेगा। इस बाबत प्रोजेक्ट भवन में वित्त विभाग का एसबीआई के साथ एमओयू हुआ है। खास बात है कि जिनका सैलरी अकाउंट एसबीआई में नहीं है और वे एसबीआई में अपना सैलरी अकाउंट खुलवाते हैं तो उन्हें भी लाभ मिलेगा। दूसरी बड़ी बात यह है कि बीमा लाभ के बदले प्रीमियम के नाम पर एक पैसा भी नहीं देना होगा।

किस कैटेगरी में कितनी मिलेगी बीमा राशि

- दुर्घटना में मौत होने पर परिजनों को 1 करोड़ रु
- स्थायी अपंगता पर 1 करोड़ रु. मिलेंगे
- 1.60 करोड़ का हवाई दुर्घटना बीमा आंशिक अपंगता पर 80 लाख का बीमा लाभ
- 10 लाख रु का जीवन बीमा लाभ
- परिवार के चार सदस्यों के लिए 5-5 लाख का स्वास्थ्य बीमा लाभ

सीएम, वित्त मंत्री और एसबीआई प्रबंधन की प्रतिक्रिया

एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि एसबीआई के सहयोग से राज्यकर्मियों को आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके लिए एसबीआई प्रबंधन का शुक्रिया अदा करते हुए सीएम ने कहा कि यह झारखंड के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों की चिंता करती है। साथ ही उम्मीद करते है कि कर्मी भी अपने कर्तव्यों का पालन भी पूरी ईमानदारी से करें। कार्यक्रम में शामिल वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि इस लाभ के बदले किसी भी कर्मचारी को एक भी पैसा नहीं देना होगा। सिर्फ एक शर्त है कि कर्मचारी का खाता एसबीआई में होना चाहिए। एसबीआई, बिहार-झारखंड के मुख्य महाप्रबंधक के. बी. बंगा राजू ने कहा कि झारखंड में 580 ब्रांच और 1260 एटीएम से ग्राहकों को सेवा दी जा रही है। राज्य में करीब 1 लाख 70 हजार कर्मचारी हैं। इनमें 70 हजार पुलिसकर्मियों के लिए सितंबर 2024 में ही एमओयू हो चुका है। आज के एमओयू से राज्य के 1 लाख 5 हजार कर्मचारियों को बीमा लाभ मिलेगा।

झारखंड पुलिस के साथ भी हो चुका है एमओयूइसी

इसी तरह का एक एमओयू सितंबर 2024 में झारखंड पुलिस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बीच हुआ था। इसके तहत झारखंड पुलिस के अधिकारियों और जवानों को व्यक्तिगत दुघर्टना मृत्यु बीमा 01 करोड़ रु देने का प्रावधान है। स्थायी पूर्ण विकलांगता पर भी 01 करोड़ का बीमा लाभ मिलना है। जबकि स्थायी आंशिक विकलांगता पर 80 लाख तक, वायुयान दुघर्टना पर 01 करोड़ 60 लाख रुपया, नक्सल हिंसा/ उग्रवादियों एवं अपराधकर्मियों द्वारा घात लगाकर किये गये हमलों में शहीदों के आश्रित को अतिरिक्त 10 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

एयर शो का हुआ रिहर्सल, आसमान में हैरतअंगेज करतब करते दिखे एयरक्राफ्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के नामकुम स्थित खोजाटोली आर्मी मैदान में 19 और 20 अप्रैल को भारतीय वायुसेना का एयर शो होने वाला है। इसी बीच गुरुवार को खोजाटोली आर्मी मैदान में एयर शो का रिहर्सल हुआ। सुबह करीब 10:15 बजे से 10:45 बजे तक सूर्य किरण टीम ने 6 एयरक्राफ्ट के साथ रिहर्सल किया। एयर शो की रिहर्सल शुरू होते ही अचानक तेज गर्जन के साथ नामकुम इलाका गूंज उठा। 6 एयरक्राफ्ट एक साथ आसमान को चिरते हुए आगे बढ़े। आसमान में करतब दिखा रहे एयरक्राफ्ट को पहली बार देख ग्रामीण शुरुआत में काफी भ्रमित और बाद में उत्साहित नजर आयें। रिहर्सल के दौरान 4 एयरक्राफ्ट एक साथ और 2 एयरक्राफ्ट उनसे कुछ दूरी पर दाएं-बाएं मुड़कर करतब दिखाते नजर आयें। शनिवार और रविवार को होने वाले एयर शो को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही है। वहीं वायु सेना की टीम भी इस पल को यादगार बनाने में लगी है। मैदान में एक बड़ा मंच बनाया गया है। इसके अलावा बड़े क्षेत्र में बैरिकेडिंग भी की गयी है। बैरिकेडिंग के बाहर दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। एयर शो कार्यक्रम में शामिल होने के लिए

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी आमंत्रित किया गया है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को निमंत्रण दिया है। इनके अलावा कई अन्य पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जा रहे हैं। कार्यक्रम सुबह 09:45 बजे से शुरू होगा और 10:45 बजे समाप्त होगा। दोनों दिन कार्यक्रम की समयावधि एक ही रहेगी। कार्यक्रम में सभी का प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। एयर शो का आनंद लेने के लिए आपको सुबह 08:30 बजे तक खोजाटोली आर्मी मैदान में पहुंचना होगा। कार्यक्रम स्थल पर सभी लोगों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था होगी। इसके अलावा वाहन पार्किंग, पेयजल और शौचालय की भी उत्तम व्यवस्था रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं : उपराष्ट्रपति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की उस सलाह पर आपत्ति जताई, जिसमें उसने राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समय सीमा तय की थी। धनखड़ ने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को मिला विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ चौबीसों घंटे उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को तमिलनाडु गवर्नर बनाम राज्य सरकार के केस में गवर्नर के अधिकार की 'सीमा' तय कर दी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला अ ौर जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा था, 'राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।' सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोके जाने को अवैध भी बताया था। राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, 'हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो 'सुपर संसद' के रूप में भी कार्य करेंगे। उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है।'

महिला का मिला शव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गोड्डा। जिले के बसंतराय थाना क्षेत्र में एक महिला का शव मिला है। अमरपुर कैथिया बहियार में सुबह बकरी चराने गए एक स्थानीय व्यक्ति ने शव को देखा। मृतक महिला की उम्र लगभग 35 वर्ष है। सूचना मिलते ही बसंतराय थाना प्रभारी मनीष कुमार यादव और पथरगामा पुलिस निरीक्षक विष्णु देव चौधरी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। अभी तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। प्राथमिक जांच में पुलिस को हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। आशंका जाहिर की जा रही है कि कहीं और हत्या के बाद शव को यहां फेंका गया है। पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गोड्डा भेज रही है। पथरगामा पुलिस निरीक्षक विष्णु देव चौधरी के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

महिला ने जहर खाकर की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना के पालीगंज में एक महिला ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। बताया गया कि पति के साथ अकसर विवाद होता था। बुधवार की रात भी दंपती में झगड़ा हुआ था। मृतका की पहचान बालापर मोहल्ला में 34 वर्षीया पूजा देवी के रूप में हुई है। पूजा की शादी लगभग 15 साल पहले लालू चौहान से हुई थी। दंपती के दो बच्चे भी हैं। सुबह आसपास के लोगों को पूजा की मौत की खबर मिली। घटना के बाद से पति सहित पूरा ससुराल पक्ष फरार हो गया है। पड़ोसियों ने महिला के मायके वालों को सूचना दी। मां रिंकू देवी ने बताया कि कल शाम तक सब ठीक था। उन्होंने बताया कि बेटी की मौत जहर की वजह से हुई है। पूजा की शादी हिंदू रीति-रिवाज से की गई थी। पालीगंज थाना के एसआई रोहितेश्वर सिंह के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सबसे पहले पटना एफएसएल को जानकारी दी गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल पालीगंज भेजा गया है।

लोगों की समस्याओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में राजस्व संग्रहण एवं राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व संग्रहण, दाखिल खारिज, भूमि सीमांकन, ई-रेवेन्यू कोर्ट, सक्सेसन म्यूटेशन, पार्टीशन म्यूटेशन, एफआरए, भूमि हस्तांतरण, सर्टिफिकेट केस समेत विभिन्न विषयों पर गहन समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त ने नगर पंचायत क्षेत्र एवं विभिन्न अंचलों में हुए राजस्व संग्रहण की जानकारी लेते हुए शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया। विशेषकर नगर पंचायत क्षेत्र में राजस्व संग्रहण में बढ़ोतरी करने को कहा गया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आमजनों को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध है, लोगों की समस्याओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। इस बैठक में डीसीएलआर, जिला खनन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत, सभी अंचल अधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

शाहबाद में अंतरप्रांतीय रात्रि घोड़ा दौड़ का आयोजन नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने किया उद्घाटन

रॉकेट, मिल्खा सिंह समेत बिहार-यूपी के घोड़ों ने लिया भाग

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड के भेड़िया-खजुरिया गांव पहली बार शाहबाद अंतरप्रांतीय रात्रि घोड़ा दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, राज्यसभा सांसद संजय यादव, सामाजिक कार्यकर्ता सोनाली सिंह, पूर्व विधायक अरुण यादव, बिहार के गोल्डन मैंन प्रेम सिंह समेत राजद के कई वरीय नेता मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी यादव का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मौर्या होटल के निदेशक बी.डी सिंह और खजुरिया पंचायत के पूर्व मुखिया संतोष सिंह के द्वारा किया गया था।

यूपी और बिहार के घुड़सवारों ने लिया भाग

इसके बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव,संजय यादव ने दीप प्रज्वलित कर एवं घोड़ों को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम विधिवत उद्घघाटन किया। घोड़ा दौड़ में बिहार एवं उत्तर प्रदेश के घुड़सवारों ने भाग लिया था । मुख्य रूप से भोजपुर के झौआ निवासी हरे राम का घोड़ा रॉकेट,मोकामा का स्व विवेका पहलवान का घोड़ा बाली, बक्सर के पिंटू सिंह का घोड़ा मिल्खा सिंह एवं बक्सर के अजय सिंह का घोड़ा बिजली रानी समेत अन्य घोड़े मौजूद थे । इस दौड़ में बच्चा घोड़े का रेस, दो दांत घोड़े का रेस, घोड़ी का रेस और पट्ठा घोड़े का रेस हुआ ।

बिहार को आगे बढ़ाना है तो खटारा गाड़ी से उतारना होगा

इस कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रम में आए हमारे भाई एवं पार्टी के नेताओं को दिल से धन्यवाद देता हूं और घोड़ा रेस कार्यक्रम में आप सभी लोगों का स्वागत करते है। साथ ही विशेष रूप से आयोजकों को धन्यवाद देते है। पहली बार रात्रि घोड़ा दौड़ का आयोजन किया गया है जिसके कारण मैं बी.डी सिंह को धन्यवाद देता है। बी.डी सिंह काफी दिनों से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हुए थे। तेजस्वी यादव ने कहा कि तेज रफ्तार से अगर बिहार को आगे बढ़ाना है तो खटारा गाड़ी से हमलोगों को उतरना पड़ेगा। वही सोनिया-राहुल पर चार्जशीट के बाद तेजस्वी ने कहा कि सरकार में बैठे लोगों का यही काम है संविधान को खत्म करो,आरक्षण को खत्म करो,संवैधानिक संस्थाओं को समाप्त करो। हाई जैक कर अपने लोगों को बैठाओ और पॉलिटिकल टूर बनाकर एजेंसियों का दुरुपयोग करने काम सरकार में बैठे लोगों के द्वारा किया जा रहा है।

ऐसे कार्यक्रम समाज को जोड़ते हैं

वहीं आयोजनकर्ता बी.डी सिंह ने कहा कि इतिहास में पहली बार भोजपुर में शाहाबाद रात्रि घोड़ा दौड़ का आयोजन किया गया है। घोड़े के शौकीन लोग इस कार्यक्रम में बढ़कर हिस्सा लिए। सभी लोग दिन में दौड़ का आयोजन करते थे लेकिन हमारी टीम ने रात में दौड़ का आयोजन किया । बिहार-उत्तर प्रदेश के अंतराज्यीय,अंतरराष्ट्रीय दौड़ शामिल होने घोड़सवार लोग शामिल हुए। मैं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, राज्यसभा सांसद संजय यादव को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद देता हूं। वही गोल्डन मैंन प्रेम सिंह ने कहा कि हमारे अभिभावक बी.डी सिंह ने इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया है। बी.डी सिंह समाज से जुड़े हुए लोगों को साथ में लेकर चलते है। हर लोगों को मदद करने का काम करते हैं। इस कार्यक्रम में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता सोनाली सिंह ने कहा कि पहली बार रात्रि में घोड़ा दौड़ का कार्यक्रम हुआ है, दौड़ में विजेता,उप विजेता को उचित सम्मान दिया जा रहा है। घोड़ा दौड़ कार्यक्रम लोगों को समाज से जोड़ने का काम करता है।

बिहार के 900 से ज्यादा तालाबों और पोखरों की जांच के आदेश

भागलपुर, एजेंसी। बिहार में सार्वजनिक तालाब और पोखरों के पानी की जांच होगी। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के आदेश पर 920 तालाबों और पोखरों के पानी की जांच की जानी है। पानी की जांच के लिए भागलपुर की लेबोरेटरी को नोडल लैब बनाया गया है। यहां भागलपुर समेत बांका, बेगूसराय, खगड़िया और मुंगेर से आए पानी की जांच हो सकेगी। एनजीटी के निर्देशों के पालन के लिए पटना, मुजफ्फरपुर, अररिया, बिहारशरीफ और सासाराम में भी लैब बनाई गई हैं। जानकारों ने बताया कि नोडल लैब में पानी के सात पारामीटर की जांच होगी। नोडल लैब में कलर, टेंप्रेचर, डिजाल्बड ऑक्सीजन (डीओ), बॉयो केमिकल डिमांड (बीओडी), केमिकल ऑक्सीजन डिमांड (सीओडी), टोटल कॉलीफॉर्म (टीसी) और फेकल कॉलीफॉर्म (एफसी) पारामीटर की जांच की सुविधा दी गई है। भागलपुर नोडल लैब से 82 तालाबों को जोड़ा गया है। यहां भागलपुर के 52, बांका के 15, बेगूसराय के 6, खगड़िया के 5 और मुंगेर के 4 तालाबों जांच होगी।

मछली पालन से पहले पोखर के पानी की जांच जरूरी

अभियंता बताते हैं कि पीएचईडी की क्षेत्रीय जल जांच प्रयोगशाला (नोडल लैब) में तालाबों या पोखरों के पानी की जांच में यह पता चलता है कि यहां का पानी जहरीला तो नहीं है। यह मछली पालन के लिए उपयोगी है या नहीं। जांच के दौरान देखा जाता है कि मछली पालन के लिए तालाब कितना उपयोगी है। इसका टेंप्रेचर कितना है एवं पानी में ऑक्सीजन कितनी घुली हुई है। दरअसल, जल जीवन हरियाली अंतर्गत भागलपुर समेत पांच जिले के पांच एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों व पोखरों की जल की जांच कराने की जिम्मेदारी मिली है। पीएचईडी के अधिकारी इन पोखरों से सैंपल कलेक्ट कर जल की जांच कराएंगे। यह जांच हर तीन महीने पर होती है। कार्यपालक अभियंता, दिलीप कुमार ने बताया कि भागलपुर में पीएचईडी की नोडल लैब को नेशनल अक्रेडटेशन बोर्ड फॉर, टेस्टिंग एंड कॉलीब्रेशन लेबोरेटरीज से मान्यता मिली है। यहां जल की जांच की मान्यता अंतरराष्ट्रीय स्तर की है। लैब में इंफ्रास्ट्रक्चर, मैनपावर एवं इक्यूपमेंट भी बढ़े हैं।

नीतीश कुमार को नसीहत ना दें ममता बनर्जी : बंगाल सीएम को जदयू ने दी सलाह?

पटना, एजेंसी। वक्फ बिल को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा पर बिहार में सियासत सुलग गई है। नीतीश कुमार और चंद्र बाबू नायडू को लेकर दिए गए ममता बनर्जी के बयान पर जनता लद यूनाइटेड गर्म हो गयी है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नीरज कुमार सिंह ने ममता बनर्जी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा है कि नीतीश कुमार को ममता बनर्जी कोई नसीहत नहीं दें तो अच्छा होगा। दरअसल वेस्ट बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद की हिंसा के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया है। इस मामले में उन्होंने नीतीश कुमार और चंद्र बाबू नायडू को भी लपेटने की कोशिश की। उन्होंने कहा है कि नीतीश कुमार और चंद्र बाबू नायडू इस में चुप्पी साध रखे हैं। इसे सब लोग देख रहे हैं। उन्होंने वक्फ बिल पर जेडीयू की ओर से नरेंद्र मोदी सरकार और बीजेपी को जेडीयू द्वारा समर्थन देने की भी चर्चा की। इस पर जदयू के कई नेता भड़क गए हैं। पार्टी के मुख्य प्रवता नीरज कुमार सिंह ने कहा है कि दीदी नीतीश कुमार को नसीहत नहीं दें। बिहार में अमन चैन बहाल है जबकि वेस्ट बंगाल का हाल पूरा देश देख रहा है। नीतीश कुमार के आने के बाद बिहार में कोई बड़ा सांप्रदायिक हिंसा नहीं हुई जबकि बंगाल में की घटनाएं हुईं। नीतीश कुमार जी को कम से कम ममता बनर्जी को नसीहत देने की जरूरत नहीं है। बीजेपी के नेता रामकृपाल यादव ने भी प्रतिक्रिया दी है। कहा है कि बंगाल में जो इतना खून खराबा हो रहा है वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संरक्षण में हो रहा है। दरअसल वक्फ संशोधन बिल के विरोध में मुर्शिदाबाद इन दिनों जल रहा है। कई दिनों से जारी हिंसा की वजह के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। हिंसा की आगर मुर्शिदाबाद से निकलकर दक्षिण 24 परगना तक पहुंच गई। कई लोगों की हत्या कर दी गई। बड़ी संख्या में हिंदू आबादी भागकर पड़ोसी देश झारखंड पहुंचे हैं। वहां की हिंसा की आंच से बिहार की सियासत गरमा रही है।

हथियार तस्करी मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

भोजपुर में हथियार और गोली लेकर जा रहे थे दो बदमाश, वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने दबोचा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के बहोरनपुर थाना पुलिस ने अवैध हथियार और कारतूस के साथ तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए गए बदमाशों के पास से एक देसी रिवाल्वर, नौ कारतूस, दो मोबाइल एवं एक बाइक जब्त की गई है।

पुलिस ने इनमें दो की गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के गौरा बाजार एवं तीसरे की गिरफ्तारी सहार थाना क्षेत्र के मुदफ्फरपुर गांव से हो सकी। गिरफ्तार बदमाशों में बहोरनपुर थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव निवासी अरविंद यादव, गुड्डू कुमार यादव और सहार थाना क्षेत्र के मुजफ्फरपुर गांव निवासी अमरेन्द्र सिंह शामिल हैं। इसे लेकर आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस को मोबाइल से एक फर्जी लाइसेंस की कापी भी मिली है। इधर, बहोरनपुर थानाध्यक्ष सुशांत कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक बाइक पर सवार दो सदस्य अवैध हथियार और कारतूस के साथ जाने वाले हैं।

पुलिस को देखकर भाग रहे थे बदमाश

सूचना के सत्यापन उपरांत पुलिस द्वारा गौरा बाजार पर वाहन चेकिंग लगाया गया। चेकिंग के दौरान बाइक सवार गुड्डू कुमार एवं अरविंद यादव पुलिस को देख गाड़ी घुमाकर भगाने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने दोनों को दबोच लिया।

तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से एक देसी रिवाल्वर, नौ जिंदा कारतूस एवं दो मोबाइल बरामद किया। उनके पास से बाइक को भी जब्त कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान गुड्डू कुमार एवं अरविंद यादव द्वारा हथियार देने वाले में अमरेन्द्र सिंह का नाम बताया गया। निशानदेही पर हथियार देने वाले अमरेन्द्र सिंह को उसके गांव मुदफ्फरपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। इधर,थानाध्यक्ष ने बताया कि पकड़े गए गुड्डू यादव से पूछताछ में फर्जी आर्म्स लाइसेंस बनवाए जाने का खुलासा हुआ है। मोबाइल से भी लाइसेंस की काफी मिली है। जांच चल रही है। पुलिस ने तीनों सदस्यों के खिलाफ बहोरनपुर थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की है। बता दें कि पकड़ा गया अमरेन्द्र सिंह पूर्व में भी जेल जा चुका है।

बुर्का पहन लव मैरिज करने कोर्ट पहुंची हिंदू लड़की, मच गया बवाल ; भीड़ ने प्रेमी को धुना

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर कोर्ट में शादी का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया। बुधवार शाम को कोर्ट में शादी करने आए प्रेमी युगल को भीड़ पकड़ लिया और प्रेमी की जमकर धुनाई कर दी। दोनों को नगर थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। दरअसल हिंदू युवती को बुर्का पहनाकर शादी के लिए लाया गया था। प्रेमी और प्रेमिका अलग अलग समुदाय से थे। हिंदूवादी संगठनों ने प्रेमी युवक पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। दरअसल युवती को बुर्का पहनाकर लव मैरिज के लिए सीतामढ़ी का युवक बुधवार को कोर्ट पहुंचा। नोटरी वकील ने दोनों का आधार लिया तो वे लड़की का नाम देखकर चौंक गए। युवती का बुर्का उतरवाया गया। इसके बाद कई वकील पहुंच गए। थोड़ी देर बाद एक संगठन के कार्यकर्ता भी आ गए और उसे कचहरी परिसर में पकड़ लिया गया। संगठन के आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने आरोपित युवक की पिटाई कर दी। हंगामे की सूचना मिलने पर नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ से दोनों को बचाकर थाने ले आई। संगठन के लोगों ने लव जिहाद का आरोप लगाते हुए कोर्ट परिसर में काफी बवाल भी किया। संगठन की ओर से युवक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गयी है। हालांकि पुलिस इस मामले में फूंक फूंक कर कदम उठा रही है। इस मामले में नगर थानेदार शरत कुमार ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। युवती और युवक के परिजनों को थाने पर बुलाया जा रहा है। दोनों के परिजन सीतामढ़ी से मुजफ्फरपुर के लिए निकल चुके हैं। इधर मुजफ्फरपुर कोर्ट के अधिवक्ता सुबोध कुमार ने बताया कि मामला संदिग्ध पाते हुए दोनों को रोक लिया गया। इसके बाद कई वकील और पैरवीकारों की भीड़ जुट गई, जिसके बाद हंगामा हो गया। नगर थाना पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। कोर्ट में काफी देर तक इस मामले को लेकर गहमा गहमी स्थिति बनी रही।

पटना में जेपी गंगा पथ के नीचे बड़ा हादसा, सेल्फी लेते वक्त गंगा नदी में डूबे 2 छात्र ; एक की मौत

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में स्थित जेपी गंगा पथ के नीचे बड़ा हादसा हो गया है। दरअसल यहां गंगा में नहाने गये दो छात्र सेल्फी लेने के दौरान डूब गये। एक को लाइफ जैकेट फेंक जहाज के कर्मी ने बचा लिया। दूसरे का शव गंगा नदी में मिला। हादसा बुधवार की शाम छह बजे पीरबहोर थानांतर्गत गांधी घाट पर जेपी-गंगा पथ के नीचे बने पिलर नंबर 59 के सामने हुआ। इसी जगह दो छात्र शाम के वक्त नहाने आये थे। दोनों छात्र नहाने के दौरान सेल्फी ले रहे थे। इसी बीच एक गंगा नदी में आगे पाया नंबर 59 के पास पहुंच गया। उसे पानी की गहराई का अंदाजा नहीं हुआ। छात्र नदी में डूबने लगा। यह देख उसका दूसरा साथी उसे बचाने के लिए आगे बढ़ा। वह भी डूबने लगा। पास खड़े पर्यटन विभाग के जहाज पर सवार एक कर्मी की नजर डूब रहे छात्रों पर पड़ी। उसने जहाज पर रखे लाइफ जैकेट को फेंककर एक को बचा लिया जबकि दूसरा पानी की गहराई में चला गया।

हटाए गए ऑपरेटर, जिले के स्कूलों में बंद हुआ आधार केंद्र

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जिले में स्कूलों में स्थापित आधार केन्द्र के आधार ऑपरेटर को हटा दिया गया है। इस वजह से जिले में आधार केंद्र बंद हो गए हैं। जिले में अभी भी 30 फीसदी से अधिक बच्चों का आधार नहीं बना है। स्कूली बच्चों के अपार कार्ड बनाने से लेकर ई शिक्षा कोष पर योजनाओं के लाभ को लेकर आधार अनिवार्य किया गया है। जिले में स्कूली बच्चों का आधार बनवाने को लेकर हर प्रखंड में हाईस्कूल कैम्पस में एक-एक आधार केंद्र खोला गया था। ऑपरेटरों के हटाने के कारण आधार मशीन रहते हुए भी बच्चों का आधार नहीं बन रहा है। बुधवार को प्रखंडों में अभिभावक बच्चों का आधार बनवाने के लिए पहुंचे, मगर आधार नहीं बन सका। इसे लेकर अभिभावकों में आक्रोश रहा। अभिभावकों के आक्रोश और अपनी बहाली की मांग लेकर डीईओ कार्यालय में पहुंचे ऑपरेटरों ने गुहार लगाई। ऑपरेटरों ने कहा कि हर दिन एक केन्द्र पर 30-50 बच्चों का आधार बन रहा था, मगर अब हमें कार्य मुक्त कर दिया गया है।

गया में 50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, हत्या, डकैती, अपहरण, आर्म्स एक्ट के दर्ज हैं मामले

एसटीएफ और जिला पुलिस ने गुप्त सूचना पर दबोचा

गया, एजेंसी। एसटीएफ और गया पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में जिले के कुख्यात अपराधियों में शुमार और 50 हजार रुपए के इनामी बदमाश धर्मेन्द्र पासवान उर्फ अमरेन्द्र पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए आरोपी से पुलिस पूछताछ में जुटी है। पुलिस को उम्मीद है कि उसे पकड़े गए अपराधी से कई महत्वपूर्ण इनपुट्स मिल सकते हैं। इसकी जानकारी टिकारी पुलिस अनुमंडल के एसडीपीओ, एसके चंचल ने दी। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि वांछित अपराधी धर्मेंद्र पासवान परैया थाना क्षेत्र में देखा गया है। सूचना मिलते ही गठित विशेष टीम ने तत्परता दिखाते हुए इलाके में दबिश दी और आरोपी को मौके से धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गया के परैया थानाक्षेत्र के कमलदह निवासी धर्मेन्द्र पासवान उर्फ अमरेन्द्र के रूप में हुई है।

हत्या, डकैती, अपहरण, आर्म्स एक्ट के दर्ज हैं मामले : एएसपी के निर्देश पर गठित इस टीम में एएसपी, एसडीपीओ टिकारी, थानाध्यक्ष परैया, परैया थाना की पुलिस और गया स्ज्ञस्न के अधिकारी शामिल थे। एसडीपीओ ने बताया कि टीम ने पारंपरिक और तकनीकी माध्यमों से सुराग जुटा कर आरोपी को पकड़ने में कामयाबी हासिल की। गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ कि धर्मेन्द्र कई संगीन मामलों में शामिल रहा है। 2014 में गनौरी बिगहा गांव में हथियार के बल पर लूट और अपहरण की वारदात में इसकी संलिप्तता पाई गई थी। इसके खिलाफ परैया और टिकारी थानों में हत्या, डकैती, अपहरण, आर्म्स एक्ट समेत कई संगीन धाराओं में केस दर्ज हैं। गौरतलब है कि

उक्त डकैती मामले में पहले ही 9 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। वहीं, अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी लगातार जारी है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही पूरा गैंग कानून की गिरफ्त में होगा।

राजद विधायक रीतलाल यादव ने कोर्ट में किया सरेंडर, बिल्डर को धमकाने का है आरोप

पटना, एजेंसी। बिहार से बड़ी खबर आ रही है। राष्ट्रीय जनता के विधायक रीतलाल यादव ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। अभी हाल ही में पुलिस ने पटना से सटे दानापुर समेत कुछ अन्य जगहों पर राजद विधायक के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की थी। इसके बाद अब यह खबर आ रही है कि विधायक रीतलाल यादव ने दानापुर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। ऋछ्ष्ठ विधायक रीतलाल यादव के साथ-साथ उनके भाई पिंकू यादव,भगीना श्रवण यादव व चिक्कू यादव ने भी एसीजेएम पांच के न्यायालय में सरेंडर किया है एक बड़े बिल्डर ने रीतलाल यादव पर रंगदारी मांगने और उन्हें जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया था। जिसके बाद पुलिस ने उनके ठिकानों छापेमारी की थी।

आपको बता दें कि रीतलाल यादव दानापुर विधानसभा सीट से राजद के विधायक हैं। इससे पहले शुक्रवार को पटना में जबरन वसूली के एक मामले की जांच के तहत विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल के विधायक रीतलाल यादव और उनके करीबी सहयोगियों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी थी। अधिकारी ने बताया था कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने 10 लाख रुपये से अधिक नकद, 77 लाख रुपये के चेक, छह खाली चेक, संपत्तियों की खरीद-बिक्री से संबंधित 14 दस्तावेज और 17 चेकबुक बरामद किए गए थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अवकाश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया था कि पटना के एक बिल्डर की शिकायत के आधार पर यादव और पांच अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बाद दानापुर एवं राजधानी में 11 जगहों पर छापेमारी की गई थी।

रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

रीतलाल यादव को लेकर शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उन्हें पिछले कई दिनों से आरोपी से जबरन वसूली और जान से मारने की धमकी वाले फोन आ रहे थे। यह भी आरोप है कि आरोपियों ने संपत्ति से जुड़े कुछ दस्तावेजों में जालसाजी की है। शिकायतकर्ता पटना के खगौल इलाके में एक अपार्टमेंट का निर्माण कर रहे हैं।

पटना के पुलिस अधीक्षक (पश्चिम) शरत आर एस ने कहा था कि प्राथमिकी दर्ज करने और सक्षम अदालत से तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद, पुलिस ने जनप्रतिनिधि के दानापुर परिसर और उसके सहयोगियों से जुड़े स्थानों पर छापेमारी की थी । पुलिस अधीक्षक ने उस वक्त बताया था कि सभी आरोपी फरार हैं और पुलिस ने अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

भोजपुर में करंट लगने से महिला की मौत मोटर चालू करने के दौरान हुआ हादसा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के हसन बाजार थाना क्षेत्र के रसौली गांव में बुधवार को करंट लगने से महिला की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। मृतका हसन बाजार थाना क्षेत्र के रसौली का निवासी नीतीश कुमार की पत्नी पिंकी देवी (23) है। बताया जाता है कि बुधवार को वह घर के आंगन में पानी के लिए मोटर चालू करने गई हुई थी।

मौके पर ही गई जान

उसी दौरान वह विद्युत करंट की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मौत हो गई। इधर, उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गजराजगंज ओपी अंतर्गत बामपाली गांव निवासी और मृतका के पिता अमर पासवान के द्वारा स्थानीय थाना में लिखित भी आवेदन दिया गया है। उनके द्वारा दिए गए आवेदन में कहा गया है कि उनकी बेटी पिंकी कुमारी आंगन में

मोटर चालू करने गई। उसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गई, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

इस घटना में उन्हें किसी भी व्यक्ति पर किसी भी प्रकार का कोई संदेह नहीं है और नही वह किसी प्रकार का कोई कानूनी कार्रवाई करना चाहते हैं। इसके बाद उनके द्वारा शव का दाह-संस्कार कर दिया गया। बताया जाता है कि मृतका की शादी 30 मई 2023 में हुई थी। उसे डेढ़ वर्ष का एक बेटा निहाल है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त समाचार

देवघर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र के खिलाफ निकाला मार्च, राहुल गांधी को बताया ईमानदार नेता

देवघर, एजेंसी। नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होने के बाद कांग्रेस नेताओं ने देवघर में भी विरोध प्रदर्शन किया। देवघर जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर के मुख्य चौक टावर चौक से कांग्रेस कार्यालय तक केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने टावर चौक पर बैठकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन भी किया। विरोध मार्च में शामिल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय मुन्नम ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी जो कहते थे कि संविधान खतरे में है, वह अब दिखने लगा है। जब से राहुल गांधी ने संसद भवन में विपक्ष के नेता के तौर पर भाजपा की पोल खोलनी शुरू की है, तब से भाजपा के लोग उनका मुंह बंद करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का सहारा लेकर उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। विरोध मार्च में मौजूद कांग्रेस के जिला अध्यक्ष उदय प्रकाश ने कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा सरकार ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई जैसी संस्थाओं के सहारे कांग्रेस नेताओं को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि देश के लिए बलिदान देने वाले गांधी परिवार पर इस तरह के आरोप लगाना निश्चित रूप से भाजपा की ओछी राजनीति को दर्शाता है। केंद्र सरकार के खिलाफ आयोजित विरोध मार्च में कांग्रेस नेता दिनेश मंडल, अमित पांडे, जियाउल हसन, कुमार राज समेत कई अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

वित्तीय अनियमितता का मामला: बुरी फंसी डीईओ अपरूपा पाल चौधरी, आरोपों की जांच शुरू

खूंटी, एजेंसी। जिला शिक्षा पदाधिकारी अपरूपा पाल चौधरी के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के मद्देनजर विभागीय जांच की कार्रवाई शुरू हो गई है। विभागीय मंत्री के अनुमोदन के बाद इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। झारखंड सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने कार्रवाई शुरू की है। शिक्षा पदाधिकारी अपरूपा पाल चौधरी पर आरोप है कि उन्होंने शिक्षक स्वर्गीय फ्रांसिस तोपनो, एसपीजी मध्य स्कूल, तांबा रनिया (जिनका निधन 28 अप्रैल 2020 को हुआ) के पक्ष में जुलाई 2011 से मार्च 2020 तक की कुल 54,22,377 रुपए की अवरुद्ध वेतन राशि के विपत्र को पारित करने में घोर लापरवाही बरती है। उन पर आरोप है कि उन्होंने न तो जरुरी दस्तावेजों जैसे उपस्थिति पंजी और अवकाश स्वीकृति की जांच की, न ही विपत्र की सूक्ष्म समीक्षा की। परिणामस्वरूप स्वर्गीय तोपनो को मार्च 2015 से अक्टूबर 2015 के बीच दो बार वेतन का भुगतान हो गया, जो गंभीर वित्तीय अनियमितता को दर्शाता है। शिकायतकर्ता दिलीप मिश्रा ने ईटीवी भारत को दिए इंटरव्यू में इसका खुलासा करते हुए कहा कि जिले में कई ऐसे शिक्षक हैं, जिनके खाते से अवैध तरीके से पैसों का ट्रांसफर कराया गया है। पूर्व में रिटायर्ड एवं वर्तमान में मृत शिक्षकों के परिजन आज भी एकाउंट क्लियर कराने के लिए ऑफिस के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ सरकार को सख्ती से निपटने की आवश्यकता है ताकि शिक्षक भयमुक्त वातावरण में अपना काम कर सके। विभागीय मंत्री ने तत्काल प्रभाव से उनके खिलाफ आरोप गठित करने तथा आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए समिति गठित करने का निर्देश दिया है। दिलीप मिश्रा ने इस कदम का स्वागत करते हुए विभागीय मंत्री एवं स्कूली शिक्षा सचिव का आभार जताया है। इस प्रकार की कार्रवाईयों से भ्रष्ट अधिकारियों पर लगाम लगेगी और शिक्षा विभाग में पारदर्शिता स्थापित होगी। जिला शिक्षा पदाधिकारी अपरूपा पाल चौधरी के खिलाफ गंभीर वित्तीय अनियमितता मामले को लेकर खूंटी के पूर्व झाविमो जिला अध्यक्ष और समाजसेवी दिलीप मिश्रा द्वारा उठाए गए बिंदुओं के आधार पर संज्ञान में लिया गया। जिनके प्रयासों से राज्य सरकार ने त्वरित कार्रवाई की। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग, झारखंड सरकार, रांची के आदेश (ज्ञापन संख्या 3111, दिनांक 6 मई 2024) के अनुसार, जांच के संचालन के लिए गणेश कुमार (सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा) को संचालन सह जांच पदाधिकारी और अरशद जमाल, अवर सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को सहायक जांच पदाधिकारी नियुक्त किया गया है।

धनबाद में कांग्रेस नेता के बेटे की गुंडागर्दी,

कार्यकर्ता और पत्रकार को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

धनबाद, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने रणधीर वर्मा चौक पहुंचे कांग्रेसियों ने बुधवार को जमकर उत्पात मचाया। मुख्य रूप से कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी के पुत्र सैफ व कैफ और भाई मन्नू अंसारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को ही सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर लोहे की रॉड से पीटा। इतना ही नहीं यहां मौजूद पत्रकारों व छायकारों ने जब इस घटना की तस्वीर व वीडियो अपने कैमरे में कैद करने लगे तो इनके साथ भी मारपीट की गई।

मोबाइल फोन छीन लिया गया और कैमरे तोड़ दिए गए। स्थिति यह रही की करीब एक घंटे तक पूरे रणधीर वर्मा चौक पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। इस घटना में चार पत्रकार घायल हुए हैं। जिनका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया।

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह और कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन आयोजित था। पार्टी नेताओं

और कार्यकर्ताओं ने पहले रणधीर वर्मा चौक से आयकर भवन तक पैदल मार्च किया और फिर वापस चौक पहुंचे।

यहीं पर बीच सड़क सैफ और कैफ का विवाद पार्टी के ही कार्यकर्ता से हो गया। देखते ही देखते सैफ और कैफ के साथ इनके चाचा मन्नू अंसारी भी इस विवाद में शामिल हो गए और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट शुरू कर दी। कांग्रेस के कार्यक्रम को लेकर सारे पत्रकार भी यहां मौजूद थे।

पत्रकारों ने मारपीट की तस्वीर और वीडियो बनाना शुरू कर दिया। राशिद रजा अंसारी के पुत्रों और भाई को यह नगवारा गुजरा। उन्होंने लोहे की रॉड से फोटोग्राफर शाहीद पर वार कर दिया। शाहीद ने हेलमेट पहन रखा था, इससे उनका सिर तो बच गया, लेकिन रड के वार से उनकी नाक पर चोट लगी, इससे उन्हें खून निकलने लगा।

इस बीच इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार संजय कुमार और नीरज कुमार का मोबाइल फोन छीन लिया गया। वहीं बीच बचाव करने पहुंचे धनबाद प्रेस क्लब के महासचिव अजय प्रसाद के साथ धक्का मुक्की और गाली ग्लौज किया गया।

घटना के वक्त पार्टी कार्यकर्ताओं को पीटने के लिए राशिद रजा अंसारी के दोनों पत्र सैफ व कैफ तथा भाई मन्नू अंसारी ने अपनी काले रंग की थार में लोहे की रड रखा हुआ था। घटना के दौरान इन सभी ने रड निकाली और मारपीट शुरू कर दिया। घटना के दौरान यह बात सामने आयी है कि सैफ व कैफ के साथ मन्नू अंसारी पहले से ही मारपीटी की योजना बनाकर चले थे।

दोनों भाइयों और इनके चाचा की गुंडागर्दी कैमरे में कैद हुई है। पत्रकारों के मोबाइल फोन और कैमरे के अलावा रणधीर प्रसाद वर्मा चौक पर लगे प्रशासनिक सीसीटीवी में भी पूरी घटना कैद हुई है। घटना के दौरान राशिद रजा अंसारी भी रणधीर वर्मा चौक पर मौजूद थे।

वहीं, कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह भी उपस्थित थे। जबकि घटना की सूचना पाकर पहुंची धनबाद थाना पुलिस के सामने भी ये लोग अपनी गुंडागर्दी दिखा रहे थे। पुलिस के सामने ही एक कांग्रेसी कार्यकर्ता को दौड़ा कर पीटा गया। यहां तक की प्रेस क्लब में घूस कर मारपीट का भी प्रयास हुआ।

घटना के बाद चोटिल शाहीद का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। इसके साथ ही धनबाद थाना पुलिस ने शाहीद, संजय कुमार, नीरज कुमार और अजय प्रसाद का ब्यान दर्ज किया है। पीड़ित पत्रकारों ने मामले को लेकर लिखित शिकायत थाने को दिया है।

घटना के बाद धनबाद प्रेस क्लब की आपात बैठक गांधी सेवा सदन में अध्यक्ष संजीव झा के नेतृत्व में हुई। इस दौरान प्राथमिकी कराने, राशिद रजा अंसारी को कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पद से हटाने, इनके दोनों बेटों व भाई की गिरफ्तारी की मांग की गई।

सीएम हेमंत सोरेन 18 को स्वीडन-स्पेन जाएंगे, औद्योगिक निवेश पर चर्चा करेंगे

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन टीम के साथ 18 अप्रैल को विदेश दौरे पर रवाना होंगे। टीम 27 अप्रैल तक स्वीडन और स्पेन के दौरे पर रहेगी। सीएम को यात्रा के लिए पॉलिटिकल क्लीयरेंस मिल गया है। उद्योग विभाग के अफसरों ने कहा कि दोनों देशों के उद्यमियों को झारखंड में औद्योगिक निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

झारखंड में कई तरह खनिज भंडार है। जमशेदपुर में वाहन उद्योग और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में काफी संभावनाएं है। ईवी, पवन और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी उद्यमियों को निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा।

राज्य में निवेश को आकर्षित करना। हरित ऊर्जा, स्मार्ट सिटी, टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट से जुड़ी संभावनाओं की तलाश करना। दोनों देशों के इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट व इंफ्रास्ट्रक्चर से सीखना।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड की ब्रांडिंग। निवेशकों से प्रत्यक्ष बातचीत का अवसर। विकास परियोजनाओं के लिए संभावित सहयोग।

विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अलका तिवारी, सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, रिटायर आईएफएस और टास्क फोर्स सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन के अध्यक्ष एके रस्तोगी, उद्योग सचिव अरवा राजकमल, जेएसएमडीसी के एमडी राहुल कुमार सिन्हा, निदेशक उद्योग सुशांत गौरव, एमडी जेआईआईडीसीओ वरुण रंजन, संयुक्त निदेशक उद्योग प्रणव कुमार पाल और सीएम के निजी सुरक्षा अधिकारी अजय कुमार सिंह शामिल हैं।

जेएमएम अध्यक्ष बनते ही एक्शन में हेमंत सोरेन, कार्यकर्ताओं को बताया पार्टी का प्लान

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा का 13वां महाधिवेशन कई मायनों में अहम रहा. रांची के खेलगांव में आयोजित इस दो दिवसीय महाधिवेशन में पार्टी ने राजनीतिक प्रस्तावों को पास करते हुए जहां अपने संविधान में संशोधन कर शिबू सोरेन को संस्थापक संरक्षक बनाने का निर्णय लिया, वहीं हेमंत सोरेन अध्यक्ष बनाए गए. अब तक कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हेमंत सोरेन पार्टी के अंदर शिबू सोरेन के बाद सबसे बड़े नेता के रूप में उभर कर सामने आए हैं. जिनके उपर पार्टी को क्षेत्रीय राजनीतिक दल से बाहर निकालते हुए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की जिम्मेदारी दी गई है. गौरतलब है कि 1987 में पहली बार शिबू सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा की कमान संभाली थी. इससे पहले यह जिम्मेवारी शहीद निर्मल महतो को दी गई थी।

पार्टी के अंदर महिला सहभागिता बढ़ाने पर जोर : झामुमो के अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार महाधिवेशन के दौरान पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने जहां एक तरफ पार्टी के अंदर महिला सहभागिता बढ़ाने की ओर संकेत दिया, वहीं दूसरी ओर संगठनात्मक मजबूती पर कार्यकर्ताओं का ध्यान खींचने की कोशिश की. अपने संबोधन में हेमंत सोरेन ने पार्टी के अंदर महिला सहभागिता अधिक से अधिक बढ़ने पर जोर देते हुए कहा कि पंचायत से लेकर प्रदेश स्तर तक में इस पर काम करना होगा. पार्टी के अंदर कोई जरूरी नहीं है कि जिला अध्यक्ष पुरुष ही हो, महिला भी हो सकती है. इसी तरह अन्य कमेटी में भी उन्होंने महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने की ओर संकेत किया. संगठनात्मक मजबूती को लेकर हेमंत सोरेन ने कार्यकर्ताओं को आह्वान करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोगों को पार्टी में जोड़े, जिससे हमलोग इतना मजबूत हो जाए कि आने वाले 2029 के चुनाव में परिणाम पहले ही घोषित हो जाए।

पार्टी की 13वें महाधिवेशन को झारखंड मुक्ति मोर्चा के इतिहास में सुनहरे अक्षर में लिखे जाने की बात कहते हुए झामुमो अध्यक्ष इस दौरान पार्टी छोड़कर जाने वाले पर भी निशाना साधते नजर आए. उन्होंने कहा कि पार्टी के अंदर कई तूफान आए, मगर झारखंड मुक्ति मोर्चा अडिग रहा. झारखंड मुक्ति मोर्चा का सफर पथरीला, कटीला और थकान देने वाला है. इसीलिए बहुत सारे लोग बीच रास्ते में ही चले जाता है, जो नहीं चल सकता है लेकिन आज के दिन में भी पार्टी में कई ऐसे सिपाही हैं जो लंबे समय से बने हुए हैं. इस मौके पर अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत सोरेन ने पार्टी से जुड़े आंदोलनकारी के परिवार को एक लाख रुपये देने की घोषणा करते हुए कार्यकर्ताओं से ऐसे आंदोलनकारी का नाम और ब्यौरा पार्टी कार्यालय में देने का आग्रह किया।

सरकार का ऐलान, वकीलों के जैसे कलाकारों का भी होगा बीमा

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार राज्य के कलाकारों को वकीलों की तर्ज पर पांच लाख की बीमा योजना के दायरे में लाएगी। इसकी तैयारी की जा रही है। झारखंड राज्य बीमा योजना के तहत सरकार कलाकारों को बीमा के प्रीमियम का भुगतान करेगी। इसके अलावा 60 साल की आयु पूरी करने वाले कलाकारों को मिल रही 4000 रुपए पेंशन योजना का भी सरलीकरण किया जाएगा। इससे कलाकारों को पेंशन योजना का लाभ लेने में आसानी होगी। यह निर्णय पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को हुई समीक्षा बैठक में लिया गया है।

बता दें कि कि आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान ने 'बोले अभियान' के तहत झारखंड के विभिन्न संस्करणों में स्थानीय कलाकारों की समस्याओं को प्रमुखता से छापा था। मंत्री की समीक्षा बैठक में यह बात सामने आई कि कलाकारों को प्रतिमाह 4000 रुपए पेंशन योजना के तहत अभी तक केवल एक व्यक्ति को लाभ मिला है। इस कारण जिला स्तर पर अनुशंसा में लापरवाही सामने आई। ऐसे में निर्णय हुआ कि विभाग एक पोर्टल बनाएगा, जिसमें माह के एक से 30 तारीख तक आवेदन करना होगा। आवेदन पर राज्यस्तरीय कमेटी जांच कर जिला स्तर कमेटी से पूछेगी कि क्या संबंधित कलाकार अर्हता रखते हैं। अगर रिपोर्ट सही आई तो कलाकारों को पेंशन दी जाएगी। बैठक में विभागीय सचिव मनोज कुमार, पर्यटन निदेशक अंजली यादव सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड की सांस्कृतिक विरासत के साथ थिएटर और फिल्म निर्माण के जरिए वैश्विक मंच तक राज्य को पहचान दिलाने वाले कलाकार काफी खुश हैं। कलाकार पेंशन देने और बीमा योजना में शामिल करने की लंबे समय से मांग कर रहे हैं। हालांकि पेंशन योजना तो शुरू हुई थी, लेकिन जटिल प्रक्रिया के चलते इसका लाभ उन तक पहुंच नहीं रहा था।

इस पर आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान ने बोले रांची के जरिये तीन स्तर पर झॉलीवुड (18 जनवरी), लोक (16 फरवरी) और थिएटर कलाकारों (27 मार्च) की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस पर सरकार की नजर गई तो बुधवार को पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य की समीक्षा कर मंत्री सुदिव्य कुमार ने पेंशन योजना को सरल बनाने की बात कही। इसके तहत अनुशंसा करने में लापरवाही को देख पोर्टल बनाने की बात कही। इस पर कलाकार आवेदन करेंगे और जांच के बाद उन्हें निर्धारित 4000 रुपए की पेंशन मिलेगी। बताया गया कि वकीलों की तर्ज पर कलाकारों को भी पांच लाख की बीमा योजना के दायरे में सरकार लाने की तैयारी में है। कलाकार बोले, सरकार यदि उनके बारे में सोच रही है तो यह सुखद है।

जमशेदपुर में महिला क्लर्क की सड़क किनारे मिली लाश, स्कूटी से हुई पहचान, कुछ माह पहले माता-पिता का हुआ था देहांत

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर में बीती देर रात सड़क किनारे एक युवती की लाश मिली। शव के बगल में ही उसकी स्कूटी पड़ी थी। घटना एमजीएम थाना क्षेत्र के पीपला मोड़ एनएच-33 की है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी के पेपर से युवती की पहचान की और उसके परिजनों को सूचना दी।

मृतका की पहचान घाटशिला निवासी जोबारानी सोरेन (21) के रूप में की गई। माना जा रहा है कि युवती की मौत हादसे में हुई है। हालांकि उसके शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

परिजनों ने बताया कि जोबारानी मुसाबनी के पोस्ट ऑफिस में क्लर्क थी। परिवार में चार बहनें और एक भाई हैं, जिनमें दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। जोबा अविवाहित थी। वो ही घर का सारा खर्च अकेले उठाती थी और परिवार की आर्थिक रीढ़ थी। उसके पिता की अगस्त 2024 में बीमारी से मौत हो गई थी। वहीं, उसकी मां का इस साल जनवरी में देहांत हुआ था।

मृतका के भाई भूषण सोरेन ने बताया कि जोबारानी बुधवार को घर में यह बोलकर निकली थी कि वो किसी काम से जमशेदपुर जा रही है। रात में बड़ी दीदी को कॉल आया कि जोबारानी का एक्सीडेंट हुआ है। इसके बाद हमलोग अस्पताल पहुंचे।

इरफान अंसारी का एक आदेश और स्वास्थ्य विभाग में मच गया हड़कंप, जीएम को नौकरी से भी निकाला

इरफान अंसारी ने डायलिसिस कार्यक्रम में फर्जी बिलिंग और आधार कार्ड के गलत इस्तेमाल की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए ह

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा बैठक में स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य विभाग इमरजेंसी सेवा के दायरे में आता है। ऐसे में किसी भी स्तर की सुस्ती या लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस दौरान झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कारपोरेशन लिमिटेड कि पुरानी योजनाओं की

धीमी प्रगति को देखते हुए मंत्री ने जीएम प्रोक्योरमेंट नीलरंजन सिंह को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त करने का आदेश दिया। उन्होंने दो टूक कहा कि जो काम नहीं करेगा, वह विभाग में नहीं रहेगा।

इरफान अंसारी ने डायलिसिस कार्यक्रम में फर्जी बिलिंग और आधार कार्ड के गलत इस्तेमाल की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का फर्जीवाड़ा अब नहीं चलेगा। विभाग को साफ सुथरा और जनता के लिए समर्पित बनाना हमारी प्राथमिकता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने एनएचएम की भर्ती प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने की घोषणा की। उन्होंने निर्देश दिए कि गैर तकनीकी पदों पर कार्य अनुभव की अनिवार्यता हटाई जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा राज्य के युवाओं को अवसर मिल सके। 5500 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। सहिया बहनों के काम की सराहना करते हुए डॉ. अंसारी ने हर जिले में सहिया सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी सहिया बहनों को शीघ्र टैब उपलब्ध कराने व प्रोत्साहन राशि बढ़ाने का आदेश भी जारी किया। जनहित में स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी को सटीक तरीके से लोगों तक पहुंचाने के लिए मंत्री ने मीडिया को-आर्डिनेशन कमेटी के गठन का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जनता को योजनाओं की पूरी और सही जानकारी देना हमारी जिम्मेदारी है।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सभी अस्पतालों में उपकरणों की आवश्यक सूची आइपीएचएस मानकों के अनुरूप एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। एमआरआइ, ईसीजी, एक्सरे और अल्ट्रासाउंड मशीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी काम तेजी से चल रहा है।

50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार चलेगी हवा: 20 तक राज्य के कई हिस्सों में वर्षा की संभावना

खूंटी में हुई सबसे अधिक बारिश

रांची, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने, पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण झारखंड के मौसम में खासा परिवर्तन देखा जा रहा है। गुरुवार को राज्य के पश्चिमी हिस्सों को छोड़ बाकी क्षेत्र में कहीं-कहीं 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। साथ ही गरज के साथ बारिश होने की संभावना बनी हुई है। इधर, पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन और आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश 42.0 एमएम खूंटी में दर्ज की गई।

वहीं, मौसम विभाग ने 20 अप्रैल तक राज्य में गर्जन, वज्रपात और तेज हवा के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया है। इसे देखते हुए पूरे राज्य में 20 तक येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस धनबाद में दर्ज किया गया। इधर, राज्य में लगातार मौसम कभी गर्म तो कभी ठंडा हो रहा है। दोपहर तक धूप और फिर अचानक बारिश के कारण शाम के बाद ठंड से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कुछ दिन पहले जहां लोग एसी चलाने लगे थे वहीं अब फिर कंबल निकाल चुके हैं। लगातार मौसम में बदलाव के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है। वे बीमार हो रहे हैं और अस्पताल पहुंच रहे हैं।

वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

इसके बाद अगले तीन दिनों में इसमें दो-तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

18 अप्रैल को पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़ समेत दक्षिण पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, हवा 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है।

उपायुक्त ने बैठक कर की योजनाओं की समीक्षा

इनडोर स्टेडियम सहित निर्माणाधीन योजनाओं को शीघ्र पूरा करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में आज ग्रामीण विकास विभाग, विकास शाखा एवं अन्य विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने की। बैठक में मनरेगा के तहत रोजगार सृजन, प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना, 15वें वित्त आयोग के तहत संचालित योजनाऐं, जल छाजन, एनआरईपी, जिला परिषद समेत अन्य से संबंधित विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। न्यूनतम 100 दिन रोजगार गारंटी, रोजगार सृजन, मजदूरी भुगतान, श्रमिकों के बैंक खाते खुलवाने, केवाईसी सहित अन्य विषयों की समीक्षा की गई। साथ ही लूज बोल्डर बांध, चेक डैम एवं बोरी बांध जैसी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी प्रखंडों को निर्देशित किया गया। आवास योजना एवं अबुआ आवास योजना के तहत प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि सभी लंबित आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएं। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी योग्य लाभुक आवास योजना से वंचित न रहे और आवास निर्माण हेतु किस्तों का भुगतान समय पर किया जाए। कर्रा में बहुद्देश्यीय भवन, इंडोर स्टेडियम, स्वास्थ्य केंद्र अड़की सहित अन्य निमार्णाधीन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। संबंधित अभियंता को प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने हेतु निर्देशित किया गया।

विशेष शाखा द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा के दौरान अभियंता को निर्देश दिया गया कि वे निमार्णाधीन परियोजनाओं का जमीनी निरीक्षण कर कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं। अभियंता ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्रा का जीर्णोद्धार कार्य पूरा कर लिया गया है। वहीं, एनआरईपी विभाग द्वारा पेरवाघाघ में चल रहे विकास कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जल छाजन विभाग की समीक्षा में बाउंड्री प्लांटेशन, अमृत सरोवर में घाट निर्माण एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता, सभी बीडीओ, कनिष्ठ अभियंता, बीसी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दूध टैंकर ने दो मजदूरों को कुचला

समस्तीपुर। जिले में चकमेहसी थाना क्षेत्र के भट्टी चौक के पास गुरुवार को एक दूध टैंकर वाहन ने दो मजदूरों को कुचल डाला। इस घटना में मौके पर ही एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि दूसरे की स्थिति नाजुक बनी हुई है। मृतक मजदूर की पहचा कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मधुरपुर टारा वार्ड-14 निवासी सुरेश महतो के 32 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार और जख्मी उसी गांव के सन्तोष कुमार के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में बतलाया गया है कि दोनों मजदूर शौचालय निर्माण के लिए रिंग बनाने का काम करते हैं। गुरुवार को शौचालय निर्माण की टंकी बिठाने के लिए चक मेहसी जा रहे थे। इस दौरान भट्टी चौक के पास अनियंत्रित दूध टैंकर ने बाइक में ठोकर मार दी। हल्ला होने पर जुटे लोगों ने दोनों को अस्पताल लाया, जहां डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया। उधर, घटना के विरोध में लोगों ने भट्टी चौक के पास दरभंगा-समस्तीपुर मुख्य सड़क जाम कर मुआवजे की मांग की। करीब चार घंटे तक जाम किए जाने के बाद प्रशासनिक हस्तक्षेप पर दिन के करीब दो बजे सड़क जाम समाप्त हुआ।

संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग करने के बावजूद कांग्रेस डरने वाली नहीं : बिट्टू पाठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में मोदी के भाजपा सरकार के द्वारा कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ राजनीतिक बदले की भावना से किए गए अन्यायपूर्ण कार्रवाई के विरुद्ध पलामू जिला कांग्रेस कमेटी ने आंदोलन किया। आंदोलन का नेतृत्व पार्टी के पलामू जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने किया । आंदोलन के तहत स्थानीय छह मूहान चौक पर विरोध प्रदर्शन के साथ पुतला दहन किया गया। कांग्रेसजनों ने केंद्र सरकार के विरोध जमकर नारेबाजी की।

कार्यक्रम में जिले के सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी मोदी सरकार के निरंकुश कार्यों को कड़ी शब्दों में निंदा करती है। नेशनल हेराल्ड व कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व सोनिया गांधी व राहुल गांधी के खिलाफ मनमाने व अन्यायपूर्ण तरीके से संपत्ति जप्त करने के लिए आरोप पत्र दायर करने का यह कानून प्रकिया का मामला नहीं है बल्कि कानून के शासन के रूप में प्रायोजित अपराध है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आरोप पत्र दायर करना राज्य की शक्ति के दुरुपयोग का प्रतिनिधित्व करता है। यह लोकतांत्रिक विपक्ष के विचार पर सीधा हमला है। यह बदले की राजनीति का सबसे खराब रूप है। कांग्रेस पार्टी व नेता राहुल गांधी को कभी चुप नहीं कराया जा सकता। भाजपा कायरतापूर्ण कार्रवाई से बाज आए। आज के समय में राहुल गांधी देश के उन करोड़ों लोगों के उम्मीद हैं। गांधी परिवार का देश की आजादी से लेकर अब तक देश के नवनिर्माण में गौरवशाली योगदान रहा है। विरोध प्रदर्शन में प्रदेश के नेता रामाशीष पांडे, ओमप्रकाश अमन, शमीम अहमद राइन, रुद्र शुक्ला, ईश्वरी प्रसाद सिंह, राजेंद्र अग्रवाल, शैलेश चंद्रवंशी, जितेंद्र कमलापुरी, विद्या सिंह चेरो, नाफिज खान, अशोक तिवारी, परीक्षित दुबे, मिट्ठू खान, रिजवान खान, अमुक प्रियदर्शी, रामानंद पाठक सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रेमिका ने पति के साथ मिलकर प्रेमी की कराई हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। प्रेमिका ने अपने पति के साथ मिलकर प्रेमी के खिलाफ खौफनाक साजिश रचकर पहले प्रेमिका ने प्यार से अपने प्रेमी को बुलाया व अपने पति से गोली मरवा कर प्रेमी की हत्या करा दिया। इसकी जानकारी देते हुए अभियान एसपी राकेश सिंह ने बताया कि 21 जून 2023 को पलामू के छतरपुर थाना क्षेत्र के देवगन जंगल से मृत्युंजय साह नाम के युवक का शव बरामद किया गया था। मृत्युंजय साह की गोली माकर हत्या की गई थी। मृत्युंजय साह बिहार के सिवान के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के पंजवार का रहने वाला था। उसके पिता राजेंद्र साह ने छतरपुर थाने में अज्ञात के विरुद्ध अपने पुत्र मृत्युंजय साह की हत्या करने से संबंधित लिखित आवेदन दिया था। अभियान एसपी ने बताया कि पलामू के तकनीकी शाखा से उपलब्ध कराई गई कॉल डिटेल्स व टावर लोकेशन के आधार पर घटना का उद्भेदन किया गया। मृत्युंजय साह की हत्या के आरोप में पलामू पुलिस ने बिहार में औरंगाबाद के पिपरा बगाही के रहने वाले अमित मेहता उर्फ धर्मेंद्र मेहता को गिरफ्तार कर लिया है। अभियान एसपी ने बताया कि अमित मेहता व मृत्युंजय एक साथ राजस्थान में किसी जगह काम करते थे। वहीं से उनकी दोस्ती हुई थी। इसी बीच अमित मेहता की पत्नी अनीता देवी से मृत्युंजय साह की भी दोस्ती हो गई थी। दोनों अक्सर फोन पर बात किया करते थे। इसकी जानकारी अमित मेहता को हो गई थी। इसके बाद उसने अपनी पत्नी व उसके प्रेमी को बात करने से मना किया। इसके बावजूद मृत्युंजय साह लगातार उसकी पत्नी से बात करता था।इससे तंग आकर अमित मेहता ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर मृत्युंजय साह की हत्या की योजना तैयार की। साजिश रचने के बाद अमित मेहता ने अपनी पत्नी अनीता से मृत्युंजय साह को छत्तीसगढ़ से बिहार के डेहरी में बुलवाया। डेहरी में अनीता ने मृत्युंजय को रिसीव किया। दोनों बस से छत्तरपुर थाना क्षेत्र के देवगन पहुंचे। योजना के अनुसार अमित मेहता ने मृत्युंजय साह की देसी कट्टा से गोली मार कर हत्या कर दी।

बेटे ने किया मां की गला काटने का प्रयास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली जिले में बेलसर थाना क्षेत्र के मौना गांव में बेटे ने अपनी ही मां का गला काटकर हत्या करने की कोशिश किया है। इस बात की जैसे ही गांव में शोर हुआ, तुरंत आसपास के लोग भारी संख्या में इकठ्ठा हो गए और स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टर के द्वारा घायल का इलाज के बाद पटना हायर सेंटर इलाज के लिए भेज दिया गया है।

घायल महिला की पहचान जिले के मौना निवासी योगेंद्र पासवान की पत्नी मिंटु देवी के रूप में हुई है। बताया गया कि मिंटू देवी बीती रात खाना बना रही थी। इसी दौरान अचानक लोहे के चॉपर लेकर पहुंचे बेटे ने अपनी मां पर वार कर दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

वहीं, महिला के परिवार वालों ने बताया कि युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और छह महीने से उसका इलाज बेंगलुरु में चल रहा है और मिंटू देवी के दो बेटे हैं, जिसमें यह छोटा बेटा है। वहीं, घायल महिला के परिवार वालों ने बताया कि दो बेटों में से एक बड़े बेटे की शादी भी हो चुकी है और छोटे बेटी की शादी नहीं हुई है। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में सनसनी मच गई।

साक्ष्य मिटाने के लिए हुई थी चौकीदार की हत्या

एसपी ने किया तीन कांडों का उद्भेदन

मेदिनीनगर (पलामू) । साइकिल चोरी की जानकारी होने पर हुसैनाबाद बीआरसी के रात्रि प्रहरी रामदेव ठाकुर को चार चोरों ने मिलकर हत्या कर दी थी। इसका खुलासा अभियान एसपी राकेश सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में मीडिया के समक्ष चारों अपराधियों को प्रस्तुत करते हुए एसपी ने बताया कि पिछले 18 मार्च को हुसैनाबाद बीआरसी में कार्यरत रात्रि प्रहरी रामदेव ठाकुर को हुसैनाबाद के नगर पंचायत में काम करने वाले 4 सफाई कर्मियों ने मिलकर हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि चारों चोरी का भी काम करते थे। चोरी करते रामदेव ठाकुर ने देख लिया था। दूसरे दिन शाम करीब 7 बजे रात्रि प्रहरी रामदेव ठाकुर ने चोरों से कहा कि वह साइकिल लाकर रख दें नहीं तो सभी को जेल भिजवा देंगे। यह सोचकर चोरों ने रात्रि प्रहरी की हत्या करने की योजना बनाई। चोरो को डर था कि रात्रि प्रहरी ने पुलिस प्रशासन को खबर कर दिया तो सभी की गिरफ्तारी हो जाएगी। इसी के मद्देनजर चोरों ने रात्रि प्रहरी की हत्या का प्लान बनाया। प्लान के अनुसार 17 मार्च की रात्रि में सनोज डोम, बिगू डोम व सोनू डोम ने बीआरसी कार्यालय भवन के छत पर सोए हुए रात्रि प्रहरी रामदेव ठाकुर को बलुआ व बांस की लाठी से मारकर हत्या कर दिया। उन्होंने बताया कि कांड के त्वरित अनुसंधान व उद्भेदन के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसआईटी गठित कर कांड के उद्भेदन के लिए गुप्त सूचना के आधार पर सिंचाई विभाग नहर कॉलोनी में रहने वाले योगेंद्र डोम से पूछताछ की। चोरी करते समय रात्रि प्रहरी रामदेव ठाकुर ने देख लिया था। अगले दिन रात्रि प्रहरी रामदेव ठाकुर ने कहा था कि साइकिल लाकर वहां रख दें नहीं तो सभी को जेल भिजवा देंगे। उन्होंने बताया कि हत्या में प्रयुक्त किया गया बलुआ सनोज के घर से बरामद किया गया है।

घटनास्थल से खून के दाग लगे हुए बांस के डंडे बरामद किए गए। अभियान एसपी ने बताया कि कांड में मोहम्मदगंज थाना के भजनिया गांव का सनोज डोम, हुसैनाबाद थाना के महुआरी गांव के बिगु डोम व योगेंद्र डोम व औरंगाबाद के पांडेय करमा गांव के सोनू डोम को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कांड में कारित बलुआ व कांड से पूर्व चोरी किए गए दो साइकिल को बरामद किया गया है। बताया कि छापेमारी अभियान में हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एस मोहम्मद याकूब, हैदरनगर थाना प्रभारी सह आईपीएस दिव्यांश शुक्ला, हुसैनाबाद के थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, मोहम्मदगंज के थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह, लठेया पिकेट प्रभारी धर्मवीर यादव, हैदरनगर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अफजाल अंसारी, हुसैनाबाद थाना के रमन यादव, वीरेंद्र मेहता, हुसैनाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, हुसैनाबाद, हैदरनगर व मोहम्मदगंज थाना के जवान शामिल थे।

अंतर राज्यीय स्वर्ण व्यवसायी को पुलिस ने चोरी के गहने के साथ किया गिरफ्तार

मेदिनीनगर। छतरपुर पुलिस ने अंतर राज्यीय स्वर्ण व्यवसायी को चोरी के गहने के साथ गिरफ्तार कर लिया है। इसकी जानकारी अभियान एसपी राकेश सिंह ने दी। वे गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में पत्रकारों से रूबरू थे। उन्होंने अंतर राज्यीय स्वर्ण व्यवसायी को प्रेस के सामने प्रस्तुत करते हुए कहा कि व्यवसायी अभिषेक कुमार के पास से 6 किलोग्राम चांदी का गहना व 14 ग्राम गला हुआ सोना बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों 9 अप्रैल को छतरपुर स्थित ज्वेलरी दूकान का ताला तोड़कर सोना व चांदी के बने हुए गहने चोरी कर लिए गए थे। इससे संबंधित ज्वेलरी दूकान के प्रोपराइटर अशोक कुमार सोनी ने छतरपुर थाना में कांड दर्ज कराया था। पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार छतरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। मानवीय सूचना व तकनीकी शाखा के सहयोग से इस कांड में शामिल बिहार के औरंगाबाद जिला के मदनपुर थाना स्थित दधपि गांव के अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया गया।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एसजीडब्ल्यू-272-252-टी1-54ए, दिनांक 09.04.2025, मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/परियोजना, पूर्व रेलवे, तीसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए समतुल्य प्रकृति के कार्य का समुचित अनुभव तथा संतोषजनक न्यूनतम पात्रता के मानदंड रखने वाले अनुभवी एवं स्थापित ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र पर खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम साथ में उसका स्थान:** पूर्व रेलवे के हावड़ा एवं आसनसोल मंडल के हावड़ा-प्रधानखांटा (छोड़कर) अनुभाग में प्रति घंटे 160 किमी तक गति बढ़ाने के कार्य के संबंध में कवच कार्य यानी कवच के साथ 2x24 फाइबर ओएफसी बैकबोन के प्रावधान करने के कार्य के निष्पादन के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने हेतु प्राधिकरण अभियंता की नियुक्ति। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 4,90,69,618.98; **बयाना राशि:** रु. 3,95,400; **कार्य पूरा करने की अवधि:** 32 (बत्तीस) महीने। **प्रस्ताव की वैधता:** निविदा खुलने की तारीख से 120 दिन। **निविदा दस्तावेज ऑनलाइन जमा करने की अंतिम (बंद होने की) तारीख एवं समय:** 14.05.2025 को पूर्वाह्न 11.30 बजे तक। **खुलने की तारीख एवं समय:** 14.05.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। पात्र निविदादाताओं की वित्तीय बोलियां बाद में खोली जाएंगी। **वेबसाइट का पता, निविदा दस्तावेज उपलब्ध होने का समय तथा तारीख:** भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात् **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 09.04.2025 से। **वेबसाइट जहां निविदा बोली जमा की जा सकती है:** 1. बोलियां सिर्फ ऑनलाइन जमा की जानी चाहिए। 2. ई-निविदा प्रणाली में भाग लेने के लिए निविदादाताओं को भारतीय रेल की ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) साइट यानी **www.ireps.gov.in** पर पंजीयन करवाना अनिवार्य है। आवश्यक परिवर्तन, संशोधनी/संयोजनी, आवश्यकता पड़ने पर, सिर्फ इस वेबसाइट पर जारी की जाएगी। 3. बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। 4. इस निविदा के लिए मैनुअल बोली/प्रस्ताव की अनुमति नहीं है। प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। (CON-03/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

वृक्षों से सांसों का व बाबा भीमराव अंबेडकर से संविधान का है बड़ा रिश्ता : डॉ कौशल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। गुजरात के झुनागढ़ व द्वारीकाधीश में संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर गुजरात में संस्था के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सिद्धार्थ भट्ट के आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता, पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने थाईलैंड प्रजाति के आम का पौधा लगाकर किया। कहा कि जिंदा रहना है तो पौधा लगाना ही होगा। क्योंकि इसका कोई दूसरा विकल्प नहीं है । झुनागढ़ में संस्था के नवमनोनीत सचिव रितेश अनुभव गोहिल के आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ कौशल ने हिमाचल के कपूर का पौधा लगाकर किया। डॉ कौशल ने कहा कि 8 मई 2008 को बिहार के बोधगया में पद्म विभूषण पर्यावरणविद सुंदरलाल बहुगुणा के साथ धरना के माध्यम से सरकार को परमाणु ऊर्जा से बचने के लिए सौर व पवन ऊर्जा का प्लांट लगाने की मांग सरकार से किया था। उसी मांग के आलोक में आज गुजरात के कई जिलों में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा का प्लेट व पवन ऊर्जा का टरबाइन चालू है। कई नए प्रोजेक्ट लगाए जा रहे हैं। उन्हें यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि उनके उस सपने को सरकार साकार कर रही है। संस्था के सचिव अरविंद कुमार, प्रधान सचिव सह पंचायत डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल, प्रो अरुण कुमार जायसवाल, रोहित कुमार जायसवाल, दीपक भट्ट, महेंद्र सिंह , दर्शित भट्ट ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

आंदोलनकारी व सांस्कृतिक कर्मी डा. केरकेट्टा का निधन

मेदिनीनगर (पलामू)। प्रख्यात बुद्धिजीवी, सांस्कृतिक कर्मी व झारखण्ड आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिला नेत्री डा. रोज केरकेट्टा का बुधवार को निधन हो गया। सुबह लगभग 10 बजे रांची स्थित चेशायर होम रोड बरियातू में अपने निवास स्थान पर अन्तिम सांस ली। वे 85 वर्ष की थी। सिमरटोली चर्च में उनका अन्तिम संस्कार होगी। झारखण्ड आन्दोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केन्द्रीय संयोजक सतीश कुमार ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हमने एक महिला आन्दोलनकारी को खो दिया है। झारखंड आंदोलनकारी इनकी भूमिका को भुला नहीं सकते। सतीश कुमार ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डा. रोज दीदी के खाली स्थान को भरना तत्काल संभव नहीं है।

रक्तदान शिविर, मानवता की सेवा में सराहनीय पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। आज कर्रा थाना परिसर में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा आम नागरिकों में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी स्मिता नगेशिया विशेष रूप से उपस्थित रही। उनके साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सकगण, थाना के पदाधिकारी और कर्मी सामाजिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। शिविर में भाग लेते हुए कई लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे उनमें आत्मगौरव की अनुभूति हुई और समाज में सकारात्मक संदेश गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा, रक्तदान महादान है। यह न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है, बल्कि समाज में सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पोषण पखवाड़ा का आयोजन, चार सेविकाएं चयनित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी । टुण्डी प्रखंड मुख्यालय स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में आज गुरुवार को प्रखंड स्तरीय पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया जिसमें सभी सेविकाओं ने तरह तरह के व्यंजनों को बनाकर लाई थी जिससे प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी तथा महिला बाल विकास पदाधिकारी द्वारा चखकर देखा गया और चार सेविकाओं का चयन किया गया जो आगामी 18 अप्रैल को धनबाद में होने वाले समारोह में भाग लेंगी। मौके पर मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पाण्डेय, अंचलाधिकारी जितेंद्र प्रसाद,सी डी पी ओ सबिता कुमारी, महिला पर्यवेक्षिका नीतू सिंह, सुनीता मरांडी,दीपा सिन्हा, सेविका दया देवी, प्रज्ञा केंद्र संचालक शहजाद अंसारी, शैलेन्द्र कुमार मिश्रा के अलावा बड़ी संख्या में सेविकाओं ने भाग लिया।

कार्यों में प्रगति नहीं आने पर होगी कार्रवाई: उप विकास आयुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद आज समाहरणालय के ब्लॉक-सी स्थित सभागार में पंचायती राज से संबंधित सभी योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त ने मनरेगा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप आदि विभिन्न योजनाओं की प्रगति की प्रखंडवार गहणता से समीक्षा की। साथ ही लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत कार्य कराने का निदेश दिया।

इस दौरान उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता बरने वाले पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवकों पर कार्रवाई की चेतावनी दी। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को कार्य के प्रति गंभीर रहकर प्रगति लाने का निदेश दिया।उप विकास आयुक्त ने तत्परता के साथ कैंप का आयोजन कर एक सप्ताह में योजनाओं के क्रियान्वयन का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता नहीं चलेगी। कार्यो में सक्रियता दिखाते हुए मनरेगा एवं आवास संबंधी योजानाओं के कार्य में प्रगति लाने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि कार्य को लंबित नहीं रखें। उन्होंने कहा कि मनरेगा अंतर्गत मानव दिवस सृजन एवं योजना अभिलेखों का अंतिमीकरण के कार्य में पंचायत स्तर से शिथिलता बरतने से सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में बेहतर प्रदर्शन करने में समस्या आ रही है। मनरेगा अंतर्गत मानव दिवस सृजन की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की और मानव दिवस सृजन करने में सुधार लाने का निदेश दिया।

उप विकास आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), अबुआ आवास योजना एवं प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना अंतर्गत योजनाओं की स्वीकृति एवं लाभुकों को एफटीओ के माध्यम से किस्त भुगतान तथा योजना पूर्ण कराने का निदेश दिया।

उन्होंने निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध शत प्रतिशत लाभुकों का निबंधन, जीयोटैग एवं आवास स्वीकृति का निदेश दिया। साथ ही आवास प्लस 2.0 अंतर्गत सर्वे का कार्य पूर्ण कर अच्छादन प्रमाण पत्र समर्पित करने का निदेश दिया। उन्होंने आवास योजना की स्वीकृति के आकड़ों पर प्रकाश डालते हुए आवास योजना स्वीकृत करने का निदेश दिया। उप विकास आयुक्त द्वारा जानकारी दी गयी है कि अबुआ आवास योजना अन्तर्गत आवास निर्माण कार्य में प्रगति लाने तथा आवास निर्माण के लिए लाभुक को ससमय किस्त की राशि भुगतान करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड, रॉची द्वारा साइट तैयार किया गया है। इसके माध्यम से आवास निर्माण की प्रगति के अनुसार लाभुक स्वयं अपने निमार्णाधीन आवास का जियोटैग कर सकेंगे। इस एप्प को गुगल प्ले स्टोर अथवा अबुआ आवास योजना के पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। डाउनलोड के पश्चात मोबाईल में इसे इन्टॉल करने के क्रम में लाभुक के माबाईल में ओटीपी प्राप्त होगा। इसके लिए सभी लाभुकों को अपना मोबाईल न0 प्रखण्ड लॉगईन में अपडेट करना अनिवार्य होगा। लाभुक द्वारा स्वयं से किये गये जियोटैग को पंचायत सेवक द्वारा सात दिनों के अन्दर स्थल सत्यापन करते हुए जियोटैग को अप्रुव अथवा रिजेक्ट (कारण सहित) करना है।

उप विकास आयुक्त ने बिरसा सिंचाई कूप के कार्यों में गति लाने का निदेश दिया।

सदिक चौक पर चलाया गया जांच अभियान

मेदिनीनगर। सदिक चौक के पास ट्रैफिक पुलिस ने सघन जॉच अभियान चलाया। इसमें चार पहिया व दोपहिया वाहन गाड़ियों की जांच की गई। इसमें दोपहिया वाहन के कुछ चालक वगैर हेलमेट, बिना लाइसेंस व कुछ ट्रिपल लोड थे। इसमें एक बुलेट मोटरसाइकिल गाड़ी में मोडिफाइड साइलेंसर लगा हुआ पाया गया। इसमें से 14 दोपहिया मोटरसाइकिल गाड़ी व रात में नो एंट्री में एक ट्रक पकड़ा गया था। उक्त सभी वाहनों को जप्त कर शहर थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया। जिला परिवहन कार्यालय में9 दोपहिया वाहन मोटर साइकिल गाड़ियों के चालान फाइन राशि 18 हजार 102 रुपए व शराब पीकर मोटर साइकिल चला रहे दो चालक से गाड़ी के चालान फाइन के रूप में 20 हजार 370 रुपए कुल मिलाकर 38 हजार 472 रुपया वसूल किए गए।

पूर्व रेलवे

संशोधन सं. 1

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा पूर्व प्रकाशित निविदा सं. 380_2024-25 (खुली निविदा), दिनांक 17.04.2025 में **संशोधन।** ऊपर उल्लेखित निविदा में **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय** को दिनांक 17.04.2025 को अपराह्न 2.00 बजे के स्थान पर **दिनांक 28.04.2025 को अपराह्न 2.00 बजे** के रूप में पढ़ें। अन्य नियम एवं शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

(HWH-37/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आसनसोल मंडल के तहत नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

शुद्धिपत्र एवं परिशिष्ट

आसनसोल मंडल के तहत कालीपहाड़ी में डाउन दामोदर-कालीपहाड़ी लाइन पर ओवर रन लाइन आरंभ करने के लिए प्री नॉन-इंटरलॉकिंग (दिनांक 18.06.2025 से 20.06.2025 तक) और नॉन-इंटरलॉकिंग (दिनांक 21.06.2025 एवं 22.06.2025 को) कार्य के कारण ट्रेनों के नियंत्रण के संबंध में पूर्व प्रकाशित ऊपर शीर्षांकित विज्ञापन के संदर्भ में, ट्रेनों के नियंत्रण में निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं: • **दिनांक 21.06.2025 (शनिवार) और 22.06.2025 (रविवार) को, 63552 आसनसोल-अण्डाल मेमू** रद्द रहेगी। • **दिनांक 20.06.2025 (शुक्रवार) को, 13504 हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस** आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी। • **दिनांक 21.06.2025 (शनिवार) को, 12340 धनबाद-हावड़ा कोलफील्ड एक्सप्रेस** और **63532 सांइथिया-अण्डाल मेमू** जिन्हें पहले रद्द सूचित किया गया था, अब **नियमित रूप से** चलेंगी। • **दिनांक 22.06.2025 (रविवार) को, 12339 हावड़ा-धनबाद कोलफील्ड एक्सप्रेस, 13504 हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस और 63532 सांइथिया-अण्डाल मेमू** जिन्हें पहले रद्द सूचित किया गया था, अब **नियमित रूप से** चलेंगी। • **दिनांक 21.06.2025 (शनिवार) एवं 22.06.2025 (रविवार) को, 13503 बर्द्धमान-हटिया मेमू एक्सप्रेस,** जिसे पहले रद्द सूचित किया गया था, को अब बहाल कर दिया गया है और आसनसोल से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी। • **दिनांक 21.06.2025 (शनिवार) को, 13504 हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस,** जिसे पहले रद्द सूचित किया गया था, को अब बहाल कर दिया गया है और आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी। सभी अन्य सूचनाएँ अपरिवर्तित रहेंगी।

मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

नीतीश सरकार गरीब पिछड़े लोगों को अपना घर बनाकर दे रही : संजय सरावगी

सरकार पंचायतों में जमीन खरीदने के लिए एक लाख रुपए दे रही

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री संजय सरावगी ने कहा है कि बिहार की नीतीश सरकार ने गरीब पिछड़े लोगों को न सिर्फ अपना घर बनाकर दे रही है, बल्कि अब उन्हें जीवन यापन के लिए जमीन खरीदने के लिए पैसे भी दे रही है। सरकार पंचायतों में जमीन खरीदने के लिए एक लाख रुपए दे रही है। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में अभियान बसेरा-2 चल रहा है। इसके तहत दलित महादलित पिछड़ा, अत्यंत पिछड़ा समाज के जो लोग हैं और उनके पास जमीन नहीं है, उन्हें जमीन उपलब्ध कराना है। सरावगी गुरुवार को मीडियाकर्मियों से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि सरकार एक नया प्रावधान भी लाई है, जिन पंचायत में जमीन नहीं है, उन पंचायत के लोगों को जमीन खरीदने के लिए मुख्यमंत्री आवास नीति योजना के तहत एक लाख रुपये चेक के माध्यम से दिया जाएगा। संजय सरावगी ने कहा कि सभी रैयतों की जमीन उनके नाम पर हो जाए, इसके लिए जमीन सर्वे की प्रक्रिया को सरल बना दिया गया है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च थी। बावजूद पोर्टल को खोल कर रखा गया है। अभी भी लोग उनके पास जमीन से जुड़े जो कागजात उपलब्ध हैं, उस पर अपना आवेदन करें। ऐसे ही लोगों को परेशानी हो रही है, जो आवेदन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रैयतों के पास जमीन से जुड़ा जो डॉक्यूमेंट है, उस आधार पर आवेदन करें, स्वलिखित वंशावली दें। उन्होंने कहा कि जमीन का दाखिल खारिज करने के लिए अब कार्यालय जाने की बिलकुल जरूरत नहीं है, सभी सुविधाएं ऑनलाइन हैं। संजय सरावगी ने कहा कि बिहार में जमीन विवाद बहुत अधिक है। विशेष भू-सर्वेक्षण होने पर विवाद में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि दाखिल खारिज के मामले में विभाग ने तय किया है कि 35 दिनों के अंदर भू स्वामी की जमीन का दाखिल खारिज हो जाएगा। अगर किसी मामले में विवाद है तो वैसे मामले में 75 दिनों के अंदर इसका निष्पादन कर दिया जाना है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के दाखिल खारिज वाद को अगर कागज में कमी है तो सुनवाई के बाद भी उसे निरस्त करना है। अधिकारी को रैयतों को बुलाना है, अगर कागजात कम है तो उसे कागजात उपलब्ध कराना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चन्द्रशेखर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चन्द्रशेखर के जन्म दिवस के अवसर पर पटना में राजकीय जयंती समारोह का आयोजन बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी, पार्क नं0-2, कंकड़बाग में किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व० चन्द्रशेखर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया एवं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व मंत्री श्याम रजक, बिहार राज्य नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार, बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य शिवशंकर निषाद सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने भी स्व० चन्द्रशेखर जी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजद विधायक रीतलाल यादव ने किया कोर्ट में सरेंडर, गए जेल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दानापुर से राजद विधायक रीतलाल यादव ने रंगदारी मामले में गुरुवार को दानापुर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में पटना के बेऊर जेल भेज दिया। रीतलाल यादव पर एक बिल्डर से रंगदारी मांगने का आरोप है। साथ ही साथ धमकी देने का भी आरोप लगा था। पुलिस लगातार उनकी तलाश में छापामारी कर रही थी जिसके बाद राजद विधायक ने अपने भाई और भांजे के साथ कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने के बाद मीडिया से बातचीत में रीतलाल यादव ने अपने ऊपर लगे आरोपों को साजिश बताते हुए कहा कि उन्हें झूठे मामले में फंसाने की साजिश रची गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस उनकी हत्या करना चाहती है। उन्होंने कहा कि उन्हें डर है कि जेल में उनकी हत्या न कर दी जाए। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस ने हमारे घर पर जो छापा मारा था, उसका असली मकसद एके47/एके56 जैसे प्रतिबंधित हथियार को उनके घर पर रखकर फंसाना था। उन्होंने बिल्डर से रंगदारी मामले में कहा कि बिल्डर के द्वारा कुछ गरीबों की जमीन ली जा रही थी। हमने उसे पंचायत कर सुलह करा दी थी, लेकिन बाद में बिल्डर पर दबाव डालकर फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया, ताकि मुझे फसाया जा सके और मेरी हत्या कराई जा सके। उन्होंने कहा कि दानापुर विधानसभा सीट से हमारे विरोधी पार्टी भाजपा को जिताने की यह पूरी तरह साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता हमारे साथ है। मैं दानापुर से चुनाव लड़ूंगा और फिर मेरी जीत होगी। बता दें कि पुलिस ने 11 अप्रैल को उससे संबंधित 11 स्थानों पर तलाशी ली और करीब 10.5 लाख रुपये, 77.5 लाख रुपये के खाली चेक, भूमि हड़पने के 14 दस्तावेज और समझौते, 17 चेकबुक और पांच स्टांप, छह पेन ड्राइव और वॉकी-टॉकी बरामद किए थे। रीतलाल यादव के ठिकानों से 10 लाख से अधिक नकद, ब्लैंक चेक और कई कागजात व पेनड्राइव आदि मिले थे। सूत्र बताते हैं कि पुलिस अब इनकम टैक्स की मदद भी ले रही है। विधायक के बैंक खाते, संपत्ति और निवेश की जांच की जा रही है। संदेह है कि अपराध से विधायक ने धन अर्जित की और उसे वैध रूप देने की कोशिश की।

चन्द्रशेखर पार्क की जमीन को लेकर श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हंगामा

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती पर गुरुवार को कंकड़बाग स्थित बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी में आयोजित मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों विरोध प्रदर्शन किया। मामला चंद्रशेखर पार्क की जमीन को निजी स्कूल को आवंटित किए जाने से जुड़ा है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान लोगों ने विरोध जताने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने पहले ही उन्हें रोक दिया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव और मंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद थे। कार्यक्रम स्थल से इनके जाने के बाद लोगों ने पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह के समक्ष विरोध जताया। जिलाधिकारी ने उन्हें बताया कि चंद्रशेखर पार्क की जमीन को हाईकोर्ट के आदेश के बाद एक निजी शैक्षणिक संस्थान को आवंटित किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसी जमीन पर पार्क बनाए जाने को लेकर पहले स्थानीय लोगों ने ही अदालत में याचिका दाखिल की थी जिसके बाद अदालत ने जमीन को शिक्षण संस्थान के लिए उपयोग की अनुमति दी। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पार्क न सिर्फ बुजुर्गों के टहलने और घूमने के लिए उपयोगी था बल्कि युवाओं के लिए खेल और दांव-पेच की ट्रेनिंग का भी केंद्र था। उन्होंने जमीन को निजी संस्थान को देने का विरोध किया और इसे जनहित के खिलाफ बताया। प्रदर्शन के दौरान जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने विरोध कर रहे लोगों से कहा कि अगर उन्हें कोर्ट के फैसले पर आपत्ति है तो वे दोबारा न्यायालय में याचिका दायर करें।

मुख्यमंत्री खेल ज्ञानोत्सव के ग्रैंड फिनाले में जवाहर नवोदय विद्यालय समस्तीपुर को प्रथम स्थान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्कूली छात्रों के लिए आयोजित राज्य स्तरीय खेल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मुख्यमंत्री खेल ज्ञानोत्सव 2025का बहुप्रतीक्षित ग्रैंड फिनाले गुरुवार को पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में जेएनवी समस्तीपुर के जैफी जावेद और दीपंकर, जिन्होंने पूरे आत्मविश्वास और सूझबूझ के साथ मुकाबला जीतकर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं इस प्रतियोगिता में प्रथम रनर अप राजधानी के संत करेंस स्कूल के छात्र ईशानभूषण व अंबर सिन्हा रहे। उनकी तेज प्रतिक्रियाएं, गहरी समझ और खेलों पर मजबूत पकड़ ने उन्हें न केवल प्रतियोगिता में सबसे आगे रखा, बल्कि पूरे आयोजन की शोभा भी बढ़ा दी। बिहार के नौ प्रमंडलों की 25 सर्वश्रेष्ठ टीमों को पछाड़ते हुए जैफी और दीपंकर ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी सीमित संसाधन की मोहताज नहीं होती–उसे बस मंच और मार्गदर्शन चाहिए। वहीं ईशान व अंबर सिन्हा ने भी प्रतियोगिता में अंत तक अपना जलवा बरकरार रहा। ग्रैंड फिनाले का हर राउंड खेल-जगत की गहराइयों में उतरता गया–ओलंपिक इतिहास से लेकर राष्ट्रीय खेल नीतियों तक, खिलाड़ियों के रिकॉर्ड से लेकर खेलों के नियमों तक। लिखित प्रीलिम्स और ऑन स्टेज राउंड में बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर निम्नलिखित टीमों ने शीर्ष स्थान हासिल किया उनमें प्रथम स्थानःजैफी जावेद और दीपंकर (जेएनवी समस्तीपुर), द्वितीय स्थानःअंबर सिन्हा और ईशा भूषा (सेंट कैरेन्स स्कूल, पटना व तृतीय स्थानःन्याशा श्रीवास्तव और ऋषव कुमार (सिंड्रेला इंग्लिश स्कूल, दरभंगा के प्रतिभागी रहे। प्रतियोगिता का संचालन प्रसिद्ध खेल उद्घोषक अनिकेत मिश्राने किया, जिनकी शानदार प्रस्तुति ने माहौल को जोश और उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवेक सिंह, आईएएस, अध्यक्ष, रेरा बिहार एवं रवींद्र शंकरण आईपीएस, महानिदेशक, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण समेत संजय सिन्हा, आईएएस सलाहकार, राजनारायण सिंह, समन्वयक, एमकेजी 2025 की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। मुख्य अतिथि विवेक सिंह ने आयोजन कहा कि वे को इस अनोखी पहल के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। उनके नेतृत्व में बिहार ने एशियन हॉकी चैंपियनशिप, सेपक टकरॉ वर्ल्ड कप 2025 और खेलो इंडिया गेम्स जैसे बड़े आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजित किया है।उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में बिहार के दूरदराज इलाकों से आए छात्रों ने जिस तरह का शानदार प्रदर्शन किया, उससे मेरा दिल गर्व से भर गया। हम पूरी दुनिया को बिहार की प्रतिभा दिखाएंगे। वहीं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्र शंकरण में कहा किमुख्यमंत्री खेल ज्ञानोत्सव 2025 देश की पहली राज्य स्तरीय खेल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता है। यह बिहार के लिए गर्व की बात है कि उसने इस ऐतिहासिक पहल को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। खेल मंत्रालय ने इस प्रतियोगिता की विस्तृत एसओपी मांगी है। निश्चित रूप से यह आयोजन देश भर में ऐसी प्रतियोगिताओं के लिए एक आदर्श मॉडल बनेगा।

मानव धर्मयोग ट्रस्ट की ओर से निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारीशरीफ। मानव धर्मयोग ट्रस्ट की ओर से ओम आश्रम चितकोहरा (पटना) चावल बाजार में निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आंख, हड्डी, शुगर, चर्म रोग एवं ह्रदय रोग से संबंधित मरीजों का मुफ्त में इलाज एवं चिकित्सीय परामर्श विशेषज्ञ चिकित्सकों की ओर से दिया गया। शिविर में करीब पांच सौ लोगों का निशुल्क इलाज एवं जांच की गई। शिविर में आये लोगों को मुफ्त दवाइयां भी दी गई। इसकी जानकारी देते हुए आश्रम से जुड़े नागेंद कुमार ने बताया कि चिकित्सा शिविर में डॉ0 रूपेश कुमार, डॉ0 रंजन कुमार, डॉ0 बाल्मिकी प्रसाद, डॉ0 मनीष रंजन, डॉ0 सुबोध कुमार, डॉ0 ए क्यू अंसारी, डॉ0 बलराम प्रसाद एवं डॉ0 विजय कुमार चिकित्सीय परामर्श एवं इलाज किया। शिविर में संजय बाबा,वार्ड पार्षद बुल्लू जी, प्रमोद कुमार, रवि रंजन, बी के सिन्हा, नागेन्द्र कुमार एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

तेजस्वी यादव ही महागठबंधन का करेंगे नेतृत्व

▸ समन्वय समिति के अध्यक्ष चुने गए ▸ सीट बंटवारे से चुनावी रणनीति तक सब तय करेंगे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर गुरूवार को राजद कार्यालय में हुई महागठबंधन की पहली बैठक में तेजस्वी यादव को समन्यवय समिति का अध्यक्ष चुना गया। इससे यह लगभग साफ हो गया कि महागठबंधन की ओर से तेजस्वी ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे। बैठक के बाद बिहार कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा कि तेजस्वी ही महागठबंधन को लीड करेंगे। सीएम चेहरे के बारे में पूछे गए सवाल का उन्होंने सीधे कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन कहा कि तेजस्वी ही महागठबंधन को लीड करेंगे। अल्लावरु ने कहा कि मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर महागठबंधन में कोई कन्फ्यूजन नहीं है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर एनडीए में ही कन्फ्यूजन है। करीब तीन घंटे तक चली बैठक में महागठबंधन के छह दलों-राजद, कांग्रेस, वीआईपी और तीनों वामपंथी पार्टियों के नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रदेश से लेकर प्रखंड स्तर पर समन्यवय समिति बनाने का फैसला किया गया। ये समितियां आपस में समय-समय पर बैठक करेंगी। इनके जिम्मे एजेंडे को आगे बढ़ाने की जिम्मोवारी होगी। बैठक में यह तय हुआ कि समन्यवय समिति सीट शेयरिंग पर निर्णय लेगी, चुनावी एजेंडा तय करेगी, चुनाव प्रचार की रणनीति बनाएगी और साझा न्यूनतम कार्यक्रम तय करेगी। बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोगों ने गरीब, नौजवान, महिलाओं और युवाओं के मुद्दों पर बातचीत की। इसके साथ ही बिहार से हो रहे पलायन पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों में बहुत गुस्सा है। बीस साल से खटारा सरकार है। केन्द्र की ही रिपोर्ट बताती है कि बिहार में सबसे ज्यादा गरीबी है और दो करोड़ से ज्यादा लोग रोजगार के लिए यहां से पलायन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, पलायन और अपराध में बिहार नंबर वन है। बिहार में कानून नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। इसके लिए सिर्फ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दोषी नहीं हैं। उन्हें क्या कहें, वह चेत अवस्था में हैं। सीएम फेस के बारे में पूछे जाने पर तेजस्वी ने कहा कि सभी बातों पर सहमति बन गई है। थोड़ा इंतजार करिए। एक ही दिन में सब बता दें क्या? महागठबंधन की इस अहम बैठक में राजद के तरफ से तेजस्वी यादव के अलावा सांसद संजय यादव और पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, कांग्रेस की ओर से प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, वीआईपी के अध्यक्ष मुकेश सहनी और प्रवक्ता देव में ज्योति, भाकपा के केडी यादव, माकपा के जय कुमार तथा भाकपा-माले के राज्य सचिव कुणाल मौजूद थे।

भाई-बहन को घर में घुसकर मारी गोली, पारिवारिक रंजिश में वारदात की आशंका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारीशरीफ। जानीपुर थाना क्षेत्र के हुलासचक मोहल्ले में बुधवार की देर रात उस समय सनसनी फैल गई जब एक महिला और उसके भाई को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। गोली महिला के बांह और युवक के पांव में लगी है। बताया जा रहा है कि गोली चलाने वाले हमलावर मौके से फरार हो गए। महिला किसी निजी कंपनी में गार्ड का काम भी करती है। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को गंभीर हालत में एम्स पटना पहुंचाया गया। घटना की शिकार महिला की पहचान अरपा हिलसा निवासी बेबी कुमारी के रूप में हुई है जो पिछले चार वर्षों से हुलासचक में अपने भाइयों के साथ रह रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बेबी कुमारी हाल ही में 17 मार्च को अपने ससुर की हत्या के मामले में जेल से छूट कर आई है वह स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि करीब 4 से 5 वर्षों पहले इन लोगों ने यहां घर बनाया है। इसलिए गांव वाले से ज्यादा कांटेक्ट में या परिवार नहीं है। घटना इनके साथ क्या हुआ है किन कारणों से हुआ है इस बारे में गांव वालों को कुछ जानकारी नहीं है। स्थानीय लोगों में इस वारदात को लेकर भय और आक्रोश दोनों देखा जा रहा है। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसके गांव में जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। बुधवार रात किसी ने दरवाजे पर दस्तक दी और जैसे ही दरवाजा खोला गया, हमलावर भीतर घुस गए और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। उसने आरोप लगाया कि इसी रंजिश में अरपा निवासी बंटी और विक्रम निवासी चंदन ने उसे और उसके भाई को निशाना बनाया।

लूटकांड का मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। थाना क्षेत्र के सगुना मोड़ के पास स्थित जीवा ज्वेलर्स के दुकान से छः अज्ञात अपराधकर्मी के द्वारा हथियार के बल पर दुकान से सोने चांदी एवं हीरा के जेवरात को लूट करने के मामले में मुख्य अभियुक्त को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया कि जीवा ज्वेलर्स के दुकान में विगत 31 जनवरी को अपराधियों ने लूट का अंजाम दिया था। सहायक पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम का गठन किया गया। वैधानिक अनुसंधान एवं तकनिकी साक्ष्य के आधार पर घटना में शामिल एक मुख्य अपराधकर्मी नारायणपुर भोजपुर आरा का रहने वाला दीपक कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया जिसके पास से एक स्मार्ट फोन बरामद किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पूर्व में इस घटना में संलिप्त लटीयरगंज, आरा की आकाश कुमार उर्फ सूरज कुमार, आरती कुमारी, खौरी मोड़ पटना की सरीता देवी, नारायणपुर आरा का रोहित कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था तथा घटना में लूटी गई 31 पीस सोने एवं हीरा से कढ़ाई किया जेवरात, एक उजला रंग का अपाची मोटरसाइकिल, अपराधकर्मी का जूता, पहने हुये कपड़े को बरामद किया गया है। घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी किया जा रहा है।

रेलवे बोर्ड द्वारा नागरिकों के लिये रेल यात्रा वृतान्त प्रतियोगिता का आयोजन

विजेता प्रतिभागियों को किया जाएगा पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। रेल मंत्रालय सभी नागरिकों के लिये हिन्दी में रेल यात्रा वृतान्त प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है। रेलकर्मियों सहित जन साधारण के रेल यात्रा संबंधी अनुभव प्राप्त करने और उन अनुभवों के आधार पर रेलवे की सुविधाओं को और बेहतर बनाने तथा उनमें हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय स्तर पर रेल यात्रा वृतान्त प्रतियोगिता आयोजित की गयी है जिसमें हिन्दी में लिखे गये रेल कर्मियों सहित जन साधारण के रेल यात्रा संबंधी अनुभव मांगे गये हैं। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों में एक को प्रथम पुरस्कार के रूप में 10 हजार रूपए, एक को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 08 हजार रूपए, एक को तृतीय पुरस्कार के रूप में 06 हजार रूपए तथा पांच को प्रेरणा पुरस्कार के रूप में प्रत्येक को 04 हजार की राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा। रेल यात्रा वृतान्त हिन्दी भाषा में और मौलिक होना चाहिए तथा न्यूनतम 3000 एवं अधिकतम 3500 शब्दों का होना चाहिये। रेल यात्रा वृतान्त डबल स्पेश में टाइप किया हुआ तथा चारों तरफ एक-एक इंच का हासिया छूटा हुआ एवं पृष्ठ संख्या अंकित होना चाहिये। इसके साथ ही शब्दों की कुल संख्या लिखी होनी चाहिये। वृतान्त के प्रारम्भ में एक अलग कागज में बड़े अक्षरों में नाम, पदनाम, आयु, कार्यालय अथवा निवास का पता, मातृभाषा, मोबाइल नम्बर, ई-मेल तथा वृतान्त के शब्दों की संख्या आदि का उल्लेख किया जाना चाहिये। इस योजना में भाग लेने के इच्छुक केंद्रीय अथवा राज्य सरकार की सेवा में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके विरूद्ध किसी भी प्रकार का सतर्कता/अनुशासन एवं अपील नियम से संबंधित मामला लंबित या विचाराधीन नहीं है जो आवेदक सरकारी सेवा में नहीं हैं, उन्हें इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके खिलाफ न तो किसी प्रकार का आपराधिक मामला चल रहा है और न ही वे किसी प्रकार की सजा भुगत रहे हैं। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को घोषणा पत्र में यह भी उल्लेख करना होगा कि "संबंधित रेल यात्रा वृतांत मेरी मौलिक रचना है, इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत नहीं किया गया है।" रेल यात्रा वृतांत प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि दो प्रतियों में 31.07.2025 तक सहायक निदेशक, हिन्दी (प्रशिक्षण), कमरा नं. 316, कॉफमो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नई दिल्ली-110002 को भेज सकते हैं। वृतांत की एकल प्रति प्राप्त होने पर प्रविष्टि रद्द कर दी जाएगी। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर मंत्रालय द्वारा विचार नहीं किया जाएगा।

आठ ट्रेनों का परिचालन परिवर्तित मार्ग से

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा कुसम्ही-गोरखपुर कैंट-गोरखपुर जं.-डोमिनगढ़ तीसरी लाइन निर्माण परियोजना के अन्तर्गत गोरखपुर जं.-गोरखपुर कैंट के मध्य तीसरी लाइन के प्रावधान एवं गोरखपुर जं. स्टेशन की यार्ड रिमॉडलिंग के परिप्रेक्ष्य में और 08 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन कर चलाने का निर्णय किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 24 एवं 25 अप्रैल तथा 01 एवं 02 मई, 2025 को पोरबंदर से खुलने वाली गाड़ी सं. 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस का परिचालन गोरखपुर कैंट-भटनी-छपरा ग्रामीण-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलायी जाएगी। 27 एवं 28 अप्रैल, 2025 को मुजफ्फरपुर से खुलने वाली गाड़ी सं. 19270 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस का परिचालन मुजफ्फरपुर-छपरा ग्रामीण- भटनी-गोरखपुर कैंट के रास्ते चलायी जाएगी। 27 अप्रैल, 2025 को कामाख्या से खुलने वाली गाड़ी सं. 15655 कामाख्या-श्रीमाता वैष्णो देवी, कटड़ा एक्सप्रेस का परिचालन बरौनी-मुजफ्फरपुर-छपरा ग्रामीण- भटनी-गोरखपुर कैंट के रास्ते चलायी जाएगी। 30 अप्रैल, 2025 को श्रीमाता वैष्णो देवी, कटड़ा से खुलने वाली गाड़ी सं. 15656 श्रीमाता वैष्णो देवी, कटड़ा-कामाख्या एक्सप्रेस का परिचालन गोरखपुर कैंट-भटनी-छपरा-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलायी जाएगी। 30 अप्रैल, 2025 को सहरसा से खुलने वाली गाड़ी सं. 15529 सहरसा-आनंद विहार जनसाधारण एक्सप्रेस का परिचालन मुजफ्फरपुर-छपरा ग्रामीण-भटनी-गोरखपुर कैंट के रास्ते चलायी जाएगी।

अतिक्रमण पर नप प्रशासन का चला बुलडोजर, वसूला जुर्माना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। नगर में सड़क किनारे अतिक्रमण और लोगों को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए तीसरे दिन गुरुवार को नगर परिषद प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों पर बुलडोजर चलाया। डीएम व आयुक्त के निर्देश के बाद नगर परिषद प्रशासन ने सगुना मोड़ से हाथी खाना मोड़ तक टाउन क्लिन ऑपरेशन चलाया। अतिक्रमण हटाओ टीम के सड़क पर उतरते ही फुटपाथी दुकानदार अपनी-अपनी दुकान समेटकर भागते नजर आए। नप प्रशासन ने शहर के सगुना मोड़ से हाथीखाना मोड़ तक अतिक्रमण हटाया गया। प्रशासन ने बुलडोजर से सड़क किनारे स्थायी व अस्थायी रूप से झोंपड़ियों, गुमटियों को ध्वस्त किया। दुकानों को ट्रैक्टर में लादकर हटवाया गया। इस दौरान अतिक्रमणकारियों से 8700 रुपए जुर्माना वसूला गया। नप के इओ पंकज कुमार के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस को लिखित सूचना दी गयी है कि दोबारा अतिक्रमण करने वाले पर सख्त कानूनी कार्रवाई करें। अपर ईओ पंकज कुमार, नगर प्रबंधक अमरेंद्र कुमार, ब्रजेश कुमार सिंह, सफाई निरीक्षक संजय कुमार, अमीन व पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

अग्निशमन सेवा सप्ताह पर होटल मौर्या में किया गया फायर मॉक ड्रिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर गुरुवार को होटल मौर्या में प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा फायर मॉक ड्रिल किया गया। इस दौरान कर्मचारियों द्वारा आग बुझाने के अद्भुत तरीके प्रस्तुत किए गए। फायर अलार्म द्वारा आग की सूचना मिलते ही मार्शल टीम हरकत में आ गई। अतिथि को इमरजेंसी लैंडर द्वारा रूम से बारी - बारी से सुरक्षित उतारा गया। इसके बाद होटल मौर्या के एडमिनिस्ट्रेटर आर के सिंह द्वारा अतिथि को प्राथमिक उपचार (बी पी जांच) मुहैया कराया गया और एम्बुलेंस के द्वारा नजदीक के रेनबो अस्पताल भेजा गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित अजीत कुमार ने अग्नि सुरक्षा पर होटल मौर्या के कर्मचारियों को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं अन्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. करीम (रेड क्रॉस सोसाइटी), चंद्र प्रकाश सिंह (उपाध्यक्ष, इंटक), प्रकाश कुमार (टाउन डीएसपी - 2) ने भी अग्नि सुरक्षा को लेकर अपने - अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर उपस्थित होटल मौर्या के सीएफओ राजीव कुमार ने भी सुरक्षा पर अपने विचार प्रकट किए जबकि होटल मौर्या के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बी डी सिंह ने कार्यक्रम में अग्नि सुरक्षा पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर लोगों को इससे अवगत कराया। कार्यक्रम का मंच संचालन करते हुए होटल मौर्या के एडमिनिस्ट्रेटर आर के सिंह ने कहा कि होटल मौर्या के पास सभी प्रकार के फायर एक्सटीन्गुइसर उपलब्ध है जिसके सहारे हम सभी विषम परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हैं। हमारे पास पब्लिक एड्रेस सिस्टम, एडवांस स्प्रिंकलर सिस्टम, फायर अलार्म, हाइड्रेंट सिस्टम, फोम जेट और फायर स्मोक एक्सट्रैक्टर की पूरी व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि आग पर काबू पाने के लिए सारा साधन यहां मौजूद है।

देशी पिस्टल, जिन्दा कारतूस व मैगजीन के साथ सात अपराधी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। शाहपुर थाना अंतर्गत शिवाला स्थित गैस गोदाम के पास सड़क के किनारे मोटरसाइकिल पर खड़े 7 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है जिनके पास से एक देशी पिस्टल, 20 जिन्दा कारतूस, दो मैगजीन, 3 मोटरसाइकिल, 9 मोबाइल बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष मनीष कुमार आनंद ने बताया कि शिवाला स्थित गैस गोदाम के पास सड़क के किनारे मोटरसाइकिल खड़ा कर सभी अपराधी लूट की योजना बना रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर सभी भागने लगे। पुलिस से उन्हें दौड़कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से पिस्टल, मैगजीन व गोली बरामद की गई। गिरफ्तार अपराधी नौबतपुर का राज कुमार, उदवंतनगर का सोनू कुमार, कौसिक दुलारपुर अभिषेक कुमार, कार्तिक कुमार, अमन कुमार, रतनपुर निवासी मोहित कुमार, कोईलवर निवासी प्रतुल भारद्ववाज है। अभियुक्त राज कुमार के ऊपर नौबतपुर एवं फुलवारीशरीफ थाने में हत्या, लूट, रंगदारी एवं आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। सभी अभियुक्तों से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, शुक्रवार 18 अप्रैल 2025

संपादकीय

प्रत्यर्पण की मुश्किलें

पंजाब नैशनल बैंक के साथ 13,500 करोड़ रुपये का लोन घोटाला करने के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी भारत के बढ़ते वैश्विक दबदबे का सबूत है। मुंबई आतंकी हमले के गुनहगार तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद हाल में यह दूसरी बड़ी सफलता मिली है। हालांकि राणा की तरह चोकसी को भारत लाने की राह इतनी आसान नहीं होगी। मेहुल और उसके भांजे नीरव मोदी ने भारतीय बैंकिंग सिस्टम की खामियों और अंदर तक फैले भ्रष्टाचार का फायदा उठाकर इतना बड़ा घोटाला किया और जब तक इसका पता चलता, सुरक्षा एजेंसियां उन तक पहुंचतीं, दोनों देश छोड़कर भाग चुके थे। जनवरी 2018 में उनके फरार होने से लेकर अभी तक -7 साल और करीब 4 महीने के दरम्यान दोनों को लेकर अलग-अलग खबरें आती रहीं। इस दौरान प्रत्यर्पण के कई प्रयास हुए, और अब भी चल रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली है। मेहुल और उसके वकीलों ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों का अपने हिसाब से खूब दुरुपयोग किया है। मई 2021 में जब वह डोमिनिका में गिरफ्तार हुआ, तब भारतीय एजेसियां उसे वापस लाने के बिल्कुल करीब पहुंच गई थीं। लेकिन, उस समय भी उसने कानूनी पेचीदगियों का फायदा उठाया। तब उसकी तरफ से कहा गया था कि वह एंटीगुआ का नागरिक है और चूंकि एंटीगुआ व भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है, इसलिए उसे नई दिल्ली के हवाले नहीं किया जा सकता। उसका यह भी आरोप था कि भारतीय एजेंसियों के इशारे पर उसे एंटीगुआ से अगवा करके डोमिनिका लाया गया। इन्हीं पेच ने उसे बचा लिया था। बेल्जियम के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि है, लेकिन डोमिनिका में जो हुआ, वह एक बार फिर भारत के सामने मुश्किलें खड़ी कर सकता है। तब चोकसी के आरोपों ने भारत के पक्ष को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर किया था। यहां तक कि बाद में इंटरपोल ने अपना रेड कॉर्नर नोटिस भी वापस ले लिया था। प्रत्यर्पण को लेकर यूरोपीय देशों का रवैया बेहद सख्त है। जब तक उन्हें तसल्ली न हो जाए कि आरोपी को निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिलेगा, तब तक वे किसी को प्रत्यर्पित नहीं करते। मेहुल चोकसी के मामले में बेल्जियम को भरोसा दिलाना होगा कि उसका किया घोटाला बेहद गंभीर है, और उसे भारतीय कानूनों के अनुसार सजा जरूर मिलनी चाहिए। भारत को बेल्जियम के साथ अपने रिश्ते के प्रभाव का इस्तेमाल करने से भी नहीं चूकना चाहिए।

ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) के ज्यादातर देश अपनी जलवायु योजनाओं को लागू करने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता पर बहुत अधिक निर्भर हैं. पहले अमेरिका इस तरह के फंड का एक बड़ा हिस्सा देता था. लेकिन, अब इसके बाहर होने से वैश्विक जलवायु वित्त का लगभग दसवां हिस्सा खतरे में पड़ गया है, जिससे कई परियोजनाएं और पहल प्रभावित हो सकती हैं. इस फैसले ने अंतरराष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं के भविष्य को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ा दी है। हालांकि कई लोग इसे एक बड़ा झटका मानते हैं, लेकिन इतिहास एक अलग सबक देता है. 2017 में ट्रम्प का बाहर निकलना जलवायु कार्रवाई को पटरी से उतारने के बजाय, अनजाने में इसे मजबूत कर गया. एक स्वैच्छिक समझौते की कमियों को उजागर करके, जिसमें देरी और कमजोर नियमों की समस्या थी।

पेरिस समझौते से ट्रंप का हटना: क्या जलवायु सुधार को मिल गया अनजाना बढ़ावा?

(अर्पणा राय)

हाल ही में कार्बन ब्रीफ के एक विश्लेषण से पता चला है कि पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले लगभग 95 प्रतिशत देशों ने 2035 के लिए नई जलवायु प्रतिबद्धताएं जमा करने की संयुक्त राष्ट (यूएन) की समय सीमा को पूरा नहीं किया है. यह जलवायु परिवर्तन से निपटने में वैश्विक गति के कमजोर पड़ने का एक चिंताजनक संकेत है. यह खबर तब आई है जब अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राज्य को पेरिस समझौते से बाहर कर लिया है।

ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) के ज्यादातर देश अपनी जलवायु योजनाओं को लागू करने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता पर बहुत अधिक निर्भर हैं. पहले अमेरिका इस तरह के फंड का एक बड़ा हिस्सा देता था. लेकिन, अब इसके बाहर होने से वैश्विक जलवायु वित्त का लगभग दसवां हिस्सा खतरे में पड़ गया है, जिससे कई परियोजनाएं और पहल प्रभावित हो सकती हैं. इस फैसले ने अंतरराष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं के भविष्य को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ा दी है। हालांकि कई लोग इसे एक बड़ा झटका मानते हैं, लेकिन इतिहास एक अलग सबक देता है. 2017 में ट्रम्प का बाहर निकलना जलवायु कार्रवाई को पटरी से उतारने के बजाय, अनजाने में इसे मजबूत कर गया. एक स्वैच्छिक समझौते की कमियों को उजागर करके, जिसमें देरी और कमजोर नियमों की समस्या थी, ट्रम्प के फैसले ने वैश्विक जलवायु कार्रवाई को अधिक जवाबदेह और परिणाम देने वाले ढांचे की ओर धकेल दिया. ऐसा ढांचा जो अमेरिकी नेतृत्व पर कम और आर्थिक हकीकतों व स्थानीय नवाचारों पर ज्यादा निर्भर हो।

दोषपूर्ण समझौते से मुक्ति: पेरिस समझौता एक ऐतिहासिक कूटनीतिक उपलब्धि थी, लेकिन इसकी संरचनात्मक कमज़ोरियों के कारण इसे काफ़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है. यह स्वैच्छिक प्रतिज्ञाओं (राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान, या एनडीसी) पर निर्भर करता है. समझौते को लागू कराने वाला कोई बाध्यकारी तंत्र नहीं है. चीन और सऊदी अरब जैसे हस्ताक्षरकर्ताओं सहित कई देशों ने उत्सर्जन में कमी का वादा करने के बावजूद जीवाश्म ईंधन में निवेश बढ़ाना जारी रखा है. संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर भी, उत्सर्जन में कमी मुख्य रूप से बाजार में बदलाव के कारण हुई है, जैसे कि सस्ती अक्षय ऊर्जा न कि समझौते के संघीय पालन के कारण।

ट्रंप के हटने से ये खामियां फिर से उजागर हो गई हैं. जिससे वैश्विक नेताओं को एक असहज वास्तविकता का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ा है. पेरिस रूपरेखा, प्रतीकात्मक होने के बावजूद, जवाबदेही से रहित है. अब जब अमेरिका कूटनीतिक औपचारिकताओं से विवश नहीं है, तो अन्य राष्ट और अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन मजबूत तंत्र विकसित करने के लिए बाध्य महसूस कर सकते हैं, जो स्वैच्छिक प्रतिज्ञाओं से परे हैं और गैर-अनुपालन के लिए वास्तविक दंड पेश करते हैं. यह पेरिस 2.0 रूपरेखा के लिए जोर देकर प्रगति को गति दे सकता है, जो राजनीतिक सद्भावना पर निर्भर होने के बजाय जवाबदेही

को लागू करता है।

बाजार-संचालित समाधान: ट्रंप की पहली वापसी का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम यू.एस. में राज्य, शहर और कॉर्पोरेट नेतृत्व का उदय था. यू.एस. जलवायु गठबंधन (जिसमें कई राज्य शामिल हैं) जैसे जलवायु गठबंधन और प्रमुख निगमों की पहलों ने संघीय समर्थन के अभाव में भी उत्सर्जन में कमी बनाए रखने में मदद की. नवीकरणीय ऊर्जा की वृद्धि उम्मीदों से कहीं ज़्यादा रही, जो संघीय जनादेशों के बजाय तकनीकी प्रगति और लागत में कमी के कारण हुई. अब, एक और संघीय वापसी के साथ, उप-राष्ट्रीय अभिनेताओं को फिर से अपनी जलवायु महत्वाकांक्षाओं को तेज करने का अवसर मिलेगा।

स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती सामर्थ्य: सौर और पवन अब दुनिया के अधिकांश हिस्सों में सबसे सस्ती बिजली स्रोत हैं. संघीय समर्थन को पहले की तुलना में कम महत्वपूर्ण बनाती है. कई राज्यों, विशेष रूप से कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और टेक्सास ने पहले से ही आक्रामक डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्य निर्धारित किए हैं. संघीय विघटन के साथ, वे उन नीतियों पर दोगुना जोर दे सकते हैं जो निवेश को आकर्षित करती हैं. जिससे एक विकेंद्रीकृत लेकिन लचीला जलवायु आंदोलन बनता है।

यू.एस.-केंद्रित नेतृत्व से दूर जाना: दशकों से, वैश्विक जलवायु वार्ताएं अमेरिकी घरेलू राजनीति से असंगत रूप से प्रभावित रही हैं. अमेरिकी चुनावों की चक्रीय प्रकृति ने अस्थिरता को जन्म दिया है, जहां जलवायु नीतियां प्रशासनों के बीच उतार-चढ़ाव करती हैं, जिससे दीर्घकालिक प्रतिबद्धताएं अविश्वसनीय हो जाती हैं. ट्रंप की वापसी ने बाकी दुनिया के लिए जलवायु कार्रवाई को अमेरिकी राजनीतिक सनक से अलग करने की आवश्यकता को मजबूत किया है. 2017 में जब ट्रंप ने पहली बार वापसी की थी, तो चीन और यूरोपीय संघ जैसे देशों ने मजबूत नेतृत्व वाली भूमिकाएं निभाई थीं, अक्षय ऊर्जा निवेश का विस्तार किया और विकासशील देशों में जलवायु अनुकूलन को वित्तपोषित किया था।

अब, एक और वापसी के साथ, हम गैर-अमेरिकी नेतृत्व के लिए और भी मजबूत धक्का देख सकते हैं. उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ का कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म आगे चलकर और भी अधिक गति पकड़ सकता है, जिससे गैर-भागीदारी वाले देशों को भी यूरोपीय बाजारों तक पहुंचने के लिए उत्सर्जन कम करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है. इसी तरह, चीन, जिसने खुद को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी के रूप में स्थापित किया है, इस क्षेत्र में हरित वित्त और तकनीकी प्रभुत्व के लिए अपने प्रयास को तेज कर सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका से नेतृत्व हटाकर, जलवायु कूटनीति अधिक स्थिर और स्वतंत्र बन सकती है. जो देश कभी अमेरिका के निर्देश का इंतजार करते थे, वे अब सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं. वैश्विक प्रतिबद्धताओं को मजबूत कर सकते हैं और नेट-जीरो मार्गों को तेज कर सकते हैं।

ऊर्जा सुरक्षा और डीकार्बोनाइजेशन के लिए धन: वापसी के लिए ट्रम्प का तर्क काफी हद तक आर्थिक रहा है. अमेरिकी जीवाश्म ईंधन नौकरियों की रक्षा करना, विनियामक लागतों को कम करना और ऊर्जा स्वतंत्रता बनाए रखना. हालांकि, यह तर्क तेजी से पुराना होता जा रहा है. जीवाश्म ईंधन की आर्थिक व्यवहार्यता कम होती जा रही है और स्वच्छ ऊर्जा अब रोजगार सृजन का एक प्रमुख चालक है. विडंबना यह है कि जलवायु नीतियों के लिए संघीय समर्थन को हटाकर, ट्रम्प की वापसी स्वच्छ ऊर्जा में बाजार संचालित प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे सकती है।

नवीकरणीय ऊर्जा में निजी क्षेत्र का निवेश पहले से ही जीवाश्म ईंधन निवेश से आगे निकल रहा है और सरकारी हस्तक्षेप के बिना, व्यवसाय पूरी तरह से आर्थिक लाभ के लिए संधारणीय प्रथाओं की ओर अपने बदलाव को तेज कर सकते हैं. इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच चाहने वाले राज्यों और निगमों को अभी भी विदेशी कार्बन विनियमों का पालन करना होगा. यह सुनिश्चित करना कि संघीय आदेशों के बिना भी डीकार्बोनाइजेशन एक व्यावसायिक प्राथमिकता बनी रहे।

आगे की राह

यदि इतिहास कोई मार्गदर्शक है, तो ट्रंप की वापसी जलवायु कार्रवाई के पतन को चिह्नित नहीं करेगी, बल्कि इसके अगले विकास को चिह्नित करेगी. स्वैच्छिक अनुपालन पर निर्भर एक समझौते की नाजुकता को उजागर करके, यह क्षण दुनिया को एक सख्त, अधिक लागू करने योग्य जलवायु शासन मॉडल की ओर धकेल सकता है. राज्यों, व्यवसायों और विदेशी सरकारों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए मजबूर करके, यह उत्सर्जन में कमी के लिए एक अधिक लचीला, विविध और नवाचार-संचालित दृष्टिकोण बना सकता है। अस्थिर राजनीतिक समझौतों पर निर्भर रहने के बजाय, जलवायु कार्रवाई को अब आर्थिक संरचनाओं, वित्तीय प्रोत्साहनों और कानूनी ढांचों में शामिल किया जाना चाहिए जो चुनाव चक्रों से आगे तक चले. ट्रम्प का पीछे हटना, भले ही पीछे हटने जैसा प्रतीत हो, लेकिन विरोधाभासी रूप से इस बदलाव को तेज कर सकता है- दुनिया को जलवायु कार्रवाई की ओर धकेलना जो न केवल प्रतीकात्मक है बल्कि वास्तव में परिवर्तनकारी है। इस लेख में व्यक्त विचार लेखिका के अपने हैं।

तेजस्वी-राहुल मुलाकात में भी नहीं बनी बात, महागठबंधन में पेंच अभी फंसा हुआ है !

बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया।

(संतोष कुमार पाठक)

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं।

बिहार की राजनीति में 90 के दशक में लालू यादव के ताकतवर होने के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य कई राजनीतिक दलों के बुरे दिन शुरू हो गए थे। बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल को तो लालू यादव ने बिहार में अपनी बी टीम बनाकर छोड़ दिया था। लालू यादव सीधे कांग्रेस आलाकमान से डील किया करते थे और बिहार कांग्रेस के नेताओं को हमेशा लालू यादव से डर कर रहना पड़ता था।

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। उस समय राहुल गांधी ने कहा था कि सम्मान मांगने से नहीं मिलता, बल्कि सम्मान हासिल करना पड़ता है। लेकिन राहुल गांधी के मिशन बिहार से काफी कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है।

बिहार के लगातार दौरे पर जाकर राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति को समझने का प्रयास किया। अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस का प्रभारी बनाकर भेजा। लालू यादव के करीबी माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर एक दलित नेता राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद कन्हैया कुमार को 'पलायन रोको, नौकरी दो' यात्रा का चेहरा बनकर बिहार की सड़कों पर उतरने का मौका दिया। आने वाले दिनों में लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद पप्पू यादव को भी बड़ी भूमिका देने की खबरें निकल कर सामने आ रही है।

कांग्रेस के आक्रामक तेवरों को देखते हुए लालू यादव काफी हद तक असहज हो गए। उन्होंने अपने बेटे तेजस्वी यादव (जिन्हें वे पहले ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं) को पटना में 17 अप्रैल को होने वाली महागठबंधन की बैठक से पहले ही राहुल गांधी के साथ सब कुछ तय करने के लिए आनन-फानन में दिल्ली भेजा। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी के साथ बैठक की। लेकिन राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को कांग्रेस की अहमियत बताने के लिए इसको एक बड़ी बैठक बना दिया। इस बैठक में कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के अलावा राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और गुरदीप सिंह सप्पल भी मौजूद रहे। वहीं तेजस्वी यादव अपने साथ पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा और संजय यादव को लेकर गए थे।

लेकिन तेजस्वी यादव की यह दिल्ली यात्रा उनके लिए उतनी लाभदायक नहीं रही, जितनी वह उम्मीद कर रहे थे। कांग्रेस ने आरजेडी के ऑफर (यानी 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने) को सिरे से नकार दिया और पिछली बार की तरह 70 सीटों की मांग रख दी। इतना ही नहीं कांग्रेस की तरफ से यह भी कहा गया कि पिछली बार की तरह कांग्रेस कमजोर और हारने वाली सीटों को स्वीकार नहीं करेगी। सीट को लेकर विस्तार से चर्चा पटना की बैठक में होगी। वहीं मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर भी कांग्रेस ने फिलहाल अपने पत्ते खोलने से साफ इनकार कर दिया है।

दिल्ली की बैठक बेनतीजा रही, यह बैठक के बाद आए बयानों से भी साफ पता चलता है। बड़ी उम्मीदों के साथ दिल्ली आए तेजस्वी यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि,पता नहीं आप लोग क्यों चिंतित रहते हैं चेहरे के लिए। यह हम लोगों की चीजें हैं। हम लोगों की बातचीत के बाद सारी चीजें सामने आ जाएंगी। इसमें आप लोगों को परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है।

भारत में प्रतिदिन लगभग 160,000 मीट्रिक टन ठोस कचरा उत्पन्न होता है

भारत के किसी भी शहर ने कचरा प्रबंधन के विज्ञान में महारत हासिल नहीं की है। यह अनुमान लगाया गया है कि शहरी भारत 2031 तक प्रति वर्ष 107.01 मिलियन टन और 2041 तक 160.96 मिलियन टन कचरा पैदा करेगा, जो चार दशकों में कचरे के उत्पादन में लगभग पांच गुना वृद्धि दर्शाता है. 17 जनवरी, 2025 को, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 को लागू करने से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के प्रति अपनी कड़ी असहमति व्यक्त की, जिसमें कहा गया कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रतिदिन 3,000 टन ठोस कचरा अनुपचारित रहता है।

(सी.पी.राजेंद्रन)

भारतीय शहर वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े कचरा उत्पादकों में से हैं, जो सालाना लगभग 62 मिलियन टन कचरा उत्पन्न करते हैं. लगभग 43 मिलियन टन (70 प्रतिशत) एकत्र किया जाता है, लगभग 12 मिलियन का उपचार किया जाता है, और 31 मिलियन टन लैंडफिल साइटों पर निपटाया जाता है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुमान बताते हैं कि भारत में प्रतिदिन लगभग 160,000 मीट्रिक टन ठोस कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से लगभग 150,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन एकत्र किया जाता है. इस कुल कचरे में से लगभग 50त्न कचरे का उपचार किया जाता है, जबकि 18त्न कचरे को लैंडफिल में फेंक दिया जाता है. भारत एक ऐसे चरण में पहुंच गया है जहां उसे लगातार बढ़ते लैंडफिल से कचरे को हटाने के लिए संधारणीय रणनीतियों के लक्ष्य को पूरा करना होगा। उदाहरण के लिए, दिल्ली के पास गाजियाबाद में कचरे का बढ़ता हुआ संचय कुतुब मीनार की ऊंचाई तक पहुंचने का अनुमान है, जो अपशिष्ट प्रबंधन की दक्षता की कमी को दर्शाता है. भारत के किसी भी शहर ने कचरा प्रबंधन के विज्ञान में महारत हासिल नहीं की है। यह अनुमान लगाया गया है कि शहरी भारत 2031 तक प्रति वर्ष 107.01 मिलियन टन और 2041 तक 160.96 मिलियन टन कचरा पैदा करेगा, जो चार दशकों में कचरे के उत्पादन में लगभग पांच गुना वृद्धि दर्शाता है. 17 जनवरी, 2025 को, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 को लागू करने से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के प्रति अपनी कड़ी असहमति व्यक्त की, जिसमें कहा गया कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रतिदिन

3,000 टन ठोस कचरा अनुपचारित रहता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने 'दुखद स्थिति' के लिए एमसीडी की आलोचना की थी. बताया जाता है कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रतिदिन 11,000 टन से अधिक ठोस कचरा उत्पन्न होता है. इसके विपरीत, प्रसंस्करण संयंत्रों की दैनिक क्षमता केवल 8,073 टन थी, जिससे प्रतिदिन 3,000 टन से अधिक ठोस अपशिष्ट अनुपचारित रह जाता था। एक अन्य चुनौती बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन (बीएमडब्ल्यू) है, जो पारंपरिक कचरे से अलग है. जबकि भारत अपने 96 प्रतिशत बायोमेडिकल अपशिष्ट (बीएमडब्ल्यू) को संसाधित करने का दावा करता है, यह स्पष्ट नहीं है कि संघ और राज्य सरकारें गैर-अनुपालन को कैसे संबोधित करती हैं।

बायोमेडिकल अपशिष्ट नियमों को लागू करने में मुख्य रूप से सरकारी अस्पतालों के सामने आने वाली एक प्राथमिक बाधा धन की कमी है. 1990 के दशक के उत्तरार्ध में, पहले बीएमडब्ल्यू नियम की शुरूआत के बाद, भारत में भस्मक स्थापित करने में उछाल देखा गया. ये ऑपरेशन रोगाणुओं को खत्म करते हैं और रोगाणुओं को आश्रय देने वाली सामग्री को नष्ट करते हैं। हालांकि, उनके संचालन से विषाक्त पदार्थ भी उत्पन्न होते हैं, जिनमें अपूर्ण दहन और डाइऑक्सिन के उप-उत्पाद शामिल हैं, जो पर्यावरण में छोड़े जाते हैं और गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं. देश में खतरनाक अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले उद्योगों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है. साथ ही, इनमें से कई उद्योग कानून द्वारा अपेक्षित अपने अपशिष्ट सूची को ठीक से रखने में विफल रहे हैं. हम जो भी कचरा पैदा करते हैं, उसमें प्लास्टिक उत्पाद मीठे पानी, नदी के मुहाने और समुद्री पर्यावरण को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। प्लास्टिक कचरे को लैंडफिल में अन्य घरेलू ठोस कचरे के साथ निपटाया जाता है. इसके बजाय, इसे प्राथमिक स्तर पर अलग करना और इसे रीसाइकिल करने के लिए चैनल करना ज्यादा प्रभावी होगा. हालांकि, भारत के किसी भी बड़े शहर में पूरी तरह से चालू और उचित रूप से निगरानी किए जाने वाले पृथक्करण केंद्र होने का दावा नहीं किया जा सकता है।

इस कार्य के लिए नियुक्त किए गए श्रमिकों को कम वेतन दिया जाता है. वे प्रदूषण के संपर्क में रहते हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है क्योंकि वे कोई सुरक्षात्मक गियर नहीं पहनते हैं. हमें कचरे के उपचार के लिए और अधिक नवीन तकनीकी समाधान विकसित करने चाहिए; सरकार को भी तत्काल एक 'राष्ट्रीय कार्य योजना' तैयार करनी चाहिए जो ठोस कचरे के संग्रह, रीसाइकिलिंग और पुन- उपयोग दरों को बढ़ाने के उपायों को एकीकृत करती है, संभवतः मनरेगा जैसी योजना के माध्यम से। देश में कचरे से ऊर्जा बनाने की तकनीक कई सीमाओं और अनिश्चितताओं से बाधित है। दुनिया भर में कई उपचार संयंत्र प्रत्यक्ष प्रगलन जैसी अपेक्षाकृत नई प्रक्रियाओं का उपयोग करते हैं. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में, अत्याधुनिक तकनीकों, विशेष रूप से एआई का एकीकरण, अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों की दक्षता और प्रभावकारिता में क्रांतिकारी बदलाव का वादा करता है। वर्तमान में कम तापमान पर संचालित अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्र डाइऑक्सिन, फ्यूरान और विभिन्न प्रदूषकों जैसे कार्सिनोजेनिक यौगिकों के साथ-साथ राख के संभावित स्रोत बन गए हैं. भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में लेजर और प्लाज्मा प्रौद्योगिकी प्रभाग के थर्मल प्लाज्मा प्रौद्योगिकी अनुभाग के वैज्ञानिकों ने कुछ समय पहले बताया कि उन्होंने एक मध्यम-शक्ति (30 केवी) हाफनियम इलेक्ट्रोड एयर प्लाज्मा टॉर्च विकसित की है और इस तकनीक का उपयोग करके एक अनूठा एयर प्लाज्मा भस्मक बनाया है। यह तकनीक पर्यावरण में कोई हानिकारक यौगिक या अवशेष नहीं छोड़ती है. इस विधि में उच्च तापमान (5000 - 7000 डिग्री सेल्सियस तक) गैसीकरण और नियंत्रित दहन का संयोजन किया जाता है और कहा जाता है कि यह उद्योग में स्थानांतरित करने के लिए तैयार है।

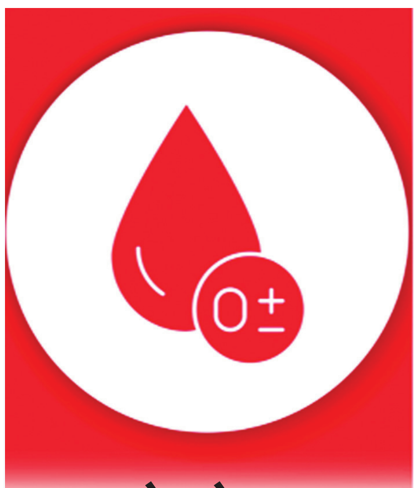

सबसे बेहतर माना जाता है ओ निगेटिव ब्लड

शरीर को सुचारू रूप से चलाने का काम खून करता है। इंसान के खून का रंग बेशक लाल है लेकिन इसके कई ग्रुप हैं और हर सभी लोगों के शरीर में अलग-अलग ग्रुप का खून पाया जा सकता है। वास्तव में आपका ब्लड टाइप क्या है, यह आपको विरासत में मिले जीनों द्वारा निर्धारित होता है। आपके खून का प्रकार कोई भी हो, आपके द्वारा डोनेट किये ब्लड किसी की जिंदगी बचाने का काम कर सकता है। जब बात यह होती है कि सबसे बढ़िया खून कौन सा होता है, तो ओ निगेटिव ब्लड को सबसे बेहतर माना जाता है। इसकी वजह यह है कि इस ग्रुप के लोग किसी को अपना खून दे सकते हैं। थोड़ी गड़बड़ी यह है कि इस समूह के लोग सिर्फ इसी ग्रुप का ब्लड ले सकते हैं। ओ निगेटिव ब्लड के लोगों को यूनिवर्सल डोनर कहा जाता है, यह खास तरह का खून है, जो किसी की भी जिंदगी बचा सकता है इसलिए इस समूह के लोगों को इसकी हिफाजत करना जरूरी है। इसके लिए आपको खाने-पीने का ध्यान रखना चाहिए। आपको अपनी डाइट में नीचे बताए खाद्य पदार्थों को जरूरी शामिल करना चाहिए।

नट्स

नट्स प्रोटीन और हेल्दी फैट का एक बड़ा स्रोत हैं। ब्लड हेल्थ को बढ़ावा देने के लिए आपको नट्स का खूब सेवन करना चाहिए। आपको रोजाना अखरोट, हेज़लनट्स और बादाम सहित कद्दू के बीज आदि का सेवन करना चाहिए।

एनिमल प्रोटीन

इस समूह के लोगों को अपनी डाइट में एनिमल प्रोटीन जरूरी शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप मांस और मछली का खूब सेवन करना चाहिए। यह चीजें आपके खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकती हैं।

डेयरी उत्पाद

ओ ब्लड ग्रुप टाइप वाले लोगो को अपने खाने में मक्खन, पनीर और सोय दूध जैसे डेयरी उत्पादों को शामिल करना चाहिए। यह चीजें न सिर्फ खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं बल्कि शरीर के लिए बढ़िया काम करती हैं।

बीन्स

टाइप ओ ब्लड वाले लोगों को बीन्स का सेवन करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि बीन्स उनकी सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। आपको ओनी डाइट में लाल फलियां, पिंटो बीन्स और ब्लैक बीन्स आदि को शामिल करना चाहिए।

साबुत अनाज

आपका ब्लड टाइप ओ पॉजिटिव हो या निगेटिव, आपको साबुत अनाज का सेवन जरूर करना चाहिए। आपको अपने खाने में चौलाई, अनाज, चावल और बाजरा को जरूर शामिल करना चाहिए।

फल-सब्जियों का सेवन

ओ ब्लड ग्रुप वाले लोगों को टमाटर, लहसुन, गोभी, भिन्डी, प्याज, अजमोद, लाल मिर्च, शकरकंद और शलजम जैसी सब्जियों का खूब सेवन करना। इनमें वो सभी पोषक तत्व होते हैं, जो खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। अगर बात करें फलों की तो आप प्लम, ड्राई प्लम, अंजीर, चकोतरा और सभी तरह की बेरीज खा सकते हैं।

शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए इन चीजों का सेवन जरूरी

विटामिन, कैल्शियम आदि पोषक तत्व की तरह आयरन शरीर के लिए जरूरी है। इसकी कमी से शरीर में भारी कमजोरी आती है और खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। आयरन बढ़ाने के लिए 6 चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए।

जिस जमीन में नमी, पोषण और ताकत नहीं होती, उसे बंजर कहते हैं। इसी तरह आयरन की कमी शरीर को बंजर बना देती है। यह बॉडी का खून, रेड ब्लड सेल्स और ऑक्सीजन कम कर देती है। आयरन डेफिशिएंसी को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाते रहने चाहिए।

आयरन की कमी से होने वाले रोग

आयरन की कमी के कारण हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स कम हो जाती हैं। जिस वजह से

ये लक्षण कर देंगे बुरा हाल

ऑस्ट्रेलिया की सरकारी हेल्थ बेवसाइट के अनुसार आयरन की कमी शरीर के लिए खतरनाक हो सकती है। जिसकी वजह से निम्नलिखित लक्षण व संकेत दिख सकते हैं।

- हमेशा थकावट रहना
- सांस फूलना
- सिर घूमना
- खून की कमी
- रंग पीला पड़ना
- हाथ-पैर ठंडे होना
- जीभ में सूजन आना
- बार-बार इंफेक्शन होना
- इम्यून सिस्टम की कमजोरी
- बच्चों का विकास रुकना
- भूख ना लगना
- कमजोर नाखून, आदि

एनीमिया यानी खून की कमी का खतरा बढ़ जाता है। यह दिक्कत महिलाओं को सबसे ज्यादा होती है। इसलिए सरकारी स्कूलों में बचपन से ही लड़कियों को आयरन की गोली खिलाई जाती है। शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए 6 उपाय हैं। इन 6 खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। जो कि आयरन की गोली खाने की नौबत नहीं आने देंगे। आइए पहले आयरन कम होने के लक्षण जानते हैं।

आयरन बढ़ाने के उपाय

इन 6 फूड्स को आयरन का भंडार बताया है। इन वेज फूड को डाइट में शामिल करने के बाद आयरन कम होने का खतरा काफी कम हो जाता है। इसके लिए आप राजगिरा (चौलाई), रागी, किशमिश, दाल, सोयाबीन, करी पत्ता का सेवन बढ़ाएं।

किसमें कितना आयरन?

- 25 ग्राम राजगिरा में 2.8 मिलीग्राम आयरन
- 20 ग्राम रागी में 1.2 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम किशमिश में 0.7 मिलीग्राम
- 30 ग्राम दाल में 6.6 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम सोयाबीन में 2.4 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम करी पत्ता में 0.87 मिलीग्राम

इस वजह से भी कम हो सकता है आयरन

खून बहना, पर्याप्त पोषण ना मिलना आदि कारणों से आयरन डेफिशिएंसी होती है। लेकिन कई बार इसके पीछे आयरन का खराब अवशोषण भी होता है। मतलब आप आयरन देने वाली चीजें खा तो रहे हैं, लेकिन शरीर उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है।

आयरन का इस्तेमाल बढ़ाने के तरीके

- आयरन फूड के साथ विटामिन-सी देने वाले फूड भी खाएं
- खाने के बाद कॉफी और चाय पीने से बचें
- अनाज को खाने से पहले पानी में भिगोएं, अंकुरित और फर्मेंट करें
- लोहे की कढ़ाई या पैन में खाना बनाएं
- लाइसीन अमिनो एसिड और आयरन देने वाला क्विनोआ और फलियां खाएं

इन लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है

ब्रेन स्ट्रोक में दिमाग की नस फट जाती है। लेकिन इससे काफी पहले छोटा अटैक दिख सकता है। जिसके लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

जब दिमाग की कोई नस ब्लॉक हो जाती है तो ब्रेन स्ट्रोक आता है। यह एक जानलेवा स्थिति है, जिसमें समय पर इलाज ना मिलने पर मौत हो सकती है। लेकिन क्या आप मिनी ब्रेन स्ट्रोक के बारे में जानते हैं। जो कि बड़े अटैक से काफी वक्त पहले दिख सकता है। इसके लक्षण हल्के होते हैं, जिन्हें वक्त पर पहचानकर बड़े अटैक से बच सकते हैं। इसे मिनी ब्रेन स्ट्रोक या ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक भी कहते हैं।

दिमाग का छोटा अटैक कब आता है?

ब्रेन स्ट्रोक की तरह छोटा अटैक भी दिमाग की नस ब्लॉक होने से आता है। इसकी वजह से दिमाग को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाती है। लेकिन ये डैमेज परमानेंट नहीं होती है और 24 घंटे में खुद ही ठीक हो जाती है। मगर इसके लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

पैरालिसिस या स्ट्रोक से कैसे बचें?

- शरीर के एक तरफ पर चेहरे, हाथ या पैर में सुन्नपन या कमजोरी
- अचानक कंफ्यूजन आना
- अचानक बोलने में दिक्कत आना
- अचानक देखने में दिक्कत
- अचानक शारीरिक संतुलन खो जाना
- अचानक चलने में दिक्कत आना
- चक्कर आना
- अकारण तेज और गंभीर सिरदर्द
- निगलने में कठिनाई
- चेहरे की मांसपेशियां गिरना

24 घंटे में गायब हो जाते हैं लक्षण

नसों में ब्लड क्लॉट जमने से मिनी स्ट्रोक पड़ता है। जिससे खून पूरी आजादी के साथ घूम नहीं पाता है। लेकिन ये ब्लड क्लॉट छोटे और अस्थाई होते हैं और कुछ ही देर में वापस घुल जाते हैं। लेकिन इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

मिनी स्ट्रोक से बचने के टिप्स

- धूम्रपान और शराब का सेवन बंद कर दें।
- ताजे फल, सब्जी और साबुत अनाज का सेवन करें।
- शरीर का वजन कंट्रोल रखें।
- नियमित एक्सरसाइज करें।
- फैट का सेवन कम कर दें।
- टाइप 2 डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई बीपी जैसी बीमारियों की दवा लेते रहें।

स्ट्रोक से बचाने वाली डाइट

- ब्रेन स्ट्रोक से बचने के लिए लो फैट, कम नमक के साथ हाई फाइबर डाइट लेनी चाहिए। जिसके लिए आप इन फूड्स को खा सकते हैं।
- नाशपाती, स्ट्रॉबेरी, एवोकाडो, सेब, केला, गाजर, चुकंदर, ब्रोकली, पालक, टमाटर, दालें, राजमा, छोले, क्विनोआ, ओट्स, बादाम, चिया सीड्स, शकरकंद

यूरिक एसिड बढ़ने से हो सकती है किडनी की पथरी की समस्या

शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने से आपको गाउट या किडनी की पथरी की समस्या हो सकती है, इस अपशिष्ट पदार्थ को बाहर निकालने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक तरीके आजमा सकते हैं, जो असरदार हैं।

यूरिक एसिड बढ़ना एक आम समस्या बनती जा रही है. शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक होने से हाइपरयुरिसीमिया या गाउट की बीमारी हो सकती है। बढ़ा हुआ यूरिक एसिड जोड़ों में गंभीर सूजन और दर्द पैदा कर सकता है। यह किडनी की पथरी का भी कारण बन सकता है। प्यूरीन नामक रसायन के टूटने से यूरिक एसिड निकलता है। प्यूरीन मानव शरीर में पहले से मौजूद होता है। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में भी यह रसायन होता है। वैसे तो यूरिक एसिड किडनी द्वारा फिल्टर होकर पेशाब के जरिए बाहर निकल जाता है लेकिन जब इसका लेवल ज्यादा हो जाता है, तो यह जोड़ों में इकट्ठा हो जाता है और परेशानी पैदा करता है।

यूरिक एसिड कैसे कम करें?

यूरिक एसिड कम करने के लिए कई दवाएं और मेडिकल ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं लेकिन आप कुछ गाउट या यूरिक एसिड के लिए आयुर्वेदिक उपचार भी आजमा सकते हैं।

आयुर्वेदिक उपचार त्रिफला

आयुर्वेद की तीन शक्तिशाली जड़ी बूटियों भीभीतकी, हरीतकी और आंवला से मिलकर बना त्रिफला यूरिक एसिड का बढ़िया उपचार है। इसके एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण इसे मजबूत औषधि बनाते हैं। इसके लिए आप सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी के साथ एक चम्मच त्रिफला पाउडर ले सकते हैं।

गाउट का आयुर्वेदिक उपचार- हल्दी

लगभग सभी आयुर्वेद दवाओं में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें करक्यूमिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। हल्दी गठिया का असरदार इलाज है। सूजन और दर्द को कम करने के लिए प्रभावित हिस्से में हल्दी का पेस्ट लगाया जा सकता है, फायदा मिलेगा।

यूरिक एसिड की रामबाण दवा है अदरक

गाउट या गठिया के रोगियों के लिए निर्धारित हर्बल दवाओं में अदरक मिलाया जाता है। इसमें हाई यूरिक एसिड को कम करने के ताकत होती है। यूरिक एसिड कम करने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आपको अपने खाने और चाय में अदरक का इस्तेमाल करना चाहिए।

यूरिक एसिड का घरेलू इलाज है गिलोय जड़ी बूटी

गिलोय को मूल रूप से एक ज्वरनाशक जड़ी बूटी कहा जाता है। इसे शरीर में एक्स्ट्रा यूरिक एसिड को बेअसर करने के लिए जाना जाता है। यूरिक एसिड लेवल कम करने के लिए आप एक्सपर्ट की सलाह पर गिलोय जूस ले सकते हैं या इसका पाउडर इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूरिक एसिड की दवा है नीम

नीम को सदियों से औषधीय पौधा माना जाता रहा है। नीम में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो इसे गाउट के उपचार के लिए एक बढ़िया जड़ी बूटी बनाते हैं। अगर आप यूरिक एसिड के मरीज हैं, तो दर्द और सूजन कम करने के लिए प्रभावित हिस्से पर नीम का पेस्ट लगाएं।

सोना उछाल के साथ 100000 के बेहद करीब पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। शादियों के सीजन के बीच सोने की चमक तेज होती ही जा रही है। ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच आज 17 अप्रैल को सर्राफा बाजारों सोना 100000 रुपये के बेहद करीब पहुंच गया है। 24 कैरेट गोल्ड आज 95207 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। सोने के भाव में आज 628 रुपये की उछाल है। जबकि, चांदी 1036 रुपये टूटकर 95639 रुपये पर आ गई है। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोने का भाव अब 98063 रुपये और चांदी के दाम 98508 रुपये हो गया है।

बता दें सर्राफा बाजार के रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं, जिनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

सोने में तेजी के कारण- केडिया कमोडिटिज के प्रेसीडेंट अजय केडिया के मुताबिक अभी जो सोने में तेजी दिखई दे रही है, वह ट्रंप के टैरिफ वॉर की वजह से है। ग्लोबल मार्केट में

आर्थिक मंदी के संकेत दिखाई दे रहे हैं। ट्रेड वॉर बढ़ रहा है और जियो पॉलिटिकल टेंशन कम होने का नाम नहीं ले रहे। केंद्रीय बैंकों की खरीदारी भी जारी है। ईटीएफ में भी खरीदारी की वजह से सोने ने अच्छी-खासी तेजी दिखाई है।

क्या सोने के भाव गिरने की है कोई उम्मीद- सोना क्या ऐसे ही चढ़ता रहेगा इस सवाल पर केडिया ने हिन्दुस्तान को बताया, सोना टाइम करेक्शन लेगा। मार्केट अभी छह से आठ महीने एक दायरे में रहेगा। क्योंकि, पिछले 20 सालों में कभी भी सोने में 10 पर्सेंट से अधिक करेक्शन नहीं हुआ है। अगले अक्षय तृतीया तक सोना अगर गिरा तो 78000 से 80000 तक आएगा और ऊपर की ओर 102000 रुपये पर पहुंच सकता है।

गोल्ड को लंबे समय के लिए होल्ड करना फायदेमंद- एचएसजे लखनऊ के डायरेक्टर अंकुर आनंद ने बताया, शेयर बाजार में जब भी उथल-पुथल का दौर होता है तो गोल्ड में इन्वेस्टमेंट हमेशा सुरक्षित निवेश के तौर पर देखा जाता है। वर्तमान समय में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव को देखते हुए लोगों का सोने की खरीदारी और इन्वेस्टमेंट को लेकर रुझान बढ़ा है। गोल्ड लंबे समय से बेहतर रिटर्न दे रहा है। गोल्ड को लंबे समय के लिए होल्ड करना फायदेमंद साबित होता है और गोल्ड रेट के बढ़ने के बाद भी आगे भी इसमें निवेश करना निवेशकों के लिए मुनाफे का सौदा होगा।

बढ़ती कीमतों के बीच सोने की सतर्क खरीदारी- ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के डायरेक्टर वैभव सराफ सोने की उछलती कीमत और ग्राहकी पर पड़ रहे असर के बारे में बताते हैं, शादियों के इस सीजन में ग्राहकों द्वारा सोना खरीदा जा रहा है, लेकिन बढ़ती कीमतों के कारण मांग प्रभावित हो रही है। ग्राहक खरीदारी तो कर रहे हैं, लेकिन ऊंची कीमतों की वजह से वे सतर्कता बरत रहे हैं।

खरीदारी को एडजस्ट कर रहे ग्राहक

ग्राहक ऊंची कीमतों के अनुसार अपनी खरीदारी को एडजस्ट कर रहे हैं वे जरूरी चीजें या छोटे सोने के आइटम खरीद रहे हैं। कुछ ग्राहक हीरे के जेवरात भी पसंद कर रहे हैं, क्योंकि यह समान बजट में एक बेहतर सामाजिक स्टेटस भी देता है। जब तक सोने की कीमतें स्थिर नहीं होती, यह सतर्कता जारी रह सकती है।

उद्योग की प्रतिक्रिया

वैभव ने बताया, बढ़ती सोने की कीमतों के प्रभाव को कम करने के लिए, हम कम गोल्ड रेट ऑफर चला रहे हैं, जिससे ग्राहकों को राहत मिले और उनका विश्वास बढ़े। यह प्रोमोशन खरीदारी को प्रोत्साहित करने और सेल्स बढ़ाने में मदद करेगा।

उद्योग पर प्रभाव

ज्वैलरी रिटेलर्स को सतर्क खरीदारी के कारण सेल्स ग्रोथ धीमी हो सकती है। हालांकि, सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व के कारण सोने के ज़ेवरात की मांग अभी भी मजबूत है।

आगे की संभावना

सोने की कीमतों की दिशा ग्राहकों के व्यवहार को प्रभावित करेगी। अगर कीमतें स्थिर हो जाती हैं या कम होती हैं, तो मांग बढ़ सकती है। तब तक सतर्क खरीदारी जारी रहने की संभावना है।

विजय केडिया की चेतावनी, अभी भी कई जेनसोल डुबोएंगी पैसे

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट के दिग्गज निवेशक विजय केडिया ने कहा है कि अभी भी कई कंपनियां ऐसी हैं, जो जेनसोल इंजीनियरिंग की तरह निवेशकों का पैसा डुबो सकती हैं। केडिया के मुताबिक, ऐसी कंपनियों में पहले से ही कुछ संकेत (रेड फ्लैग्स) दिखाई देते हैं, जिन्हें पहचानकर निवेशक बड़े नुकसान से बच

सकते हैं। उन्होंने निवेशकों को सावधान रहने की सलाह दी है। केडिया ने कहा, अभी भी कई जेनसोल अलमारी में छुपे हुए हैं, जो समय आने पर गिरेंगे। उम्मीद है, तब तक बहुत देर नहीं हो चुकी होगी।

बता दें जून 2024 में सेबी के पास जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी, जिसमें शेयर की कीमतों में हेराफेरी और कंपनी के फंड्स के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया गया था। सेबी की जांच में पता चला कि प्रमोटर-निदेशक अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी ने कंपनी के पैसे को अपने फायदे के लिए गलत तरीके से इस्तेमाल किया, जैसे कंपनी उनकी अपनी दुकान हो। पिछले 6 महीने में जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर में 85 प्रतिशत की गिरावट आई है।

सियाम के आंकड़ों में ईवी पंजीकरण में दिखा उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। यूटिलिटी गाड़ियों की मजबूत मांग से देश में यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री बीते वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 43,01,848 इकाई पहुंच गई। 2023-24 में कुल 42,18,750 यात्री वाहन बिके थे।

इस अवधि में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का पंजीकरण बढ़कर 19.7 लाख पहुंच गया, जो 2023-24 के 16.8 लाख इकाइयों की तुलना में 16.9 फीसदी अधिक है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, यूटिलिटी वाहनों ने बिक्री में वृद्धि को गति देना जारी रखा है। 2024-25 में कुल यात्री वाहनों की थोक बिक्री में इनकी हिस्सेदारी बढ़कर 65 फीसदी पहुंच गई, जो 2023-24 में 60 फीसदी थी। बीते वित्त वर्ष कुल 27,97,229 यूटिलिटी वाहन बिके, जो 2023-24 के 25,20,691 इकाइयों के मुकाबले 11 फीसदी अधिक है। सियाम के मुताबिक, 2024-25 में देश से रिकॉर्ड 7.7 लाख से अधिक यात्री वाहनों का निर्यात किया गया। यह वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 15 फीसदी वृद्धि को दर्शाता है। निर्यात में यह वृद्धि देश में निर्मित होने वाले वैश्विक मॉडल की मांग से प्रेरित रही।यात्री वाहनों की थोक बिक्री मार्च, 2025 में सालाना आधार पर चार फीसदी बढ़कर 3,81,358 इकाई पहुंच गई। इस दौरान 16.56 लाख से अधिक दोपहिया और 62,813 तिपहिया वाहनों की बिक्री हुई।

मेक इन इंडिया वाहनों की मांग- सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, ग्रामीण मांग और उपभोक्ता विश्वास में सुधार से क्षेत्र को उबरने में मदद मिल रही है। अफ्रीका और पड़ोसी देशों जैसे प्रमुख बाजारों में निर्यात मांग जारी रहने की संभावना है, क्योंकि मेड इन इंडिया वाहनों का चलन बढ़ रहा है।

18 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी गिरवी, रिलायंस को बिजनस की बिक्री...

टाटा की नाक में किसने कर रखा है दम

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबे शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप ने एक बार फिर टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की लिस्टिंग की वकालत की है। इसके लिए उसने आरबीआई से मदद मांगी है। इकनॉमिक टाइम्स की एक खबर के मुताबिक एसपी ग्रुप ने केंद्रीय बैंक से इस बारे में औपचारिक अनुरोध किया है। ग्रुप का कहना है कि टाटा संस की लिस्टिंग से सभी स्टेकहोल्डर्स को फायदा होगा। ग्रुप के पास टाटा संस में 18.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है और वह कंपनी में सबसे बड़ा माइनोरिटी स्टेकहोल्डर है। एसपी ग्रुप पर काफी कर्ज है और वह इसे चुकाने के लिए काफी संघर्ष कर

रहा है। टाटा संस ने अपर लेयर कोर इनवेस्टमेंट कंपनी के तौर पर अपना रजिस्ट्रेशन कैंसल कराने का अनुरोध किया है। लेकिन एसपी ग्रुप का कहना है कि टाटा संस ने इस बारे में उसने नहीं बताया। उसका कहना है कि ऐसे अहम फैसले पर चर्चा में उसे शामिल किया जाना चाहिए था।

आरबीआई और एसपी ग्रुप के प्रवक्ताओं ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सितंबर 2022 में आरबीआई ने टाटा संस को अपर लेयर नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया था। उसे सितंबर 2025 तक शेयर बाजार में लिस्ट होना होगा। आरबीआई भी टाटा संस के रजिस्ट्रेशन रद्द करने के आवेदन पर विचार कर रहा है। साथ ही वह लिस्टिंग से छूट देने के अनुरोध पर भी विचार कर रहा है। टाटा संस ने 2024 में आरबीआई को एक आवेदन दिया था। इसमें उन्होंने एनबीएफसी-यूएल नियमों के तहत सीआईसी के रूप में अपना रजिस्ट्रेशन रद्द करने की बात कही थी।

कर्ज चुकाने का जुगाड़

एसपी ग्रुप देश के सबसे पुराने औद्योगिक घरानों में से एक है। हाल के वर्षों में उसे वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उस पर बहुत अधिक कर्ज है जबकि नकदी की कमी है। इस ग्रुप का कारोबार कंस्ट्रक्शन, रियल एस्टेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। कोविड-19 महामारी के दौरान उनकी वित्तीय स्थिति और खराब हो गई। महामारी के कारण उसके कारोबार और नकदी प्रवाह में बाधा आई।

कर्ज कम करने के लिए ग्रुप अपनी कुछ एसेट्स बेच रहा है। इसमें यूरेका फोर्ब्स में अपनी अधिकांश हिस्सेदारी की बिक्री, स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर की रिलायंस इंडस्ट्रीज को बिक्री, अफकॉन्स इन्फ्रा की लिस्टिंग, गोपालपुर पोर्ट की बिक्री और रियल एस्टेट संपत्तियों का मॉनीटाइजेशन शामिल है। एसपी ग्रुप ग्लोबल बैंकों और क्रेडिट फंडों से 3.3 अरब डॉलर जुटा रहा है। एसपी ग्रुप ने टाटा संस में अपनी पूरी 18.37 प्रतिशत हिस्सेदारी को प्राइवेट क्रेडिट फंडों से फंडिंग जुटाने के लिए गिरवी रख दिया है।

तीन साल में भारतीय अर्थव्यवस्था जर्मनी और जापान से बड़ी हो जाएगी, बोले नीति आयोग के सीईओ

नईदिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने गुरुवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले तीन साल में जर्मनी व जापान से बड़ी हो जाएगी। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है।

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत दुनिया के लिए शिक्षा का केंद्र बन सकता है, क्योंकि अन्य सभी चीजों को अलग रखते हुए हमारे देश का सबसे बड़ा लाभ इसका लोकतंत्र है। उन्होंने कहा, फिलहाल भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगले साल के अंत तक हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे। उसके बाद के वर्ष में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे।

आईएमएफ के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था का आकार

वर्तमान में 4.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा, हम तीन साल में जर्मनी और जापान से भी बड़े हो जाएंगे। 2047 तक हम दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) हो सकते हैं।

सुब्रह्मण्यम ने कानूनी फर्मों और लेखा फर्मों सहित भारतीय कंपनियों से विश्व में अग्रणी बनने की आकांक्षा रखने की बात कही। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि मध्यम आय वाले देशों की समस्याएं निम्न आय वाले देशों की समस्याओं से बहुत भिन्न हैं।

उन्होंने कहा, इसका संबंध गरीबों को भोजन कराने या नंगे लोगों को कपड़े पहनाने से नहीं है। इसका संबंध इस बात से है कि आप ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था कैसे बनें। सुब्रह्मण्यम ने बताया कि दुनिया ने कभी ऐसी स्थिति नहीं देखी है जहां जनसंख्या घटेगी। उनके अनुसार, जापान 15,000 भारतीय नर्सों को ले रहा है, जर्मनी 20,000 स्वास्थ्य कर्मियों को ले रहा है, क्योंकि उनके पास लोग नहीं हैं, और वहां पारिवारिक व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गई हैं। उन्होंने कहा, भारत विश्व भर में कामकाजी आयु वर्ग के लोगों का एक स्थिर आपूर्तिकर्ता होगा...यह हमारी सबसे बड़ी ताकत होगी।

कैशलेस इलाज के लिए 1 घंटे में मिल जाएगी मंजूरी, 3 घंटे में अंतिम सेटलमेंट भी जरूरी

मुंबई। हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम और कैशलेस मंजूरी में देरी से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को जल्द इससे राहत मिल सकती है। केंद्र सरकार स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के लिए कैशलेस मंजूरी अनुरोध को एक घंटे के भीतर और अंतिम क्लेम सेटलमेंट को तीन घंटे के भीतर अनिवार्य करने की योजना बना रही है। यह जानकारी मामले से जुड़े दो अधिकारियों ने दी।

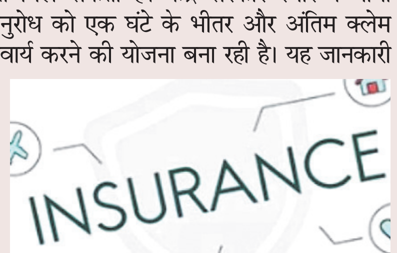

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इंश्योरेंस सेक्टर के लिए भारतीय मानक ब्यूरो जैसे मानकों को लागू करने पर विचार किया जा रहा है, ताकि बीमा उद्योग के संचालन को सुव्यवस्थित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक सभी नागरिकों को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाए। किफायती बीमा की घोषणा भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने नवंबर 2022 में की थी।

कई मामलों में 100 फीसदी क्लेम खारिज किए- हालांकि, इरडा ने पहले ही 2024 में क्लेम के तेजी से सेटलमेंट के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे, लेकिन इनकी बढ़ती संख्या के कारण बीमा कंपनियां इन नियमों का पालन करने में विफल रही हैं। अधिकारी ने कहा कि कई मामलों में बीमा कंपनियों ने 100 प्रतिशत कैशलेस क्लेम को खारिज या रिजेक्ट किया है।

सभी अस्पतालों में एक जैसा फॉर्म होगा

इसके अलावा, इंश्योरेंस क्लेम और आवेदन पत्रों को सरल और समझने योग्य बनाने के लिए एक पेशेवर एजेंसी की मदद से मानकीकृत प्रारूप तैयार करने की भी योजना है। इससे बीमाकर्ता समय पर और पूरी राशि का भुगतान कर सकेंगे।

क्या है तैयारी

सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज के जरिए इंश्योरेंस क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और इरडा के साथ मिलकर नए निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। यह एक डिजिटल मंच है, जो स्वास्थ्य बीमा दावों की प्रक्रिया को मानकीकृत करता है। जुलाई 2024 तक, 34 बीमा कंपनियां और टीपीए इस मंच पर सक्रिय थे। 300 अस्पताल इसमें शामिल होने की प्रक्रिया में हैं।

एफवाय2025 के धांसू शेयर जिसने निवेशकों की खूब कमाई कराई

मुंबई, एजेंसी। वित्तीय वर्ष 2024-25 का समापन हो गया है। इस दौरान एनएसई 100 में कुछ कंपनियों ने कमाल का प्रदर्शन किया। इन कंपनियों ने अपने निवेशकों को खूब फायदा पहुंचाया। इनमें वेदांता, डिवीज़ लेबोरेटरीज, बजाज होल्डिंग्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स , इंडिगो, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियां शामिल हैं। इस रिटर्न में शेयर की कीमत में बढ़ोतरी और डिविडेंड (मुनाफे का हिस्सा) दोनों शामिल हैं। इसे टोटल शेयरहोल्डर रिटर्न कहते हैं।

बीते वर्ष निवेशकों की झोली भरने में वेदांता सबसे आगे रही। वेदांता ने एफवाय25 में 87 प्रतिशत का टीएसआर दिया। इसका मतलब है कि जिसने भी वेदांता के शेयर में पैसे लगाए, उसे 87 प्रतिशत का फायदा हुआ। वेदांता के शेयर की कीमत 70 प्रतिशत बढ़ गई। साथ ही, कंपनी ने 11.8 प्रतिशत का डिविडेंड भी दिया। डिवीज़ लेबोरेटरीज 69 प्रतिशत के टीएसआर के साथ दूसरे नंबर पर रही। बजाज होल्डिंग्स, बीईएल और इंडिगो ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इन कंपनियों का टीएसआर क्रमशः 52 प्रतिशत, 51 प्रतिशत और 44 प्रतिशत रहा।

टीएसआर कैसे निकालते हैं- टीएसआर निकालने के लिए, कंपनी के शेयर की कीमत में बदलाव और दिए गए डिविडेंड को जोड़ते हैं।

फिर, इसे शेयर की शुरुआती कीमत से भाग देते हैं। आसान भाषा में कहें तो, टीएसआर बताता है कि किसी कंपनी के शेयर में पैसे लगाने पर कितना फायदा हुआ।

मेटल सेक्टर में सबसे आगे वेदांता- बीते साल वेदांता ने टीएसआर में अपने सेक्टर की दूसरी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है। मेटल एंड माइंस सेक्टर में जेएसडब्ल्यू स्टील (29 प्रतिशत), हिंडाल्को (22 प्रतिशत), जिंदल स्टील (8 प्रतिशत) और टाटा स्टील (1 प्रतिशत) जैसी कंपनियों का प्रदर्शन वेदांता से कम रहा। वेदांता के अच्छे प्रदर्शन का कारण है कंपनी का मजबूत बैलेंस शीट, ज़रूरी चीजों के उत्पादन में आगे रहना, उत्पादन में कुशलता और महत्वपूर्ण खनिजों की बढ़ती मांग।

डिमर्जर की चल रही है प्रक्रिया- वेदांता अपनी कंपनियों को अलग-अलग करने की योजना बना रही है। इस योजना को शेयरधारकों और कर्जदाताओं से 99 प्रतिशत से ज़्यादा की मंजूरी मिल गई है। इस खबर से भी निवेशकों का भरोसा बढ़ा। वेदांता का मानना है कि कंपनियों को अलग करने से हर कंपनी अपने सेक्टर पर ध्यान दे पाएगी और बेहतर प्रदर्शन कर पाएगी। इससे भारत के विकास को भी फायदा होगा।

उत्पादन क्षमता भी बढ़ रही है

वेदांता अपनी उत्पादन क्षमता भी बढ़ा रही है। बाल्को स्मेल्टर का विस्तार लगभग पूरा हो गया है। उम्मीद है कि एफवाय26 की पहली तिमाही में यह शुरू हो जाएगा। जिंक इंडिया में, 160,000 टन प्रति वर्ष की क्षमता वाला रोस्टर और 510,000 टन प्रति वर्ष की क्षमता वाला उर्वरक संयंत्र एफवाय26 की चौथी तिमाही तक शुरू होने की उम्मीद है। जिंक इंटरनेशनल के विस्तार का दूसरा चरण भी एफवाय26 में पूरा होने वाला है।

डिवीज को भी उम्मीद

डिवीज़ लेबोरेटरीज को उम्मीद है कि उसे बाजार में ज़्यादा हिस्सेदारी मिलेगी। साथ ही, कुछ महत्वपूर्ण दवाओं के पेटेंट खत्म होने से भी उसे फायदा होगा। इंडिगो भारत में हवाई यात्रा के बाजार में सबसे आगे है। इस वजह से इंडिगो ने भी अच्छा रिटर्न दिया।

ट्रेड वॉर वाले माहौल में इकोनॉमी के लिए बुरी खबर, फिच ने घटाया जीडीपी ग्रोथ अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रेड वॉर के माहौल का नुकसान भारत को उठाना पड़ सकता है। इस वजह से देश की इकोनॉमी सुस्त रहने का अनुमान है। ग्लोबल एजेंसी- फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है।

क्या कहा फिच रेटिंग- रेटिंग एजेंसी फिच ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य (जीईओ) के अपने विशेष तिमाही अपडेट में कहा- अमेरिकी व्यापार

नीति के बारे में पूरे विश्वास के साथ कुछ भी कहना मुश्किल है। व्यापक स्तर पर नीति अनिश्चितता, व्यापार निवेश की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रही हैं। शेयर की कीमतों में गिरावट से घरेलू संपत्ति कम हो रही है और अमेरिकी निर्यातकों को जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। फिच ने मार्च के अपने जीईओ में 2025 के विश्व वृद्धि अनुमानों में 0.4 प्रतिशत की कटौती की। चीन और अमेरिका के वृद्धि अनुमान को 0.5 प्रतिशत घटाया।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अनुमान

रेटिंग एजेंसी ने भारत के संदर्भ में वित्त वर्ष 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को घटाकर क्रमशः 6.2 प्रतिशत और 6.4 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत पर बरकरार रखी है। फिच के अनुमानों के अनुसार, अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर 2025 तक 1.2 प्रतिशत पर सकारात्मक रहने की उम्मीद है। चीन की वृद्धि दर इस वर्ष और अगले वर्ष चार प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है, जबकि यूरोक्षेत्र में वृद्धि एक प्रतिशत से काफी नीचे बनी रहेगी।

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में हो रही शिवा राजकुमार की एंट्री

नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बन रही फिल्म जेलर 2 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। रजनीकांत की इस फिल्म की शूटिंग चल रही है। अब इसमें ये अपडेट आ रही है कि पिछले भाग के एक धमाकेदार एक्टर की एंट्री हो रही है, जिसकी आधिकारिक पुष्टि हुई है।

कन्नड़ सुपरस्टार शिवा राजकुमार इस समय अपनी आगामी फिल्म 45 के प्रचार में व्यस्त हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान अभिनेता ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि उन्हें जेलर फिल्म से काफी लोकप्रियता मिली। आगे बातचीत में अभिनेता ने कहा कि एक बार फिर से वह जेलर 2 में नजर आएंगे। वह जल्दी ही शूटिंग में शामिल होंगे, क्योंकि फिल्म की शूटिंग चल रही है। इसके अलावा अभिनेता ने फिल्म के पहले भाग में कैमियो के तौर अपने आपको याद किया और उसे उत्कृष्ट बताया। उन्होंने आगे बातचीत में कहा कि रजनीकांत ने उनसे इस भूमिका के बारे में पूछा और उन्होंने तुरंत हां कर दिया था। शिव राजकुमार ने जेलर को हिट बनाने में कैमरामैन और निर्देशक सहित सभी क्रू मेंबर्स का धन्यवाद किया।

शूटिंग की रफ्तार तेज

जेलर की अपार सफलता के बाद 'जेलर 2' की शूटिंग शुरू हो गई है। इस समय केरल में फिल्म की शूटिंग चल रही है। बीते दिनों रजनीकांत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें यह देखा गया कि उनका केरल पहुंचते ही शानदार स्वागत किया गया था।

शूटिंग के लिए रजनीकांत गुरुवार को ही कोयंबटूर पहुंचे है, जहां जानकारी मिली की अगले 20 दिनों तक यहां शूटिंग होगी। सन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म की शूटिंग सबसे पहले चेन्नई में शुरू हुई थी और अब यह केरल के खूबसूरत लोकेशन्स में आगे बढ़ रही है।

एक नजर फिल्म की ओर

जेलर 2 रजनीकांत की ही फिल्म जेलर का दूसरा भाग है। उस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। फिल्म में एक बार फिर से अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत सुनने को मिलेगा। वहीं, फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार कर रहे हैं। फिल्म सिनेमाघरों में कब तक दस्तक देगी इस बात का अभी आधिकारिक एलान नहीं किया गया है।

हॉरर फिल्म ऑफर होने पर क्या था सोहा का रिएक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान ने हाल ही में बातचीत की। इस मुलाकात में उन्होंने अपनी साथी कलाकार नुसरत भरुचा की टांग खिंचाई भी की। एक्ट्रेस ने बताया कि नुसरत सेट पर उनके लिए किस तरह की होस्ट रहीं। इसके साथ ही सोहा ने अपने करियर और किरदार के चुनाव पर भी चर्चा की।

आप अट्रैक्ट भी होंगे और डरेंगे भी

हॉरर फिल्म छोरी 2 में सोहा ने दासी मां का किरदार निभाया है। फिल्म में वो सभी को डराती भी नजर आएंगी। हमने सोहा से पूछा कि जब उन्हें फिल्म ऑफर हुई तो उनका फर्स्ट रिएक्शन क्या था? क्या उन्होंने डायरेक्टर से पूछा कि मैं इतनी क्यूट हूं मुझे इस किरदार के लिए क्यों अप्रोच कर रहे हैं?

इस पर सोहा ने कहा, 'मैंने सोचा जरूर, लेकिन पूछा इस तरह से नहीं। मैंने निर्देशक से पूछा कि आपने मेरे बारे में कैसे सोचा? क्योंकि ये थोड़ा अलग है। मैंने इस तरह का रोल कभी नहीं किया है। उन्होंने कहा अब तक जो हॉरर फिल्में बनी हैं। जो किरदार रहा है चुड़ैल का भूतनी का वो एक किस्म का रहा है। स्टीरियोटाइप रहा है। हम इस बार हॉरर को थोड़ा खूबसूरत रूप में दिखाना चाहते हैं। जो बहुत खूबसूरत तो नहीं, लेकिन उसमें कुछ है, जो आपको अट्रैक्ट भी करता है और आप उससे डरते भी हैं।

लोगों को डराना अच्छा लगता है

सोहा ने आगे बताया, कॉन्सेप्ट के तौर पर मुझे ये बहुत आकर्षक लगा। जिस तरह से वह दासी मां का किरदार दिखाना चाहते थे, जो मेरे ख्याल से काफी आकर्षक है। मैं समझ गई कि जब लोग मुझे पोस्टर और ट्रेलर में ऐसे देखेंगे, तो उन पर कुछ प्रभाव पड़ेगा। बतौर एक्टर मेरे लिए यह चुनौतीपूर्ण रहेगा। बाकी हां, मुझे लोगों को डराना अच्छा लगता है और कभी-कभी मैं घर पर भी ऐसा करती हूं।

लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी

लंबे वक्त बाद वापसी कर रहे हैं। क्या आप किसी खास किरदार के इंतजार में थे? यह पूछा जाने पर अभिनेत्री ने कहा, 'नहीं, मैंने ऐसा नहीं सोचा था कि मैं दासी मां के रोल से ही कमबैक करूंगी। मुझे कंटेंट में रुचि है, चाहे वो शो हो या फिल्म हो। इस दौरान मैंने दो वेब शो किए, जो मुझे पसंद थे। फिर मैंने ये फिल्म की, क्योंकि बतौर एक्टर मुझे इसमें रुचि थी। मुझे 'छोरी 2' का हिस्सा बनने में इसलिए भी इंट्रेस्ट था, क्योंकि 'छोरी' मुझे पसंद आई थी। मैं परफॉर्मेंस बेस्ड फिल्मों की सराहना करती हूं। मुझे विशाल सर पर विश्वास था कि वो मुझसे वो परफॉर्मेंस निकाल पाएंगे, जो शायद मैं नहीं कर पा रही हूं।

नुसरत भरुचा को लेकर कहा?

सोहा इस फिल्म के सेट पर नई थीं जबकि नुसरत भरुचा इस फिल्म के फर्स्ट पार्ट में लीड रोल में थीं। सोहा से जब पूछा गया कि नुसरत ने उन्हें सेट पर किस तरह होस्ट किया? कहीं उन्हें परेशान तो नहीं किया? जवाब में नुसरत की टांग खिंचाई करते हुए एक्ट्रेस ने कहा- क्या बताऊं मैं ? जब आप किसी फिल्म के सीक्वल में एंट्री करते हैं तो कई तरह के चैलेंज होते हैं। यह एक दम नए स्कूल या नई क्लास में जाने जैसा है जहां बाकी सबकी अपनी-अपनी ट्विनिंग है और आप एकदम नए हैं।' सोहा ने आगे कहा, 'एक तो मुझे लोगों से मिलना अच्छा लगता है। मैं लोगों को अपना दोस्त बना लेती हूं। आप फिल्म में भी देखेंगे तो मैं और नुसरत बहुत कम ही मिलते हैं। उनकी बेटी के साथ मेरा रोल ज्यादा है। कुछ खास सीन हैं जो हमारे बीच हैं। बाकी नुसरत बहुत ही वेलकमिंग और फ्रेंडली है। सेट पर जब भी एक दूसरे से बात करते थे तो विशाल जी बीच में आ जाते थे और हमें बात करने से मना करते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि हम एक अलग जोन में चले जाएंगे।'

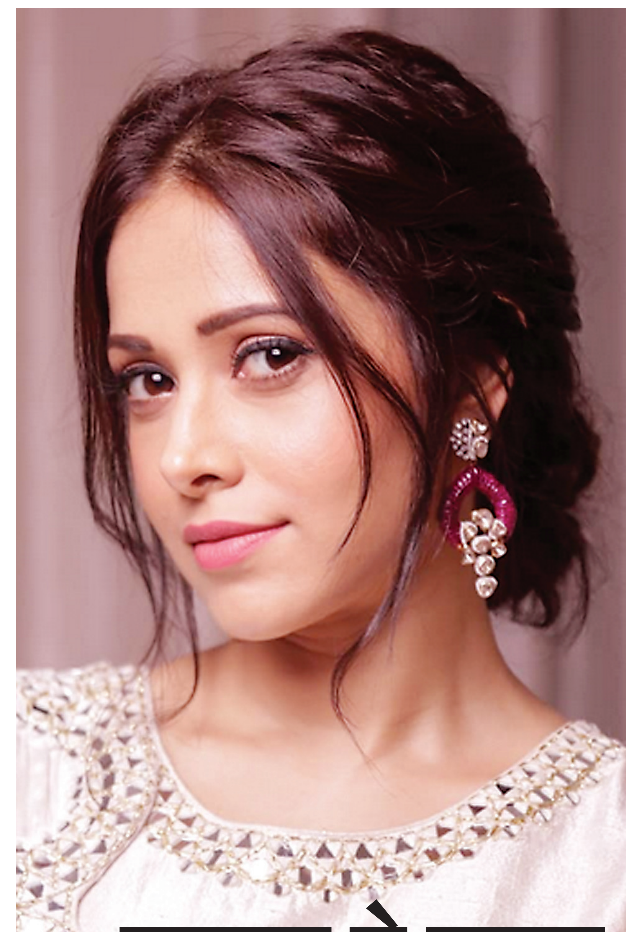

नुसरत ने साझा किया 'छोरी' के सेट का डरावना अनुभव

अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने हाल ही में अपनी फिल्म 'छोरी 2' को लेकर खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने इस्राइल से जुड़े अनुभवों को साझा किया। उन्होंने पीएम मोदी से अपनी हालिया मुलाकात पर भी चर्चा की और उनसे मिलने के अनुभव के बारे में बताया।

जीवन के अनुभवों का किरदार के लिए करती हैं इस्तेमाल

नुसरत से जब पूछा गया कि क्या छोरी 2 के किरदार का दर्द अपने अंदर लाने के लिए उन्होंने इस्राइल में हुई घटना की मदद ली? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'हर कैरेक्टर और कहानी अलग होती है। सभी के लिए कुछ न कुछ रेफरेंस की जरूरत होती है। हां जब मुझे एक्सट्रीम इमोशन दिखाना होता है या एक्ट करना हो तो मैं अपने जीवन के अनुभवों को यूज करती हूं। इस्राइल में जो हुआ वह भी मेरे जीवन का एक अनुभव है जो हमेशा मेरे साथ रहेगा। तो कहीं ना कहीं, कभी ना कभी मैं उससे कुछ लूंगी ही और उसे फिल्म में डालूंगी। हालांकि, 'छोरी' और छोरी 2 की शूटिंग मेरे साथ इस्राइल में हुई घटना से पहले ही शूट हो चुकी थी। ऐसे में इस फिल्म में रेफरेंस के तौर पर मैंने अपनी पिछली जिंदगी से कुछ चीजें यूज की थी।

पीएम मोदी से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात

2023 में जब नुसरत इस्राइल में फंस गई थी तब उन्होंने पीएम से उन्हें वहां से निकालने की गुहार लगाई थी। अभिनेत्री ने अब हाल ही में पीएम मोदी से मुलाकात की। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'यह बहुत ही दिलचस्प रहा। मैं हाल ही में उनसे दिल्ली में मिली। आपको बता नहीं सकती कि ये कैसा अनुभव था। हमने उन्हें मंच पर देखा है, स्क्रीन पर देखा है और भाषण देते हुए देखा है। मैं जब उनसे मिली तो यह बहुत ही सहज रहा। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं उनसे मिली और उन्हें धन्यवाद कहा। वह हमारे लिए प्रेरणा हैं। मैंने उनका समिट भी देखा है। हम कहां और कौन से नंबर पर थे और कौन से नंबर पर आ गए हैं और हमें वह कहां ले जाना चाहते हैं। उनका विजन बहुत इंस्पायर करने वाला है।'

'छोरी 2' के सेट पर हुआ यह डरावना अनुभव

नुसरत से जब फिल्म के सेट पर किसी डरावने अनुभव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'छोरी 2' के सेट पर तो नहीं हुआ था। पर हां 'छोरी' के सेट पर हमें जरूर कुछ महसूस हुआ था। हमने इसे कोविड के दौरान शूट किया था और एक दिन हमारे सेट पर सारे ऑक्सीमीटर एक साथ खराब हो गए थे। हैरानी की बात यह है कि जब हमने नए ऑक्सीमीटर मंगवाए तो वह भी नहीं चले। जब सबके ऑक्सीमीटर की रीडिंग एक साथ आना बंद हुई तब लगा कि कुछ गड़बड़ है। इसकी तरह एक घटना तब हुई जब हम एक कुएं के पास शूट कर रहे थे। सेट पर हमारे लिए कुछ लाइफगॉर्ड भी मौजूद थे जो किसी भी तरह की दिक्कत हो तो कुएं में कूद कर हमें बचा लें। एक दिन वो खुद ही बेहोश होकर कुंए में गिर गए। जबकि उनको ऐसी कोई दिक्कत नहीं थी। वहां के लोकल लोगों का कहना था कि कुछ तो ऐसा है जो नहीं चाहता कि कोई भी कुंए के पास आए। फिर उस दिन से हम उस जगह से दूर रहने लगे, ताकि कोई रिस्क ना हो।

'डॉन 3' की कास्ट में बड़ा बदलाव, कियारा नहीं, शरवरी होंगी 'डॉन' की नई हीरोइन

फरहान अख्तर की 'डॉन' फेंचाइजी की तीसरी कड़ी 'डॉन 3' पिछले काफी वक्त से लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। अब फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी निकलकर सामने आ रही है। जिसके मुताबिक, फिल्म की कास्ट में एक बड़ा बदलाव हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में कियारा आडवाणी की छुट्टी हो गई है और उनकी जगह एक नई लीड एक्ट्रेस की फिल्म में एंट्री हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'डॉन 3' में अब कियारा आडवाणी की जगह शरवरी वाघ की एंट्री हुई है। जो रणवीर सिंह के साथ फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगी। हालांकि, अब तक मेकर्स की तरफ से इस बात की अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

प्रेग्नेंसी की वजह से कियारा ने छोड़ी फिल्म

'डॉन 3' में पहले रणवीर सिंह के साथ कियारा आडवाणी लीड रोल में थीं। हालांकि, इसी साल फरवरी में कियारा आडवाणी के अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा करने के बाद ये चर्चाएं चल रही थीं कि कियारा डॉन 3 को छोड़ सकती हैं। रिपोर्ट ये कहती है कि कियारा की जगह मेकर्स ने शरवरी वाघ को लीड एक्ट्रेस के तौर पर फाइनल किया है। 'डॉन 3' फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित फिल्म है, जो उनकी 'डॉन' फेंचाइजी की तीसरी किस्त है। इससे पहले 'डॉन' और 'डॉन 2' आ चुकी हैं। इस बार शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह 'डॉन 3' में डॉन की भूमिका निभाएंगे।

रणदीप हुड्डा ने क्यों किया आमिर की हिट फिल्म करने से इंकार? अभिनेता ने साझा की वजह

फिल्म 'जाट' में सनी देओल ने मुख्य भूमिका निभाई है, उनके सामने विलेन के रोल में रणदीप हुड्डा नजर आए। फिल्म में रणदीप के किरदार को काफी सराहा जा रहा है। हाल ही में इस फिल्म के प्रमोशन के लिए रणदीप हुड्डा ने कई इंटरव्यू दिए, जिसमें करियर को लेकर भी बातचीत की। इसी दौरान रणदीप ने बताया कि उन्होंने एक अजीब कारण से आमिर खान की फिल्म को करने से इंकार किया।

आमिर की इस फिल्म में नहीं किया काम

शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट में की गई बातचीत में रणदीप हुड्डा कहते हैं, 'राकेश ओमप्रकाश मेहरा फिल्म 'रंग दे बसंती' बना रहे थे। मैंने भी ऑडिशन दिया। मुझे फिल्म में भगत सिंह वाले किरदार के लिए साइन किया जाना था। बाद में यह रोल साउथ एक्टर सिद्धार्थ को मिला। राकेश मुझसे कहते रहे कि फिल्म कर लो। उसी दौरान रामगोपाल वर्मा ने मुझसे कहा क्या तुम पोस्टर में आमिर खान के पीछे खड़े होना चाहते हैं, जबकि मैं तुम्हें लेकर फिल्म 'डी' बनाने की सोच रहा हूं। ऐसे में मेरी जाट अकड़ निकल आई। मैंने फिल्म 'रंग दे बसंती' नहीं की। इसी कारण से मैंने फिल्म 'रॉक ऑन' भी नहीं की।

अलग हो सकती थी करियर की राह

आगे रणदीप हुड्डा कहते हैं, 'अगर मैंने रंग दे बसंती की होती तो मैं आज एक अलग लीग का हिस्सा होता।' रणदीप को इस फिल्म को ना करने का काफी अफसोस है। वैसे रणदीप ने आगे चलकर 'सरबजीत' और 'स्वतंत्र वीर सावरकर' में लीक से हटकर किरदार निभाए, जिसमें उन्हें सराहा गया।

रणदीप हुड्डा की आने वाली फिल्में

हाल में फिल्म 'जाट' में नजर आए रणदीप हुड्डा एक और फिल्म इस साल कर रहे हैं। वह एक हिंदी फिल्म 'मैचबॉक्स' में नजर आ सकते हैं। इन दिनों इस फिल्म की शूटिंग भी हो रही है।

विक्रम भट्ट ने की नई हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी - घोस्ट्स ऑफ द पास्ट की घोषणा

हॉरर फिल्मों के बेहतरीन निर्देशक विक्रम भट्ट ने अपनी नई हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी- घोस्ट्स ऑफ द पास्ट की घोषणा कर दी है। साथ ही इसके फिल्म की स्टारकास्ट और इसकी रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। 2011 में रिलीज हुई हॉन्टेड 3डी का सीक्वल है हॉन्टेड 3डी घोस्ट ऑफ द पास्ट। इस फिल्म में महाक्षय चक्रवर्ती और चेतना पांडे नजर आएंगे। राज 1920 जैसी हॉरर फिल्मों के निर्देशन के लिए मशहूर विक्रम भट्ट इस फिल्म का निर्देशन करेंगे, जबकि फिल्म का निर्माण आनंद पंडित और राकेश जुनेजा मिलकर करेंगे। हॉन्टेड 3डी के पहले भाग में महाक्षय चक्रवर्ती उर्फ मिमोह चक्रवर्ती और टिया बाजपेयी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। इन दोनों के अलावा फिल्म में अचिंत कौर और आरिफ जकारिया की भी अहम भूमिका थी। यह पहली भारतीय स्टीरियोस्कोपिक 3डी हॉरर फिल्म थी। अब प्रशंसक इसके सीक्वल के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नीरज ने सीजन की शुरुआत गोल्ड मेडल के साथ की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के लिए दो ओलंपिक पदक जीत चुके स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने 2025 सीजन की शुरुआत शानदार तरीके से की। नीरज ने बुधवार को साउथ अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पॉट इनविटेशनल ट्रैक टूर्नामेंट जीतकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने इस इवेंट में 84.52 मीटर भाला फेंका और पहले स्थान पर रहते हुए सोना अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट को जीतने के बाद नीरज का आत्मविश्वास डायमंड लीग टूर्नामेंट के लिए बढ़ेगा। नीरज चोपड़ा 25 साल के साउथ अफ्रीका के जैवलिन थ्रोअर डौ स्मिट से काफी आगे रहे जिन्होंने 82.44 मीटर थ्रो किया। नीरज ने छह खिलाड़ियों को बीच चले फाइनल मुकाबले में टॉप पोजीशन हासिल किया। नीरज ने यहां 84.52 मीटर भाला फेंका जो उनके व्यक्तिगत बेस्ट थ्रो 89.94 से कम था तो वहीं स्मिट अपने बेस्ट थ्रो 83.29 के लगभग करीब पहंचे। इस इवेंट में तीसरे नंबर पर डंकन रॉबर्टसन रहे जिन्होंने 71.22 मीटर का थ्रो फेंका। नीरज चोपड़ा का अगला बड़ा इवेंट 16 मई को दोहा डायमंड लीग है, जहां उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। 2024 के पेरिस ओलंपिक में नीरज ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था, जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के नए ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। जैसे-जैसे ये सीजन आगे बढ़ेगा सभी की निगाहें नीरज पर होंगी कि क्या वह नदीम के रिकॉर्ड को चुनौती दे सकते हैं या नहीं। इन दिनों नीरज अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी की निगरानी में पोटचेफस्ट्रूम में प्रैक्टिस कर रहे हैं।

सुरुचि सिंह जीत रहीं गोल्ड पर गोल्ड, मनु भाकर से है करीबी रिश्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। एक ही शहर, एक ही अकादमी में ट्रेनिंग और फिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शूटिंग में भारत का झंडा का शान लहरानाज्ये एक संयोग ही है। ये कहानी है कि सुरुचि सिंह और मनु भाकर की। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के शहर से और उनकी ही अकादमी से एक और स्टार शूटर सुरुचि सिंह के तौर पर सामने आई हैं, जो कि लगातार गोल्ड पर गोल्ड जीत रही हैं। अब वर्ल्ड कप में सौरभ चौधरी के साथ डुओ शूटिंग में भी सुरुचि सिंह ने गोल्ड जीता है।ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर की तरह ही सुरुचि सिंह एक स्वर्णिम भविष्य की स्क्रिप्ट लिखती नजर आ रही हैं। सुरुचि ने पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर तब सभी का ध्यान आकर्षित किया जब उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल कॉम्पिटीशन में राष्ट्रीय खिताब जीता। सुरुचि ने फाइनल में 243.6 का शानदार स्कोर बनाया। उन्होंने डिफेंडिंग चैंपियन तक को पछाड़ दिया। इसी हफ्ते पेरू के लीमा में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में सुरुचि ने एक बार फिर सीनियर वर्ग में अपना लगातार दूसरा गोल्ड जीता। इस बार उन्होंने मनु भाकर को ही हरा दिया। मनु भाकर के 242.3 के मुकाबले 243.6 अंक हासिल करके सुरुचि ने न सिर्फ शीर्ष स्थान हासिल किया, बल्कि यह भी बता दिया कि भारतीय शूटिंग में वो नई क्वीन हैं। मनु भाकर ने जिस अकादमी से शूटिंग का प्रशिक्षण लिया था, उसी से सुरुचि ने भी शुरुआती प्रशिक्षण लिया लेकिन दो साल पहले कोच बदल दिया।

यूईएफए सीएल

रियल मैड्रिड को हराकर आर्सेनल सेमीफाइनल में, बायर्न म्यूनिख को हराकर इंटर मिलान अंतिम-चार में

मैड्रिड, एजेंसी। आर्सेनल ने पिछले सप्ताह लंदन में खेले गए क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 3-0 से जीत हासिल की थी और इस तरह से उसने रियल मैड्रिड को कुल मिलाकर 5-1 से करारी शिकस्त दी। वहीं, इंटर मिलान ने बायर्न म्यूनिख को एग्रीगेट के आधार पर 4-3 से हराया। आर्सेनल ने बुधवार को गत चैंपियन रियल मैड्रिड को क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 2-1 से हराकर 2009 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, बेंजामिन पावर्ड के गोल की बदौलत इंटर मिलान ने बुधवार को बायर्न म्यूनिख को क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 2-2 से रोक दिया। इस तरह मिलान की टीम चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंच गई। इससे पहले पीएसजी और बार्सिलोना भी अंतिम चार में पहुंच चुके हैं और सेमीफाइनल के मुकाबले तय हो गए हैं। अंतिम चार में पीएसजी का सामना आर्सेनल से और बार्सिलोना का सामना इंटर मिलान से होगा।

इंटर मिलान ने बायर्न म्यूनिख को हराया

इंटर मिलान ने क्वार्टर फाइनल का पहला चरण 2-1 से जीता था और इस तरह से उसने 4-3 के कुल स्कोर से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पावर्ड 2023 में बायर्न को छोड़कर इंटर मिलान से जुड़े थे। यह इंटर के लिए पावर्ड का पहला गोल था। हैरी केन ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही गोल करके बायर्न म्यूनिख को कुल स्कोर में बराबरी दिला दी थी लेकिन लुटारो मार्टिनेज और पावर्ड के गोल से इंटर मिलान ने जल्द ही अपनी बढ़त मजबूत कर दी। बायर्न म्यूनिख की तरफ से 76वें मिनट में एरिक डियर ने बराबरी का गोल दागा, लेकिन इससे कुल स्कोर में हार का अंतर ही कम हो पाया।

आर्सेनल ने रियल मैड्रिड को हराया

आर्सेनल ने पिछले सप्ताह लंदन में खेले गए क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 3-0 से जीत हासिल की थी और इस तरह से उसने रियल मैड्रिड को कुल मिलाकर 5-1 से करारी शिकस्त दी। आर्सेनल ने इस तरह से पहली बार यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता जीतने की संभावना बरकरार रखी। सेमीफाइनल में उसका मुकाबला पेरिस सेंट-जर्मेन से होगा। दूसरा सेमीफाइनल बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच खेला जाएगा। इस बार 15 बार का यूरोपीय चैंपियन रियल मैड्रिड किसी तरह की ऐतिहासिक को वापसी नहीं कर पाया। अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में उसके खिलाड़ी कोई जादू नहीं दिखा पाए। यह 2020 के बाद पहला अवसर है जबकि रियल मैड्रिड सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया। इस तरह से वह पिछले चार सत्र में तीसरी बार चैंपियंस लीग का चैंपियन बनने से भी चूक गया। आर्सेनल और रियल मैड्रिड में से कोई भी पहले हाफ में गोल नहीं कर पाया। बुकायो साका पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए लेकिन उन्होंने 65वें मिनट में मिकेल मेरिनो के पास पर गोल करके आर्सेनल को बढ़त दिलाई। विनीसियस जूनियर ने इसके तुरंत बाद रियल मैड्रिड की तरफ से बराबरी का गोल दागा। आर्सेनल की तरफ से दूसरा गोल गेब्रियाल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम में किया। रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे को चोटिल होने के कारण 75 मिनट के बाद मैदान छोड़ना पड़ा था।

पीएसजी भी चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

एस्टन विला की क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में शानदार वापसी के बावजूद पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) इस इंग्लिश क्लब को 5-4 के कुल स्कोर से हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल पहुंचने में सफल रहा। विला ने मंगलवार को यहां खेले गए क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 3-2 से जीत हासिल की लेकिन पीएसजी ने पहले चरण का मैच 3-1 से जीता था और उसकी यह बढ़त आखिर में निर्णायक साबित हुई। पीएसजी ने पांच सत्र में तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है।विला का हौसला बढ़ाने के लिए प्रिंस विलियम भी स्टेडियम में मौजूद थे लेकिन पीएसजी ने विला पार्क में 27 मिनट के अंदर फुल बैक अशरफ हकीमी और नूनो मेंडेस के गोल की बदौलत चार गोल की बढ़त बना ली। विला ने हाफटाइम से पहले यूरी टाईलेमैन्स के गोल से वापसी की जबकि दूसरे हाफ के शुरू में जॉन मैकगिन और एज़्री कोन्सा ने दो मिनट के अंतराल में गोल करके उसकी उम्मीद जगा दी।

ट्रेविस हेड के एड पर बवाल ने कोर्ट में घसीटा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से मजाक उड़ाने के मामले में केस दाखिल करते हुए कहा गया कि विज्ञापन में प्रयोग में लाई गई शब्दावली से उनकी ब्रांड की इमेज खराब हुई है. आरसीबी ने कहा वैसा कर उन्होंने उनके ट्रेडमार्क पर सीधा हमला बोला है. उसके मुताबिक विज्ञापन में ऐसा मजाक उड़ाने के मकसद से ही किया गया होगा.

नाम ही नहीं स्लोगन का भी उड़ाया मजाक– आरसीबी

सिर्फ आरसीबी के नाम से ही खिलवाड़ नहीं हुआ है. फ्रेंचाइजी ने कोर्ट में बताया कि विज्ञापन में उनके पंसदीदा स्लोगन श्वद्ब स्द्गड्डद्यड्ड ष्टद्धश्च ह्लड्डद्बस्त्रद्ब का भी मजाक बना है. आरसीबी के मुताबिक वो स्लोगन टीम और फैंस दोनों से इमोशनली जुड़ा है. ऐसे में विज्ञापन में उसे व्यंग्यात्मक तरीके से पेश करना फैंस और टीम दोनों के इमोशन से मजाक है और कुछ नहीं.

बहरहाल, विज्ञापन पर लिए आरसीबी के एक्शन के बाद अब सबकी निगाहें रिएक्शन को देखने पर जमीं है. देखना ये है कि उनका स्टैंड क्या होता है? क्या ड्ढद्गह्ल उस विज्ञापन को वापस लेगी या अपने बचाव में कुछ दलील पेश करेगी. आईपीएल का सुरूर हर मैच के साथ बढ़ रहा है. आरसीबी भी अच्छा परफॉर्म कर रही है. ऐसे में इस बीच ये मामला सामने आने से माहौल गरमा गया है.

टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ पर चला बीसीसीआई का चाबुक

गौतम गंभीर के खास अभिषेक नायर समेत 4 की छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सख्त तेवर दिखाए हैं. बीसीसीआई ने कड़ा एक्शन लेते हुए टीम के सहयोगी स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है. बीसीसीआई ने 4 कर्मचारियों को भारतीय टीम से हटा दिया है, जिनमें कोच, फील्डिंग कोच, स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच और एक मसाजर शामिल हैं.

सबसे बड़ी बात यह है कि इनमें हेड कोच गौतम गंभीर के खास अभिषेक नायर की भी छुट्टी हो गई है. अभिषेक नायर कोलकाता नाइट राइडर्स के दिनों से गौतम गंभीर के साथ जुड़े हुए थे. जब गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बने तो अभिषेक नायर को भी सपोर्ट स्टाफ में शामिल किया गया अभिषेक नायर टीम में कोच की जिम्मेदारी को निभा रहे थे. अभिषेक नायर को 24 जुलाई 2024 को टीम इंडिया का असिस्टेंट कोच बनाया गया. अभिषेक नायर के अलावा टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ से फील्डिंग कोच टी दिलीप स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई की भी छुट्टी कर दी गई है. वहीं एक मसाजर (फिजियो सपोर्ट स्टाफ) को भी हटाया गया है. हालांकि इस मसाजर का नाम क्या है, यह बात जाहिर नहीं हो पाई है.

कोचिंग स्टाफ में था गंभीर का दबदबा

राहुल द्रविड़ का बतौर हेड कोच टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद बाद कार्यकाल खत्म हुआ था. उसके बाद गौतम गंभीर को भारत का नया हेड कोच 9 जुलाई 2024 को नियुक्त किया गया था. पूर्व भारतीय स्टार ने अपने कोचिंग स्टाफ का एक बड़ा हिस्सा कोलकाता नाइट राइडर्स से लिया, जिसमें अभिषेक नायर, रेयान टेन डोएशेट और मोर्ने मोर्केल (लखनऊ सुपर जायंट्स में जब गंभीर मेंटर थे तो मोर्केल गेंदबाजी कोच) शामिल थे.

टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ में अब कौन?

न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में शर्मनाक 0-3 से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम संघर्ष करती दिखी थी. इसके बाद बीसीसीआई ने इस साल की शुरुआत में एनसीए और इंडिया ए कोच सितांशु कोटक को व्हाइट बॉल के लिए बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया था. कोटक इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में कोटक टीम इंडिया के साथ जुड़े थे. शुरुआती असफलताओं के बावजूद, गंभीर और उनकी कोचिंग टीम ने जोरदार वापसी की और भारत को चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब दिलाया. नायर, टेन डोशेट, मोर्केल, दिलीप और कोटक सभी विजयी अभियान के दौरान सहयोगी स्टाफ के प्रमुख सदस्य थे. नायर का भारतीय टीम के साथ कार्यकाल समाप्त हो गया है, लेकिन बाकी खिलाड़ी अभी भी टीम में बने रहेंगे और अपने पूर्व साथियों की जगह लेंगे.

भारतीय टीम को नए सहयोगी स्टाफ इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की सीरीज से पहले मिल सकते हैं. भारत की अगली चुनौती इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में होगी, जहां यह देखना होगा. अभिषेक नायर और टी दिलीप की जगह किसको लेकर आता है.

अभिषेक नायर पर बीसीसीआई की बड़ी कार्रवाई, फील्डिंग कोच को भी दिखाया बाहर का रास्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024–25 में टीम के खराब प्रदर्शन और ड्रेसिंग रूम में कथित लीक के बाद भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर को बर्खास्त करने का फैसला किया। फील्डिंग कोच टी दिलीप और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को भी हटा दिया गया है क्योंकि उनका राष्ट्रीय टीम के साथ तीन साल का अनुबंध समाप्त हो गया है। भारत ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2024–25 में ऑस्ट्रेलिया से 3–1 से निराशाजनक हार के बाद लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023–25के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का अवसर खो दिया। रिपोर्ट के अनुसार मेलबर्न टेस्ट के पूरा होने के बाद, टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर चौथे टेस्ट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं थे और उन्होंने खिलाड़ियों को यह बात बताई। सिडनी टेस्ट की शुरुआत से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए गंभीर ने रिपोर्ट्स पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि ड्रेसिंग रूम के अंदर कुछ बातें थीं। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, टीम के लिए महान चीजें हासिल करने के लिए ईमानदारी बेहद जरूरी है। वे सिर्फ रिपोर्ट्स हैं, यह सच नहीं है और मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी भी रिपोर्ट का जवाब देने की जरूरत है, ईमानदारी से कहूं तो। और कुछ ईमानदार बातें हैं। मैं बस इतना ही कह सकता हूं। ईमानदारी बहुत जरूरी है। अगर आप आगे बढ़ना चाहते हैं और कुछ महान चीजें हासिल करना चाहते हैं तो ईमानदारी बेहद जरूरी है।

खेल निकायों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने पर विचार कर रहा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। पीठ ने कहा, हम कबड्डी संघों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि इन निकायों में खेल गतिविधियों के अलावा भी कई तरह की चीजें हो रही हैं। इसके बाद हम जांच आयोग का दायरा अन्य खेल संघों तक बढ़ाने का इरादा रखते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को देश में खेल संघों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने का संकेत दिया और कहा कि खेल गतिविधियों के अलावा उनमें हर तरह की चीजें हो रही हैं।

दो राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह बात कही। दो कबड्डी खिलाड़ियों ने पहले एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) और इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन के मामलों की सीबीआई जांच के लिए विचार मांगे थे। पीठ ने कहा,हम कबड्डी संघों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि इन निकायों में खेल गतिविधियों के अलावा भी कई तरह की चीजें हो रही हैं। इसके बाद हम जांच आयोग का दायरा अन्य खेल संघों तक बढ़ाने का इरादा रखते हैं। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता केएम नटराज ने कहा कि पीठ के चार फरवरी के आदेश के अनुसार खिलाड़ियों को ईरान में टूर्नामेंट के लिए भेजा गया था, जहां उन्होंने जीत हासिल की और स्वर्ण पदक जीता। नटराज ने कहा कि जहां तक सीबीआई जांच का सवाल है, इसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है। उन्होंने इस पर काम करने के लिए दो और सप्ताह मांगे, जिसके बाद पीठ ने कहा कि वह देश के सभी राज्य और अंतरराष्ट्रीय खेल संघों के मामलों की जांच करेगी और

जरूरत पड़ने पर उन्हें भंग कर देगी। शीर्ष अदालत ने खेल संघों के कामकाज और जरूरी जांच पर सुझाव देने के लिए कई पूर्व खिलाड़ियों और मौजूदा खिलाड़ियों के हस्तक्षेप के आवेदनों को स्वीकार कर लिया और सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की।

शीर्ष अदालत ने छह फरवरी को ्रचस्नढ्ढ के प्रशासक और पूर्व न्यायाधीश एस पी गर्ग को ईरान में 20 फरवरी से शुरू होने वाले एक खेल आयोजन में खिलाड़ियों की भागीदारी की अनुमति देने के लिए अपने निर्वाचित शासी निकाय को प्रभार सौंपने के लिए कहा। शीर्ष अदालत प्रियंका और पूजा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्हें एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप में भेजने के लिए ्रचस्नढ्ढ को निर्देश देने की मांग की गई थी। इससे पहले न्यायालय ने केंद्र को खेल संघों, खास तौर पर भारतीय कबड्डी महासंघ की मान्यता को लेकर विवाद के समाधान के लिए कूटनीतिक माध्यमों की तलाश करने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने कहा, सीबीआई के निदेशक खेल महासंघ के मामलों में इंटरपोल जैसी अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों की सहायता से प्रभावी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय जांच के लिए जांच तंत्र का सुझाव देंगे। न्यायालय ने यह भी जानना चाहा कि कबड्डी खिलाड़ियों और अन्य खिलाड़ियों को ईरान में एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं। पिछले साल जुलाई में अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने एकेएफआई की मान्यता समाप्त कर दी थी, जिससे कबड्डी टीमों को कई वैश्विक आयोजनों में भाग लेने से रोक दिया गया था।

संक्षिप्त समाचार

सुल्तानपुरी से पांच बार के कांग्रेस विधायक जयकिशन का निधन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सुल्तानपुरी से पांच बार के कांग्रेस विधायक रहे जयकिशन का निधन हो गया है। दिल्ली कांग्रेस चीफ देवेंद्र यादव ने अपने एक्स हैंडल से उनके निधन की जानकारी दी। जयकिशन विधायक रहने के एआईसीसी सचिव भी रह चुके थे। आज वाई ब्लॉक के पास बने श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने अपने एक्स हैंडल से लिखा कि सुल्तानपुरी से पांच बार के विधायक, पूर्व सचिव, कांग्रेस परिवार के वरिष्ठ सदस्य जयकिशन जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है । ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति और शोकाकुल परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। अंतिम संस्कार-ह्व-ब्लॉक श्मशान घाट में दोपहर 1 बजे किया जाएगा। दिल्ली कांग्रेस ने भी अपने एक्स हैंडल से पूर्व कांग्रेस विधायक के निधन की जानकारी देते हुए लिखा कि दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता,पूर्व विधायक श्री जय किशन के आकस्मिक निधन की खबर दुखद है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को यह गहन दुख सहने की शक्ति दें।

तड़के दिल्ली के शाहीन बाग में भड़की भयंकर आग, चपेट में आए कई वाहन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में गुरुवार सुबह तड़के एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लग गई। आग ने इमारत के एक बड़े हिस्से को जला दिया। इस घटना के दौरान तीन से चार कारें भी इसकी चपेट में आ गईं। पुलिस के अनुसार,आग लगने की सूचना सुबह 4 बजे मिली। जिसके बाद दमकल विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया। आग पर काबू पाने के लिए कुल आठ दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इमारत में ग्राउंड फ्लोर के अलावा चार मंजिलें हैं और नीचे पार्किंग की जगह बनी हुई है। हालांकि, पुलिस ने पुष्टि की है कि फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

आप चंदाखोर पार्टी है, यह चंदाखोर लालू यादव से भी ज्यादा भ्रष्ट निकले

सीबीआई रेड पर वीरेंद्र सचदेवा

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली में पूर्व विधायक रहे दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई ने छापा मारा है। इस पर भाजपा के दिल्ली अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा का बयान सामने आया है। सचदेवा ने तंज भरे लहजे में कहा कि हमने चंदा चोर नाम तो सुना था। यह आम आदमी पार्टी तो चंदाखोर पार्टी है। दुर्गेश पाठक पर भी हमला करते हुए कहा कि अपनी ही पार्टी के चंदे को खाने वाले यह चंदाखोर लालू यादव से भी ज्यादा भ्रष्ट निकले।

दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई की रेड पड़ी है। आप नेताओं ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि गुजरात चुनाव की जिम्मेदारी मिलने के तुरंत बाद यह एक्शन लिया गया है। इस पर सचदेवा ने कहा कि गुजरात में 2027 में चुनाव होने हैं। केजरीवाल की पार्टी बड़ी अजीब है। हमने चंदा चोर नाम तो सुना था। ये आप चंदाखोर पार्टी है। सचदेवा ने आरोप लगाते हुए कहा कि दुर्गेश पाठक ऐसे आदमी हैं, जिन्होंने अपनी ही पार्टी के चंदे को चोरी करने का काम किया है। सचदेवा ने सवालिया अंदाज में कहा कि अगर जांच एजेंसी काम कर रही हैं तो इसमें ऐतराज क्यों है। मैं अरविंद केजरीवाल को बधाई देता हूं कि 10 तरह के घोटाले और चोरियां पार्टी ने किए हैं। लेकिन, अपनी ही पार्टी के चंदे को खाने वाले चंदाखोर ये तो लालू यादव से भी ज्यादा भ्रष्ट निकले हैं। अभी तो जांच एजेंसियां जांच कर रही हैं। अभी सामने आएगा तो पता चल जाएगा कि और कितने लोगों ने अपना पेट भरा है। आप नेता दुर्गेश पाठक के घर पर सीबीआई का छापा फॉरेन कॉन्ट्रीब्यूशन रेगुलेटरी एक्ट के तहत किया गया है। छापा की जानकारी आप नेताओं ने देना शुरू किया था, जिसकी पुष्टि बाद में एक अधिकारी ने दी। आप नेताओं का दावा है कि ये सब गुजरात चुनाव को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि बीजेपी जानती है कि गुजरात में अब सिर्फ आम आदमी पार्टी ही उन्हें चुनौती दे सकती है। इस सच्चाई ने भाजपा को हिला दिया है।

कानून के तहत अपील तक नहीं की, मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों पर चुनाव आयोग की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की मतदाता सूची में गड़बड़ियों और ईपीआईसी (इलेक्टर फोटो आइडेंटिटी कार्ड) नंबरों के डुप्लिकेशन को लेकर सवाल उठाए थे। अब इन सवालों पर चुनाव आयोग ने कड़ा जवाब दिया है। आयोग के सूत्रों का कहना है कि इन आरोपों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है और विपक्ष ने चुनावी कानूनों के तहत उपलब्ध प्रक्रियाओं का पालन तक नहीं किया।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि 2019 से 2024 के बीच महाराष्ट्र में करीब 30 लाख नए वोटर बिना ठोस आधार के जोड़े गए हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों - आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस - ने भी मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और ईपीआईसी नंबरों की डुप्लिकेशन को लेकर सवाल खड़े किए थे।

एसएसआर प्रक्रिया में केवल 89 अपीलें: चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, जनवरी 6-7, 2025 को प्रकाशित विशेष सारांश संशोधन के दौरान पूरे महाराष्ट्र में केवल 89 अपीलें दायर की गईं। जबकि देशभर में कुल 1,38,57,359 बूथ लेवल एजेंट्स तैनात थे। एसएसआर प्रक्रिया के तहत नए मतदाताओं का नाम जोड़ना, मृत या डुप्लिकेट मतदाताओं को हटाना, और पते में बदलाव जैसे सुधार किए जाते हैं। आयोग का कहना है कि स्स्क्रके बाद प्रकाशित मतदाता सूची को निर्विवाद मानना ही एकमात्र विकल्प है।

चुनाव कानून का हवाला: सूत्रों ने बताया कि जिन लोगों को मतदाता सूची में गड़बड़ी की शिकायत थी, उन्होंने न तो धारा 22 (सुधार), धारा 23 (नाम शामिल करने), और धारा 24 (पहली/दूसरी अपील) के तहत आवेदन किया और न ही स्स्क्र प्रक्रिया में भाग लिया। उल्लेखनीय है कि प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24 को 20 सितंबर, 1961 को जोड़ा गया था – यानी मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त के जन्म से भी पहले।

चुनाव आयोग का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति यह कहता है कि जिस मतदाता सूची पर चुनाव कराए गए, वह गलत है, तो इसका मतलब है कि उसने उस कानून को कभी पढ़ा ही नहीं, जिसे संसद ने 1961 में पारित किया था।

विपक्ष कर सकता है और हमले तेज: हालांकि, चुनाव आयोग के इस स्पष्टीकरण के बाद भी संभावना है कि बिहार और अन्य राज्यों में आगामी चुनावों को देखते हुए विपक्ष इस मुद्दे को और अधिक आक्रामकता से उठाए। आयोग पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि ईपीआईसी नंबरों की डुप्लिकेशन का मतलब फर्जी वोटर नहीं होता, और इस संबंध में डेटा जारी कर अपना पक्ष रखा है। अब यह देखना होगा कि क्या विपक्ष कानूनी प्रक्रिया के तहत अपने आरोपों को मजबूत करता है या चुनाव आयोग के इस जवाब को चुनौती देने के लिए कोई नई रणनीति अपनाता है।

9 महीने प्रेग्नेंसी का नाटक, फिर सफदरजंग से चुराई बच्ची

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक महिला पति, सास-ससुर और अपने माता-पिता को 9 महीनों तक बेवकूफ बनाती रही। 27 साल की महिला की पहचान पूजा देवी के तौर पर हुई है जो प्रेग्नेंसी का झूठा नाटक करती रही। अपने झूठ को सच साबित करने के लिए उसने सफदरजंग से एक नवजात बच्ची को चुरा लिया। हालांकि उसे केवल चार घंटों के अंदर पकड़ लिया गया। पुलिस ने बच्ची को सकुशल उसके माता-पिता को लौटा दिया। कथित प्रसव से पहले वह अपने माता-पिता के घर मालवीय नगर चली गई थी। पूजा के नाटक का मंगलवार को अंत हो गया। दरअसल उसने दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के प्रसूति वार्ड से एक दिन की बच्ची को चुरा लिया। वह इसे अपनी बच्ची के तौर पर परिवार को दिखाना चाहती थी। पुलिस ने कहा कि महिला ने गर्भवती होने का दिखावा करने के लिए नकली पेट का इस्तेमाल नहीं किया। वह प्राकृतिक तौर पर इतनी स्वस्थ है कि उसे देखकर गर्भवती समझा जा सकता है। हालांकि, अस्पताल के अंदर उसके संदिग्ध व्यवहार ने उसका भांडाफोड़ दिया। सीसीटीवी फुटेज में उसे नवजात और पोस्टनैटल देखभाल वार्ड के पास घूमते, कई महिलाओं से बात करते और अपना चेहरा दुपट्टे से आंशिक रूप से ढके हुए देखा गया। उसे बच्ची चुराने के कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया गया और नवजात को सुरक्षित उसके परिवार को लौटा दिया गया। डिप्टी पुलिस कमिश्नर (दक्षिण-पश्चिम) सुरेंद्र चौधरी के अनुसार, बच्ची का जन्म सोमवार को चाणक्यपुरी के यशवंत प्लेस में रहने वाले एक दंपत्ति के घर हुआ था। मंगलवार दोपहर को जब मां वार्ड नंबर 5 में पोस्टनैटल केयर में थी, तो वह दूध लेने के लिए बाहर निकली। जब वापस लौटी, तो उसकी बेटी गायब थी। डीसीपी चौधरी ने कहा, मंगलवार दोपहर करीब 3.15 बजे उनकी बच्ची लापता हो गई और हर जगह तलाश करने के बाद भी वे उसे नहीं ढूंढ पाए। शाम करीब 4 बजे बीएनएस की धारा 137(2) के तहत अपहरण का मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने अस्पताल से सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी। सीसीटीवी की मदद से महिला की पहनान कर मालवीय नगर पोस्ट ऑफिस के सामने से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महिला ने बताया कि वह 14 अप्रैल को अस्पताल गई थी।

दिल्ली में हर 70 पार बुजुर्ग को मिलेगा आयुष्मान कार्ड

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली सरकार अप्रैल के अंत तक 70 साल से अधिक उम्र के सभी के लोगों के लिए आयुष्मान कार्ड लॉन्च करेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को अन्य कैबिनेट मंत्रियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें राज्य और केंद्र सरकार के विधायक और अधिकारी मौजूद थे। यह पहल आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य हर परिवार को साल भर में 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर देना है, ताकि वे माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पतालों में इलाज करा सकें। बैठक का उद्देश्य आयुष्मान कार्डों का क्रियान्वयन और वितरण करने के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में आरोग्य मंदिर खोलने पर चर्चा करना था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई सालों के इंतजार के बाद दिल्ली को आयुष्मान भारत योजना मिली है और इसे लागू करने के लिए आज हम बैठक कर रहे हैं।

दिल्ली सरकार ने खोला खजाना, यमुना की सफाई पर खर्च होंगे 3140 करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण मुक्त यमुना, सार्वजनिक परिवहन के लिए 3247 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इसमें सबसे ज्यादा करीब 3140 करोड़ रुपये यमुना की सफाई पर खर्च होंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को व्यय एवं वित्त समिति की हुई बैठक में लंबी चर्चा के बाद सरकार ने यमुना में साफ पानी के लिए डी-सेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) व इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन योजना को मंजूरी दी। इसके अलावा नरेला में नई जेल बनाने के लिए 148 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दी है। बैठक में कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, आशीष सूद , डॉ, पंकज सिंह समेत अन्य मंत्री मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बैठक में दूसरा फैसला इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का लिया गया। द्वारका के डीटीसी, आईएसबीटी और क्लस्टर बस डिपो में इलेक्ट्रिक बसों की चार्जिंग हेतु बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ?107.02 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इसके तहत इलेक्ट्रिक बसों की चार्जिंग के लिए द्वारका सेक्टर-22 में क्लस्टर डिपो-1 और क्लस्टर डिपो-2, सेक्टर-22 द्वारका के आईएसबीटी और सेक्टर-8 द्वारका के डीटीसी डिपो में चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे।

वाजिदपुर ठकरान, मुंडका, नरेला , बवाना, औचंदी, ताजपुर खुर्द, कंझावला, मजरी, घेवड़ा, जौनापुर, बिजवासन, सलाहपुर, पंजाब खोर, कुतुबगढ़ ,टिकरी कलां, मोहम्मदपुर मजरी, निजामपुर, जौंती और बवाना। रेखा गुप्ता ने बताया कि बैठक में दिल्ली के विकास को लेकर महत्पूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। ये निर्णय दिल्ली को बेहतर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने बताया कि 27 डी-सेंट्रलाइज्ड एसटीपी के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इसके लिए कुल 3140 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। यमुना नदी को साफ करने की दिशा में यह फैसला अहम साबित होगा। इसके तहत नालों के गंदे पानी का शोधन, सीवरेज नेटवर्क के विस्तार, आधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स की स्थापना जैसे कार्य शामिल हैं। ये काम 18 महीने में पूरे किए जाएंगे।

मौत का डॉक्टर: 15 मरीजों को दी घातक दवाएं हो गया पैरालिसिस, सभी की मौत

बर्लिन , एजेंसी। जर्मनी की राजधानी बर्लिन से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने दुनियाभर में सनसनी फैला दी है। यहां एक 40 वर्षीय डॉक्टर को अपने ही मरीजों की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हैरानी की बात यह है कि यह डॉक्टर इन हत्याओं को अपने शौक के तौर पर अंजाम देता था- यानी उसे लोगों को मारने में आनंद आता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी डॉक्टर ने सितंबर 2021 से जुलाई 2024 के बीच 12 महिलाओं और 3 पुरुषों को जानबूझकर घातक दवाएं देकर मौत के घाट उतार दिया। मृतकों की उम्र 25 से 94 वर्ष के बीच थी। इन दवाओं में एनेस्थेटिक और मसल रिलैक?सेंट्स शामिल थे, जो पहले मरीजों को लकवाग्रस्त कर देती थीं और फिर उनकी मौत हो जाती थी। हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए आरोपी ने कम से कम पांच बार पीड़ितों के अपार्टमेंट में आग भी लगाई। एक ही दिन में दो मरीजों की हत्या करने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिनमें से एक जुलाई 2024 में हुई जब डॉक्टर ने पहले क्रुज़बर्ग में 75 वर्षीय पुरुष की और कुछ घंटों बाद न्यूकोल्न में 76 वर्षीय महिला की हत्या की। यह डॉक्टर इतना शातिर था कि कई बार वह खुद ही एम्बुलेंस और इमरजेंसी सेवाओं को फोन करता था, ताकि लगे कि वह मदद कर रहा है। एक मामले में उसने खुद एक 56 वर्षीय मरीज की तबीयत बिगड़ने की सूचना दी, जिसकी बाद में अस्पताल में मौत हो गई। पहली बार अगस्त 2024 में इसे गिरफ्तार किया गया था, लेकिन तब मामला केवल गैर-इरादतन हत्या का माना गया। इसके बाद जब नवंबर 2024 में चार और संदिग्ध मौतें सामने आईं, तो मामला गंभीर हुआ और फिर हत्या की साजिश सामने आने लगी। अब तक की जांच में पुलिस ने 395 संदिग्ध मौतों की पहचान की है, जिनमें इस डॉक्टर का हाथ होने की आशंका है। यह पहला मामला नहीं है जब किसी मेडिकल प्रोफेशनल पर इस तरह के संगीन आरोप लगे हों। इससे पहले एक मेल नर्स पर 9 मरीजों की हत्या और 26 को जानबूझकर ओवरडोज देने का आरोप लग चुका है।

कूड़े में मिली पिता की 62 साल पुरानी पासबुक,रातों-रात करोड़पति बन गया बेटा!

सैंटियागो (चिली) , एजेंसी। कहते हैं किस्मत कभी भी करवट ले सकती है, और जिंदगी आपको तब भी चौंका सकती है जब आप पूरी उम्मीद खो चुके हों। चिली के एक व्यक्ति के साथ कुछ ऐसा ही हुआ, जब एक धूलभरी पुरानी पासबुक ने उसकी जिंदगी रातोंरात बदल दी। इस शख्स का नाम है हिनोजोसा, जो अब अचानक से करोड़पति बन गए हैं—और वो भी किसी लॉटरी या इन्वेस्टमेंट से नहीं, बल्कि अपने पिता के छोड़े गए सामान के बीच छिपे खजाने से। हिनोजोसा के पिता का हाल ही में निधन हुआ था। पिता की यादों से जुड़े सामान को छंटनी करते वक्त उन्हें एक पुरानी बैंक पासबुक मिली, जो 1960–70 के दशक की थी। शुरुआत में उन्होंने उसे कबाड़ समझकर नज़रअंदाज़ कर दिया, लेकिन बाद में उत्सुकतावश पासबुक को ध्यान से देखा। पासबुक में लगभग 1.4 लाख रुपये (तब की मुद्रा में) जमा होने की जानकारी थी। रकम भले ही छोटी लग रही थी, लेकिन असली चौंकाने वाली बात ये थी कि पासबुक पर स्टेट गारंटी लिखा था। स्टेट गारंटी का अर्थ होता है कि यदि किसी बैंक का दिवाला निकल जाए या वह बंद हो जाए, तब भी सरकार उस बैंक के ग्राहकों की जमा राशि की जिम्मेदार होती है। इसका मतलब साफ था—बैंक बंद हो चुका था, लेकिन सरकार अब भी उस रकम को लौटाने के लिए बाध्य थी। सरकारी इनकार और फिर कानूनी जंग हिनोजोसा ने जब इस रकम के लिए सरकार से संपर्क किया, तो उनकी मांग को ठुकरा दिया गया। सरकार ने यह कहकर मामला रफा-दफा करने की कोशिश की कि बहुत समय बीत चुका है और बैंक अब अस्तित्व में नहीं है। लेकिन हिनोजोसा ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने हक के लिए कानूनी लड़ाई शुरू की। यह लड़ाई वर्षों चली, लेकिन अंततः न्यायालय ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया।

ब्रिटेन में ट्रांसजेंडर को महिला नहीं माना जाएगा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में अब ट्रांसजेंडर को महिला नहीं माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को महिला होने की कानूनी परिभाषा पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि जो जन्म से महिला यानी बायोलॉजिकल फीमेल है, उसे ही महिला माना जाएगा। कोर्ट के इस फैसले से ट्रांसजेंडर अधिकारों पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। कोर्ट ने समानता अधिनियम 2010 की व्याख्या करते हुए बताया कि महिला और लिंग शब्द बायोलॉजिकल फीमेल और बायोलॉजिकल जेंडर को बताते हैं। पांच जजों की बैंच ने सर्वसम्मति से यह फैसला दिया। बैंच में शामिल जज पैट्रिक हॉज ने कहा कि यह एक्ट ट्रांसजेंडर लोगों को उनके साथ जेंडर के आधार पर होने वाले भेदभाव से सरंक्षण देता है।

2018 में स्कॉटलैंड की सरकार ने एक कानून बनाया, जिसमें सार्वजनिक संस्थाओं में 50प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी जरूरी थी। इस कानून में ट्रांसजेंडर महिलाओं (जिनके पास जेंडर रिकग्निशन सर्टिफिकेट या जीआरसी है) को भी 'महिला' माना गया। फॉर वूमेन स्कॉटलैंड नाम के समूह ने इसका विरोध किया और कहा कि यह कानून 'महिला' की परिभाषा को गलत तरीके से बदल रहा है। 2022 में स्कॉटिश कोर्ट में यह मामला हारने के बाद, यह सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। 5 जजों ने एकमत से कहा कि इक्विलिटी एक्ट में 'महिला' और 'सेक्स' का मतलब जन्म से महिला और प्राकृतिक सेक्स है। ट्रांसजेंडर महिलाएं, भले ही उनके पास त्नत्रष्ट हो, लेकिन कानूनी रूप से वे 'महिला' की कैटगरी में नहीं आएंगी। कोर्ट ने कहा कि अगर ट्रांसजेंडर को शामिल किया गया, तो कानून अव्यवहारिक हो जाएगा। ट्रांसजेंडर महिलाओं को अब महिलाओं के लिए बने टॉयलेट, चेंजिंग रूम, अस्पताल वार्ड, जेल, या रेप काउंसलिंग सेंटर जैसी जगहों से बाहर रखा जा सकता है। पहले महिलाओं के टॉयलेट या चेंजिंग रूम का ट्रांसजेडर इस्तेमाल कर सकती थीं।

दिलचस्प हुआ कनाडा चुनाव, ट्रंप की धमकी के बाद लिबरल पार्टी को मिली संजीवनी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में आम चुनाव के लिए 28 अप्रैल को वोटिंग होनी है और इसके लिए चुनाव प्रचार चरम पर है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी और भारी-भरकम टैरिफ लगाने के बाद कनाडा का चुनाव दिलचस्प हो गया है। दरअसल कुछ समय पहले तक सत्ताधारी लिबरल पार्टी विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी से पिछड़ती नजर आ रही थी। इसके चलते जस्टिस ट्रूडो को भी पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था और उनकी जगह मार्क कार्नी को पीएम बनाया गया था।

अब ट्रंप की धमकी के बाद जिस तरह से लिबरल पार्टी ने सख्त रुख अपनाया है, उसके बाद से पार्टी की लोकप्रियता में उछाल देखा गया है। यही वजह है कि लिबरल पार्टी जहां चुनाव में ट्रंप से सामना करने का मुद्दा उठा रही है, वहीं विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी बदलाव की मांग कर रही है। बुधवार को फ्रेंच लैंग्वेज लीडर्स की डिबेट के दौरान मार्क कार्नी और पिएरे पोएलीवरे का आमना सामना हुआ। इस दौरान पीएम मार्क कार्नी ने कहा कि इस चुनाव में सवाल ये है कि कौन राष्ट्रपति ट्रंप का सामना करेगा। वहीं पिएरे पोएलीवरे ने बदलाव पर जोर दिया और कहा कि लोगों को लिबरल पार्टी को चौथा कार्यकाल नहीं देना चाहिए। गौरतलब है कि लिबरल पार्टी के शासन में कनाडा में घरों की कीमतें बढ़ी हैं और अप्रवासियों की बढ़ती संख्या को लेकर भी कनाडा के लोगों में नाराजगी है। इसके चलते लिबरल पार्टी की लोकप्रियता काफी कम हुई और जस्टिस ट्रूडो को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था। राष्ट्रवाद की लहर पर सवार लिबरल पार्टी को मिल रहा फायदा

ट्रूडो के इस्तीफा देने के बाद ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी दी और भारी टैरिफ लगा दिए। बदले माहौल में ट्रूडो ने ट्रंप का मजबूती से सामना किया और अमेरिका के सामने कड़ा स्टैंड लिया। इससे कनाडा में राष्ट्रवाद की लहर महसूस की गई। ट्रूडो के इस्तीफे के बाद लिबरल पार्टी ने मार्क कार्नी को अपना नेता चुना और वे नए पीएम बने। अब कार्नी के नेतृत्व में पार्टी चुनाव मैदान में है। राष्ट्रवाद की लहर पर सवार लिबरल पार्टी की लोकप्रियता में उछाल आया है। यही वजह है कि कनाडा का चुनाव जो कुछ दिनों पहले तक एकतरफा लग रहा था।

जुलाई 2025 में आ सकती है अब तक की सबसे भीषण सुनामी! 4 देश खतरे के निशान पर

टोक्यो, एजेंसी। साल 2025 अभी पूरी तरह शुरू भी नहीं हुआ और दुनिया पहले ही प्राकृतिक आपदाओं की गिरफ्त में आ चुकी है। इस बीच जापान के चर्चित भविष्यवक्ता रियो तात्सुकी, जिन्हें लोग जापानी बाबा वेंगा के नाम से जानते हैं, ने एक खौफनाक भविष्यवाणी की है - जुलाई 2025 में एशिया के कई देशों में तबाही मचा सकती है एक महाविनाशक सुनामी।

तात्सुकी का दावा है कि जुलाई 2025 में जापान के समुद्री क्षेत्र में समुद्र के अंदर एक भीषण ज्वालामुखी विस्फोट होगा। इसके बाद उठेगी ऐसी सुनामी, जो 2011 की त्रासदी से भी कई गुना बड़ी होगी। यह समुद्री तूफान न सिर्फ जापान, बल्कि ताइवान, इंडोनेशिया, फिलीपींस और उत्तरी मारियाना द्वीप तक भारी तबाही मचा सकता है। तात्सुकी ने बताया है कि ज्वालामुखी फटने के बाद समुद्र उबलने लगेगा, और उसके भीतर से लाल रंग के विशाल बुलबुले उठते दिखेंगे। यह सब एक हीरे के आकार वाले समुद्री क्षेत्र में होगा जो जापान के दक्षिणी इलाके से जुड़ा है। उनकी भविष्यवाणियों की एक खास बात यह है कि वे तारीख, स्थान और आपदा के प्रकार तक का जिक्र करते हैं- और 2011 की सुनामी की भविष्यवाणी की थी। अगर हम साल 2025 के पहले तीन महीनों की बात करें, तो लॉस एंजेल्स की जंगलों में लगी आग, थाईलैंड-म्यांमार में घातक भूकंप, और कई जगहों पर असामान्य मौसम पहले ही चिंता का कारण बन चुके हैं। ऐसे में तात्सुकी की जुलाई की भविष्यवाणी लोगों के दिलों में एक नई दहशत भर रही है। तात्सुकी की भविष्यवाणी को लेकर वैज्ञानिक समुदाय में कुछ संशय जरूर है, लेकिन उनके पूर्वानुमानों का ट्रैक रिकॉर्ड कई बार हैरान कर देने वाला रहा है। इसलिए अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या जुलाई 2025 की सुनामी की चेतावनी एक और हकीकत में बदलती है।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 17-04-2025 22:05 Page 1

झारखंड का अस्तित्व खतरे में नाम का अबुआ राज : चम्पाई सोरेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा नेता चंपई सोरेन ने बोकारो में कहा कि झारखंड में आदिवासियों का अस्तित्व खतरे में है। अब बस नाम का अबुआ राज रह गया है। सरहुल पूजा में शामिल होने बोकारो के बालीडीह पहुंचे चंपई सोरेन ने कहा कि संथाल परगना में निरंतर आदिवासियों की संख्या घटती जा रही हैं। यहां धर्म परिवर्तन का खेल चल रहा है।

मीडिया के सवालों के जवाब में चंपई सोरेन ने कहा कि हेमंत सरकार गूंगी बहरी हो गई है। झारखंड में लगातार बांग्लादेशियों का घुसपैठ हो रहा है। उन्होंने कहा, तीन चार दिन पहले ही बोकारो के चंदनकियारी में ही बांग्लादेशी पकड़ा गया है। लेकिन तुष्टिकरण के

कारण झारखंड सरकार को दिखाई नहीं दे रहा है। सरकार का रवैया झारखंड के हित में नहीं है।

चंपई सोरेन ने कहा कि वे धर्म परिवर्तन के खिलाफ आदिवासियों को जागरुक कर रहे हैं। संथाल परगना में 10 लाख से ज्यादा आदिवासियों को जुटा कर उन्हें उनकी संस्कृति और परम्परा को सुरक्षित रखने को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन कर अन्य धर्म में शादी करने वालों को आदिवासियों को मिलने वाला रिजर्वेशन नहीं मिलना चाहिए। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मुर्शिदाबाद कि घटना से झारखंड वासियों को सबक लेने की आवश्यकता है। अन्यथा झारखंड भी अशांत हो जाएगा।

महिला थाना को शिफ्ट करने के मामले का आईजी ने लिया संज्ञान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। महिलाओं पर हो रहे अत्याचार सहित और मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए चास थाना परिसर में महिला थाना की स्थापना की गई थी। लेकिन हाल के दिनों में चास थाना से इस महिला थाना को हटाकर एसडीपीओ कार्यालय परिसर चास जेल के पास शिफ्ट कर दिया गया है। इसको लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने इस का विरोध किया है। हालांकि इस मामले का संज्ञान बोकारो जोन की आईजी माइकल एस राज ने लिया है और उन्होंने एसपी से इस मामले को देखने का निर्देश दिया है।

लोगों का कहना है कि महिला थाना ऐसी जगह शिफ्ट किया गया है ।जहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट की कोई व्यवस्था नहीं है ।पीड़ित अपने दुख दर्द को लेकर अगर उसे थाने में पहुंचने की कोशिश करें तो उसे आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है रात के अंधेरे में भी कोई महिला उसे सुनसान थाने में नहीं पहुंच सकती है। वही आईजी माइकल एस राज ने बताया कि चास थाने में जहां यह थाना संचालित हो रहा था वह छोटा सा रूम था। वहां महिलाओं और बच्चों के लिए किसी तरह की व्यवस्था नहीं थी। इसी को देखते हुए इसे पुराने सीडीपीओ कार्यालय में शिफ्ट किया गया है। हालांकि इसमें भी अगर कोई परेशानी हो रही है तो एसपी इस मामले को देखकर इसका निदान करेंगे।

एसपी ने थानेदारों को दिए निर्देश

बोकारो। बोकारो पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में आज जिले के सभी डीएसपी, थानेदार और इंस्पेक्टर के साथ एसपी मनोज स्वर्गियारी ने क्राइम मीटिंग की ।इस दौरान जिले में पिछले महीने में हुई अपराध को लेकर समीक्षा भी की गई।

बोकारो सिटी सहित और इलाकों में बाइक और घरों में हो रहे चोरी को लेकर एसपी ने थाना प्रभारी को सख्त निर्देश दिया है। हाल के दिनों में वह हत्या की घटना पर भी एसपी ने विशेष चर्चा की है। उन्होंने कहा पिछले महीने कई सालों से फरार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है।

गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। आज ऑडिटोरियम में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सन्यंत्र के विभिन्न विभागों के लगभग 55 अधिकारीयों, कर्मचारीगण तथा निविदा कर्मियों के लिए सुरक्षा अभियंत्रण विभाग तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे सुरक्षा विभाग से सहायक महाप्रबंधक सुखदेव महतो, तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग से सहायक प्रबंधक सुशील कुमार साल्वी उपस्थित थे।

सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण विभाग) सुखदेव महतो ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतिभागियो को सुरक्षा शपथ दिलाई। तत्पश्चात गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी के साथ कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा स्टील प्लांट के लिए गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व के बारे में बताया तथा सभी प्रतिभागियो से इस कार्यक्रम से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक प्रबंधक सुशील कुमार साल्वी ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियो को गैस सुरक्षा से संबन्धित जानकारी दी।

जविप्र विक्रेताओं को दिए निर्देश

बोकारो। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्यान्न का शत प्रतिशत वितरण लाभुकों के बीच किया जाना है। आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक में पाया गया कि जिला अंतर्गत खाद्यान्न का डोर स्टेप डिलीवरी (डीएसडी) किए जाने के बावजूद खाद्यान्न वितरण का प्रतिशत संतोषजनक नहीं है। जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं द्वारा ससमय खाद्यान्न का वितरण नहीं किया जा रहा है। लाभुकों को ससमय खाद्यान्न प्राप्त हो इसके लिए 18 अप्रैल से 25 अप्रैल तक चावल दिवस की तरह सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेता शाम 6:00 बजे तक खाद्यान्न का वितरण करना सुनिश्चित करेगें।

उपायुक्त ने किसी भी परिस्थिति में आये हुए लाभुकों को खाद्यान्न वितरण किये बिना वापस नहीं भेजेंगे। यह सुनिश्चित करने को सभी जविप्र विक्रेताओं को कहा है। उन्होंने सभी बीडीओ को आदेश दिया है कि अपने क्षेत्र में 18 से 25 अप्रैल तक किये जाने वाले वितरण का व्यापक प्रचार-प्रसार करेगें तथा सभी प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं का दुकान शाम 6:00 बजे तक खुला रखने हेतु निर्देशित करते हुए सतत निगरानी करेगें।

खिलाड़ियों को मिले संसाधन एवं उच्च प्रशिक्षण: धर्मवीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। राजस्थान के कोटा में 20 से 22 अप्रैल तक अंडर 20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेने हेतु झारखंड राज्य की टीम के लिए बोकारो के खिलाड़ियों का भी चयन हुआ है। इसमें बोकारो के सूरज कुमार 72 केजी ग्रीको रोमन में तथा अभिषेक कुमार 63 केजी ग्रीको रोमन में तथा झारखंड कोच के रूप में मृत्युंजय नाथ चौधरी नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में भाग लेने आज रवाना हो गए। बोकारो जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने आज खिलाड़ियों एवं कोच को शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी। उन्हें कोटा के लिए रवाना करते हुए कहा कि बोकारो जिला में ढेर सारे प्रतिभावान खिलाड़ी पहलवान हैं, जिन्हें जिला प्रशासन एवं बोकारो इस्पात प्रबंधन समुचित व्यवस्था, संसाधन एवं उच्च कोटि के प्रशिक्षण दे तो बोकारो एवं झारखंड का नाम देश में करेंगे। जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून ने भी चयनित खिलाड़ियों को बधाइयां दी ।बधाइयां देने वाले लोगों में अध्यक्ष धर्मवीर सिंह, उपाध्यक्ष पंकज कुमार, उपाध्यक्ष रणधीर कुमार, कार्यकारिणी सदस्य रामजीत यादव, विक्की गुप्ता,ललन शर्मा, सहित अन्य थे।

डीआरडीए निदेशक ने की अनुपालन प्रगति की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार डीआरडीए निदेशक मेनका ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में पूर्व में आयोजित जिला स्तरीय विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक के अनुपालन प्रतिवेदन की विभागवार समीक्षा बैठक किया। मौके पर सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे ।डीआरडीए निदेशक ने बताया कि कुछ दिनों में जिला स्तरीय विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक प्रस्तावित है। इसको लेकर पूर्व की बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन की विभाग वार जानकारी ली।

उन्होंने विभिन्न योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली। कहा कि दिशा की बैठक में न केवल वर्तमान में चल रही योजनाओं की समीक्षा होगी बल्कि भविष्य की प्रस्तावित परियोजनाओं पर भी विचार-मंथन होगा। साथ ही, प्रस्तावित योजनाओं को कार्यरूप में परिणत करने पर भी चर्चा की जायेगी।

बैठक में डीआरडीए निदेशक ने मुद्रा योजना, पथ निर्माण विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग और एनएच की सड़कें, विकास योजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण, झारखंड राज्य पुल निर्माण निगम की योजना, लघु एवं वृहद सिंचाई योजना, उज्ज्वला योजना, मत्स्य संपदा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, प्रधानमंत्री आवास योजना, वन एवं पर्यावरण विभाग आदि कार्यान्वित योजनाओं की समीक्षा और प्रस्तावित योजनाओं पर चर्चा की। संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया। अपूर्ण अनुपालन प्रतिवेदन को जल्द अद्यतन कर जिला को समर्पित करने का निर्देश दिया। प्राप्त निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर एजेंडा वार समीक्षा किया। जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

कार्य में लापरवाही को ले डीपीओ यूआइडी से पूछा गया स्पष्टीकरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त विजया जाधव ने जिले में आधार पंजीयन/सुधार कार्यों के प्रगति का समीक्षा किया। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे। उपायुक्त ने समीक्षा क्रम में आधार पंजीयन के प्रगति की जानकारी ली। इस क्रम में जनवरी से मार्च माह तक मात्र 185 लोगों के नया आधार पंजीयन होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। कहा कि चंद्रपुरा - चास - पेटरवार प्रखंड में शून्य एवं चंदनकियारी में मात्र 02 नया पंजीयन हुआ है। वहीं, शून्य से 05 वर्ष के बच्चों के लिए भी 28 फरवरी से 08 मार्च तक आयोजित शिविर में मात्र 133 नये बच्चों का पंजीयन हुआ है, जिसमें चंद्रपुरा प्रखंड में 02, जरीडीह झ पेटरवार प्रखंड में मात्र 02 बच्चों का पंजीयन हुआ है। इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उपायुक्त ने डीपीओ यूआइडी शैलेंद्र मिश्रा से स्पष्टीकरण पूछने का अपर समाहर्ता को निर्देश दिया।

वहीं, माह के अंतिम सप्ताह में पंचायत/प्रखंड स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने को लेकर डीपीओ यूआइडी/सीएससी मैनेजर को तैयारी करने का निर्देश दिया। मनरेगा, अबुआ आवास, पीएम आवास, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्री मैट्रिक झ पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना,

आयुष्मान भारत योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना आदि सभी योजनाओं के लाभ में आधार नंबर, बैंक खाता से आधार लिकेंज जरूरी है, इसलिए इसे उच्च प्राथमिकता देते हुए सतत आधार पंजीयन/आधार अपडेट के कार्य को करने को कहा। उन्होंने कहा कि कोई भी लाभुक आधार के अभाव में योजना का लाभ लेने से वंचित नहीं रहें यह सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने आम जनों से अपील किया है कि वह अपने नजदीकी आधार केंद्र में जाकर अपना आधार पंजीयन कराएं एवं आधार अपडेट करें।

समीक्षा क्रम में 45 आधार सेंटर के काम नहीं करने, पंचायत स्तरीय सीएससी में आधार पंजीयन बंद होने को लेकर डीपीओ यूआइडी/सीएससी मैनेजर को राज्य स्तर से पत्राचार करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर समीक्षा कर जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेसियों ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष किया विरोध प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सोनिया गाँधी एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई के विरोध में बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने उपायुक्त कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

मौके पर श्री गुप्ता ने भाजपा सरकार की कथित तानासाही के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि जब जब भाजपा के खोखले विकास के दावे बेनाकब होते हैं, तब तब वह जाँच एजेंसियो का सहारा लेकर सच्चाई को दबाने की कोशिश करती हैं। केंद्र की मोदी सरकर के इशारे पर अदालत में जिस एजेंसी के तहत नेशनल हेराल्ड का मामला पहुंचाया गया हैं उसकी मंशा सिर्फ विपक्ष को प्रताड़ित करनी की हैं, इस मामले में भाजपा की साजिस के खिलाफ पुरे देश और कांग्रेसजनों में आक्रोश

है ।उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड केस में कोई दम नहीं है ।इसे लंबे समय से खींचा जा रहा है ।यह मामला राजनीति से प्रेरित है। हमें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है,हम कानूनी तरीके से लड़ेंगे और हमें न्याय मिलेगा। विपक्ष की आवाज दबाने के लिए श्रीमती सोनिया गांधी जी और राहुल गांधी जी को निशाना बनाया गया है। मोदी सरकार के पास कोई सबूत नहीं है, वे सिर्फ विपक्ष की छवि खराब करना चाहते हैं ।ये पूरी तरह से बोगस चार्जशीट है, एक फर्जी मामला है ।असलियत ये है कि 12 साल पुराने केस में सरकार को 365 वें दिन चार्जशीट दायर करनी पड़ी, क्योंकि उनके पास कोई साक्ष्य या सबूत नहीं है। सरकार ने मनी लॉड्रिंग का चार्ज उस केस में लगाया है, जहां एक पैसे का आदान-प्रदान नहीं हुआ है। एक भी प्रॉपर्टी का ट्रांसफर नहीं हुआ है। यंग इंडियन एक नॉट फॉर प्रॉफिट-सेक्शन 25 की कंपनी है, वो अपने किसी शेयर होल्डर को डिविडेंड या सैलरी नहीं देती है। हम भाजपा के दुष्प्रचार का सामना कोर्ट में करेंगे। ये भाजपा का डर और उनकी प्रतिशोध की गंदी राजनीति दिखाता है ।मौके पर वरिष्ठ कोंग्रेसी रास नारायण सिंह, सुशील झा, देवेंद्र चौबे, इंद्रदेव पासवान, अब्दुल हाजी मलिक,लाखन सिंह, रीता सिंह,नागेंद्र चौधरी, अशोक मिश्रा,प्रेम राय,कमरुल हसन,जितेंद्र यादव,सत्येंद्र यादव, आफताब आलम, बनमाली बाउरी, सुबोध मिश्रा, महेश मंडल,महावीर सिंह चौधरी, हसानुल्लाह अंसारी, निवारण तिवारी, मुख्तार अंसारी, अशोक मंडल,रमेश महाराज, पंकज महाथा, सपन प्रामाणिक, नितेश भारद्वाज, शाहिद राजा, रफीक अमानत,शकुंतला देवी, अनिल सिंह, नजीर अहमद, राजन कालिंदी, अजय शर्मा,अमानत हुसैन, मनोज वर्मा, बैजनाथ जायसवाल, आशा देवी,जीवन मंगल, राजीव सिंह, रत्नेश सिंह, कुणाल रंजन झा, दुर्गावती देवी,रंजू देवी,संगीमिता सिंह समेत जिला प्रखंड नगर मण्डल के ऊर्जावान पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

किशोररियों और महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता जरूरी : बीडीओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कसमार। कसमार प्रखंड कार्यालय में आज सहयोगिनी संस्था के द्वारा किशोरी इंटरफेस बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधि , फ्रंट लाइन वर्कर , सामुदायिक नेता एवं लाइन डिपार्मेंट के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड प्रमुख नियोती डे ने कहा, हमें अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा। बाल विवाह, बाल यौन शोषण और मानव तस्करी जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़नी होगी। हर लड़की द्रोपदी मुर्मू, प्रतिभा पाटिल, इंदिरा गांधी और सुनीता विलियम्स बन सकती है, यदि वह खुद को पहचान ले।

प्रखंड विकास पदाधिकारी नम्रता जोशी ने किशोरियों को संबोधित करते हुए कहा, हमें शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से अपनी एक अलग पहचान बनानी चाहिए। सभी लड़की और महिला को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए और उन्हें दृढ़ता से अपनाना चाहिए। उन्होंने सभी से बाल विवाह, बाल श्रम, बाल यौन शोषण और बाल तस्करी के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया। सहयोगिनी की सूर्यमणि देवी ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों और महिलाओं को उनके अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और बाल अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान किशोरी पीयर लीडर्स ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे वे अपने गांवों में सामाजिक बदलाव की दिशा में कार्य कर रही हैं। बीडीओ ने सक्रिय पीयर लीडर्स को प्रोत्साहित करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की और उन्हें सम्मानित भी किया।

उपस्थित सभी लोगों ने मिलकर यह संकल्प लिया कि वे बाल अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करेंगे

और समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाएंगे।

सहयोगिनी के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि सहयोगिनी संस्था कसमार प्रखंड के 7 पंचायत के 30 गांव में किशोरियों के नेतृत्व क्षमता को विकसित करने को लेकर काम कर रही है। समाज की वंचित पीड़ित किशोरियों महिलाओं को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ उनको शसक्त बनाया जा रहे है। वर्तमान में सभी पंचायत ने किशोरियों के साथ लाइफ स्किल्स, जेंडर, मानसिक स्वास्थ्य, पोषण एवं कौशल विकास को लेकर ट्रेनिंग दिया जा रहा हे।

इस कार्यक्रम में मुख्य महिला पर्यवेक्षिका सुषमा गुप्ता, सरिता कुमारी,सहयोगिनी की कुमारी किरण कुमारी,बिनीता देवी,रेखा देवी ,संगीता देवी, प्रतिमा देवी , मंजू देवी, नीतू कुमारी, रवि कुमार राय, अमरजीत कुमार, आंगनबाड़ी सेविका नीलम देवी, रेखा देवी, रूपा देवी, राशन देवी, शीला देवी, कौशल्या देवी और नर्मदा देवी उपस्थित रहीं।

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। पत्रकारों पर हुए हमले के विरोध में धनबाद के पत्रकारों ने रणधीर वर्मा चौक स्थित धरना स्थल पर विरोध प्रदर्शन किया ।धनबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजीव झा ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि पत्रकारों पर बार बार हमले हो रहे हैं सरकार से मांग है कि पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू होनी चाहिए। उन्होंने कहा कल की घटना को लेकर हमलावरों के खिलाफ धनबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है ।24 घंटे के भीतर अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं होने की स्थिति में पत्रकार साथी 19 अप्रैल को नये समाहरणालय भवन के समक्ष भी धरना देंगे, इसके बाद एक दिन का भूख हड़ताल भी होगा। इस दौरान धनबाद प्रेस क्लब के महासचिव अजय प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राशिद राजा अंसारी एवं उनके पुत्रों और भाइयों के द्वारा पत्रकारों पर किए गए हमले काफी निंदनीय है। उन्होंने कहा कि मामले की प्राथमिक की दर्ज कर दी गई है पुलिस प्रशासन अगर 24 घंटे के अंदर कार्रवाई नहीं करती है तो पत्रकारों का आंदोलन और उग्र होगा। चरणबद्थ आंदोलन चलाया जाएगा। अगर कार्रवाई नहीं हुई तो पत्रकार भूख हड़ताल पर भी जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जैसे पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष इस तरह का कुक्कृत करता है इसको लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी पत्र प्रेषित किया जाएगा और धनबाद के कांग्रेस कार्यकारी जिला अध्यक्ष राशिद राजा अंसारी पर अनुशासनात्मक एवं दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए आग्रह किया जाएगा।

बता दें कि कांग्रेस के जिला कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी के पुत्र उनके भाइयों और कांग्रेस पार्टी के एक दूसरे गुट के बीच मारपीट की घटना घटी थी ।इसी बीच मारपीट की घटना का कवरेज करने पर पत्रकारों पर हमला कर दिया गया उनके मोबाईल छीन लिये गए थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com